E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -152 | प्रयागराज, बुधवार 27 अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

भारत पर कल से 50फीसदी अमेरिकी टैरिफ,यूएस ने 25फीसदी एक्स्ट्रा टैक्स का नोटिफिकेशन जारी किया, रूस से तेल खरीदने पर यह जुर्माना

नयी दिल्ली। अमेरिकी सरकार ने भारत से होने वाले आयात पर 25फीसदी एडिशनल टैरिफ लगाने वाला ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। जुर्माने के तौर पर लगाया गया यह टैरिफ भारतीय समय के अनुसार 27 अगस्त को सुबह 9:31 बजे से लागू हो जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 6 अगस्त को रूस से तेल खरीद पर जुर्माने के तौर पर इस टैरिफ का ऐलान किया था। इससे पहले व्यापार घाटे का हवाला देकर भारत पर 7 अगस्त से 25फीसदी टैरिफ लगाया था। यानी कुल मिलाकर भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ अब 50फीसदी तक लगेगा। इसमें लिखा है, 'जो ड्यूटी इस दस्तावेज की सूची में बताई गई है, वो भारत से आने वाली चीजों पर लागू होगी। ये चीजें या तो अमेरिका में इस्तेमाल के लिए लाई जाएंगी या गोदाम से इस्तेमाल के लिए निकाली जाएंगी। ये नियम 27 अगस्त 2025 को 12:01 एएम से लागू हो जाएगा।'गुजरात बेस्ड टेक्सटाइल बिजनेसमैन आशीष गुजराती ने कहा- ओवरऑल इंडस्ट्री पर इसका असर तो होने ही वाला है। होम टेक्सटाइल्स का सबसे बड़ा बायर यूएस ही है। इस सेगमेंट में भारत के टोटल एक्सपोर्ट का 35फीसदी हम यूएस एक्सपोर्ट करते हैं। मुझे लगता है 2 -3 महीने में इसका सॉल्यूशन भी आ जाना चाहिए। अभी कोई क्लैरिटी नहीं है। इससे तो पूरा ट्रेड डिस्टर्ब हो गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्रवाई पर कहा था- अमेरिका ने हाल ही में भारत के रूस से किए जा रहे तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने पहले ही साफ कर दिया है कि हम बाजार की स्थिति के आधार पर तेल खरीदते हैं और इसका मकसद 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगा रहा है, जबकि कई और देश भी अपने हित में यही काम कर रहे हैं। हम दोहराते हैं कि ये कदम अनुचित, नाजायज और गलत हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दिन पहले अहमदाबाद में ट्रम्प के टैरिफ का जिक्र किए बिना कहा था- 'मेरी सरकार छोटे उद्यमियों, किसानों और पशुपालकों पर कभी कोई आंच नहीं आने देगी। चाहे कितना भी दबाव आए, हम झेलने की अपनी ताकत बढ़ाते रहेंगे।'भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2फीसदी (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45फीसदी (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है। सवाल 1: टैरिफ क्या होता है और ट्रम्प ने भारत पर क्यों लगाया? जवाबः टैरिफ यानी आयात शुल्क। जब कोई देश दूसरे देश से सामान खरीदता है, तो उस पर कुछ टैक्स लगाता है, उसे टैरिफ कहते हैं। ट्रम्प का कहना है कि भारत अमेरिकी सामानों पर बहुत ज्यादा टैरिफ वसूलता है, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों पर कम टैक्स लगाता है। ट्रम्प को लगता है कि ये नाइंसाफी है। इसलिए, उन्होंने अपनी 'रेसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी यानी 'जैसे को तैसा' नीति के तहत भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। ट्रम्प का कहना है कि भारत उनके सामानों पर ज्यादा टैक्सन लगा रहा है, अब वे भी भारत के सामानों पर भारी टैरिफ लगाएंगे। ट्रम्प ने भारत के रूस से तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर भी नाराजगी जताई थी। सवाल 2: भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील की क्या स्थिति है? जवाबः भारत और अमेरिका लंबे समय से एक ट्रेड डील पर काम कर रहे हैं। 25 अगस्त को अमेरिकी टीम छठे दौर की बातचीत के लिए आने वाली थी, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया। भारतीय अधिकारी सितंबर या अक्टूबर तक एक बड़ा समझौता करने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन कुछ मुद्दों पर अभी भी सहमति नहीं बन पा रही है, जैसे एग्रीकल्च सेक्टर। भारत जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों और डेयरी मार्केट अमेरिका के लिए खोलने को तैयार नहीं है।

ChatGPT की सलाह ने पहुंचाया अस्पताल,एआई से कभी न लें हेल्थ एडवाइज, इन तरीकों से पाएं सही हेल्थ इंफॉर्मेशन

नयी दिल्ली। आजकल इंटरनेट और एआई टूल्स जैसे ChatGPT हर सवाल का जवाब देने का दावा करते हैं। लेकिन क्या ये स्वास्थ्य

से जुड़ी सलाह के लिए भरोसेमंद हैं? इसका जवाब है नहीं, बिल्कुल नहीं। हाल ही में अमेरिका में एक 60 साल के शख्स की कहानी ने सबको चौंका दिया। उन्होंने ChatGPT से नमक के विकल्प पूछे और उसकी सलाह पर सोडियम ब्रोमाइड इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। नतीजा ये हुआ कि उन्हें ब्रोमाइड पॉइजनिंग हो गई, जो एक रेयर और खतरनाक कंडीशन है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद उन्हें मतिभ्रम, पैरानॉइया (दूसरों पर अकारण संदेह) और मानसिक परेशानियां हुईं। यह घटना 'एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन क्लिनिकल केसेस' में पब्लिश हुई है। असल में इस शख्स ने नमक के नुकसान के बारे में पढ़ा और ChatGPT से पूछा कि क्या कोई विकल्प है। एआई ने शायद इंडस्ट्रियल या दूसरे संदर्भ में ब्रोमाइड का जिक्र किया होगा, लेकिन शख्स ने इसे नमक की जगह इस्तेमाल करने का फैसला कर लिया। तीन महीने तक रोजाना ब्रोमाइड लेने से उनके ब्लड में ब्रोमाइड लेवल 1700 mg/L पहुंच गया, जो सामान्य से कई सौ गुना ज्यादा था। डॉक्टरों ने आईवी फ्लूइड्स और इलेक्ट्रोलाइट्स से उनका इलाज किया और तीन हफ्तों में वे ठीक हो पाए। लेकिन यह मामला चेतावनी की तरह है कि एआई से हेल्थ एडवाइज लेना जानलेवा हो सकता है। मामले को और गहराई से समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अजय नायर, सीनियर कंसल्टेंट, नारायणा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, जयपुर से सवाल जवाब के माध्यम से। सवालः ChatGPT से हेल्थ एडवाइज क्यों नहीं लेनी चाहिए? जवाबः ChatGPT जैसे एआई टूल्स सामान्य जानकारी देते हैं, लेकिन वे डॉक्टर नहीं हैं। वे पुराने डेटा पर ट्रेन होते हैं और पर्सनल हेल्थ कंडीशन नहीं समझते हैं। ऊपर वाली कहानी में शख्स ने एआई की सलाह को गलत समझा और ब्रोमाइड इस्तेमाल किया, जो क्लोराइड की जगह नहीं ले सकता। एआई में मेडिकल ट्रेनिंग नहीं होती है। इसलिए वे गलत या अधूरी सलाह दे सकते हैं। सवालः हेल्थ मिसइनफॉर्मेशन क्या है और यह क्यों फैलती है? जवाबः हेल्थ मिसइनफॉर्मेशन गलत या भ्रामक जानकारी है, जैसे कोई बिना सबूत के दावा करे कि कोई जड़ी-बूटी कैंसर ठीक कर देगी। यह सोशल मीडिया, वीडियो या ब्लॉग्स से फैलती है क्योंकि लोग भावनाओं पर खेलते हैं- **आगे की ख़बर पेज स. 5 पर..**

गुजरात में मोदी बोले- किसानों पर आंच नहीं आने देंगे,कितना भी दबाव आए,झेलने की ताकत बढ़ाते रहेंगे,2 दिन बाद लगेगा 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अहमदाबाद में कहा, 'मेरे देश के छोटे उद्यमी हों, किसान हों, या पशुपालक हों, सभी के लिए, मैं आपसे बार-बार

वादा करता हूं, आपका हित मोदी के लिए सर्वोपरि है।' उन्होंने ट्रम्प के टैरिफ का जिक्र किए बिना कहा- 'मेरी सरकार छोटे उद्यमियों, किसानों और पशुपालकों पर कभी कोई आंच नहीं आने देगी। चाहे कितना भी दबाव आए, हम झेलने की अपनी ताकत बढ़ाते रहेंगे।' अमेरिका भारत पर 27 अगस्त से 50इ टैरिफ लगा रहा है। उन्होंने अपनी स्पीच में ऑपरेशन सिंदूर, कांग्रेस का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'दुनिया ने देखा है कि हमने पहलगाम का बदला कैसे लिया। 22 मिनट में सब कुछ साफ कर दिया। गुजरात सुदर्शनधारी और चरखाधारी दो मोहन की धरती है। सुदर्शनधारी ने भारत को सेना के पराक्रम-इच्छाशक्ति का प्रतीक बनाया। चरखाधारी ने आत्मनिर्भर बनाया है।'पीएम 25 और 26 अगस्त को गुजरात दौरे पर हैं। वे शाम 5 बजे अहमदाबाद पहुंचे और नरोडा से निकोल तक करीब 3 किमी लंबा रोड शो किया। उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों को अभिवादन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, राज्यपाल देवव्रत आचार्य समेत कई नेता मौजूद रहे। उन्होंने रु5477 करोड़ के विकास कार्यों की शुरुआत की। साबरमती से कटोसन रोड ट्रेन और कार लोडेड ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी के संबोधन की 5 बड़ी बातें- गुजरात की धरती पर दो मोहनः गुजरात की ये धरती, दो मोहन की धरती है। एक सुदर्शन चक्रधारी मोहन यानी हमारे द्वारकाधीश श्रीकृष्ण। दूसरे चरखाधारी मोहन यानी साबरमती के संत पूज्य बापू। भारत आज सुदर्शन चक्रधारी मोहन और चरखाधारी मोहन के दिखाए रास्ते पर चलकर निरंतर सशक्त होता जा रहा है। दुनिया ने पहलगाम हमले का बदला देखाः पहले आतंकी हमारा खून बहाते थे और दिल्ली में बैठी कांग्रेस सरकार कुछ नहीं करती थी। लेकिन आज आतंकवादियों और उनके आकाओं को हम छोड़ते नहीं, चाहे वो कहीं भी छुपे हों। दुनिया ने देखा है कि पहलगाम का बदला भारत ने कैसे लिया है। 22 मिनट ही सबकुछ साफ। ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना के शौर्य और सुदर्शन चक्रधारी मोहन के भारत की इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गया है। मेरे लिए किसान-पशुपालक सर्वोपरिः मैं अहमदाबाद की इस धरती से अपने लघु उद्यमियों, दुकानदारों और किसानों-पशुपालकों से कहूंगा। मैं हर किसी के लिए बार-बार वादा करता हूं. **आगे की ख़बर पेज स. 7 पर..**

केजीएमयू में नेल पॉलिश लगाकर ड्यूटी नहीं कर सकेंगी नर्स, ज्यादा गहने पहनने पर भी लगी रोक

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (केजीएमयू) में अब महिला नर्सिंग ऑफिसर ड्यूटी के दौरान नेल पॉलिश नहीं लगा सकेंगी। न ही ज्यादा गहने पहन सकेंगी। वे बेहद सामान्य से गहने ही पहनकर ड्यूटी कर सकेंगी। यह यूपी का पहला मेडिकल संस्थान है जिसमें नर्सिंग मैनुअल लागू किया गया है। हालांकि, नर्सिंग ऑफिसर इस मैनुअल का विरोध कर रहे हैं। वहीं लोहिया की सीनियर स्टाफ़ नर्स 'मोनिका बेंसन' से बात करने पर उन्होंने बताया की इंफेकशन आदि से बचने के लिए ऐसे नियम पहले से हैं पर अभी लोहिया में ऐसा कोई गाइड लाइन नहीं मिला हैं। मामले में केजीएमयू का कहना है कि इससे इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा। नर्सिंग मैनुअल को केजीएमयू कार्यपरिषद ने मंजूरी दी है। इस मैनुअल में नर्सिंग अधिकारियों के दायित्व, अधिकार और छुट्टी संबंधी

मोनिका बेंसन

प्रावधान दर्ज हैं। अभी तक इस प्रकार का कोई दस्तावेज प्रदेश के किसी भी सरकारी संस्थान में नहीं है।नर्सिंग ऑफिसर की ड्यूटी संबंधी बोर्ड इमरजेंसी और वार्ड में भी लगाए जाएंगे। इसका उद्देश्य है कि मरीज और तीमारदार उनसे आसानी से संपर्क कर सकें। मैनुअल में नर्सिंग ऑफिसर की अहम जिम्मेदारियां भी बताई गई हैं। इन जिम्मेदारियों में शामिल हैं - सभी से विनम्रता से बात करना, मरीजों को मिलने के समय की जानकारी देना, दवाएं संबंधी जानकारी तीमारदारों से साझा करना, पीने के पानी का स्थान पूछने पर बताना, मरीज के खाने का समय और दिन के समय नाई की उपलब्धता बताना। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। नर्सिंग ऑफिसर की जिम्मेदारी भी तय होगी। इससे इलाज की गुणवत्ता में और सुधार होगा। इससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलने की उम्मीद है। यह मैनुअल प्रदेश के अन्य चिकित्सा संस्थानों के लिए भी एक उदाहरण बन सकता है। इससे अन्य संस्थानों में भी मरीजों की देखभाल में सुधार हो सकता है।

मजार को छूकर देख लो..बीजेपी विधायक शलभ मणि और सीएम योगी को मिली धमकी

देवरिया। सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के माध्यम से मारने की धमकी मिली है। एमडी

सेराज नाम की ईमेल आईडी से यह धमकी दी गई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। बताया जा रहा है कि गोरखपुर रोड स्थित ओवरब्रिज के बगल में मजार का दायरा बढ़ाने की शिकायत करने पर विधायक को यह धमकी मिली है। इस मुद्दे को लेकर इस साल जून में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मिले थे। उन्होंने शिकायत की थी कि देवरिया के गोरखपुर रोड पर ओवरब्रिज से सटा मजार बना है। मजार का दायरा साल दर साल बढ़ता चला गया। विधायक ने सवाल उठाया था कि बंजर जमीन, कुर्ना नाला और नेशनल हाइवे होने के बावजूद इस मजार का निर्माण किस प्रकार हुआ। यह रेलवे ओवरब्रिज के ठीक नीचे बनाया गया है। विधायक ने पूछा कि ऐसे में इसका नक्शा कैसे स्वीकृत हुआ।इस बीच सोशल मीडिया पर एमडी सेराज नाम की ईमेल आईडी से धमकी दी गई है। धमकी में सदर विधायक को गोली मारने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री का हाल बुरा कर देने की धमकी भी दी गई है। यह भी कहा गया है कि मजार को छूकर देख लो। धमकी भरा मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल होते ही जांच एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। एसपी विक्रांत वीर ने बताया कि एक वेबसाइट पर कमेंट बॉक्स में सदर विधायक को धमकी दी गई है। सोशल मीडिया पर आई इस टिप्पणी का स्वतः संज्ञान लेकर पुलिस जांच कर रही है। मामले को साइबर सेल को सौंप दिया गया है।

दिव्यांग बन दवा लेने आया, महिला डॉक्टर करती रही जांच मौका देखकर मोबाइल लेकर फरार

कानपुर। कानपुर से मोबाइल चोरी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। घटना ने डॉक्टर-मरीज के बीच भरोसे के संबंध को भी तोड़ा है। डॉक्टरों के लिए घटना चेतावनी से कम नहीं है। दरअसल, इलाज कर रही डॉक्टर के मोबाइल चोरी की घटना की चर्चा खूब हो रही है। घटना हैलट हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज की है। शनिवार को अस्पताल में यह चौंकाने वाली घटना सामने आई। यहां एक युवक दिव्यांग मरीज बनकर ईएनटी विभाग में पहुंचा और महिला जूनियर डॉक्टर का एप्पल मोबाइल चुराकर फरार हो गया। हालांकि, मरीज की यह करतूत अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक, ईएनटी विभाग में मरीजों को देख रही डॉक्टर का मोबाइल अचानक गायब हो गया। डॉक्टर को शक हुआ कि फोन उसी मरीज ने लिया है, जिसका पर्चा वह हाथ में देख रही थीं। फोन चोरी होने के तुरंत बाद वह मरीज भी बिना दवा लिखाए गायब हो गया। सीसीटीवी में पूरी वारदात कैद हो गई। फुटेज में दिख रहा है कि आरोपी युवक छड़ी के सहारे खुद को दिव्यांग बताकर डॉक्टर के पास पहुंचा और उन्हें अपना पर्चा दिखाने लगा। जब डॉक्टर अपने सीनियर से बात करने लगीं। इसी दौरान आरोपी ने मौका पाकर उनका मोबाइल उठा लिया और बाहर निकल गया।सूचना मिलते ही पुलिस ने अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। करीब 60 कैमरों की मदद से आरोपी की पहचान कर 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान मोहम्मद फैज के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली।

रसूलाबाद की तरफ निर्माणाधीन पुल पर हादसा,देश के दूसरे सबसे बड़े 6 लेन ब्रिज के निर्माण के दौरान हादसा,ट्रक गयी नदी में

प्रयागराज। गंगा नदी में बन रहे देश के दूसरे सबसे बड़े 6 लेन ब्रिज पर सोमवार शाम को बड़ा हादसा हो गया। जिसका वीडियो सोशल

मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक बड़े ट्रक-कंटेनर को नाव पर लादा जा रहा था । ट्रक नदी के किनारे बने एक रैंप से होकर नाव पर चढ़ रहा है, तभी अचानक संतुलन बिगड़ जाता है और ट्रक कंटेनर सहित नदी में गिर जाता है। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। यह ब्रिज मलाक हरहर से बेली रोड को कनेक्ट करता है। जो फाफामऊ पुल के बगल में बनाया जा रहा है। प्रयागराज के मलाक में 26 नवंबर 2020 से 10 किमी लंबा, देश का दूसरा सबसे बड़ा 6 लेन ब्रिज बनाने का काम शुरू हुआ। इसमें करीब 4 किमी का पुल गंगा नदी पर बनना था। 26 नवंबर 2020 को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसका शिलान्यास किया। 9.9 किमी लंबे पुल के लिए 1948 करोड़ रुपए का बजट रखा। इस पुल को बनाने के लिए एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को जिम्मेदारी दी गई। कंपनी ने काम भी शुरू कर दिया।

हर घंटे बाढ़ के डर से बढ़ रही धड़कने,लेटे हनुमानजी को चौथी बार नहलाया

प्रयागराज। पहाड़ी इलाकों में हो रही बारिश ने मैदानी इलाकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालात कुछ ऐसे हैं कि चौथी बार प्रयागराज में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। गंगा और यमुना का जलस्तर बढ़ने लगा है। पिछले 24 घंटे में यमुना 288 सेमी और गंगा 143 सेंटीमीटर बढ़ गई हैं। मंगलवार सुबह 8 बजे तक यमुना का जलस्तर 82.85 मीटर पहुंच गया। गंगा का जलस्तर 80.82 मीटर पर है। यहां डेंजर लेवल 84.734 मीटर है। प्रयागराज में सोमवार को गंगा ने चौथी बार लेटे हनुमानजी को स्नान कराया। पूरी प्रतिमा डूब गई। इससे पहले 15, 18 और 29 जुलाई को गंगा का पानी गर्भगृह तक पहुंचा था। पिछली साल पूरे मानसून सीजन सिर्फ दो बार पानी लेटे हनुमान मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचा था। पहली बार- 7 अगस्त 2024 और दूसरी बार- 13 अगस्त 2024 को गर्भगृह में पानी भर गया था। गंगा के दारागंज घाट, जहां शव का अंतिम संस्कार किया जाता है वहां निचले इलाके मे रखी गई अंत्येष्ठि की लकड़ियां नदी में बहने लगी। जिन्हें आसपास के लोगों ने एकत्रित कर सहेजा। तीसरी बाढ़ का रौद्र रूप देखा गया। शहर का छोटा बघाड़ा, रिवर फ्रंट रोड, दारागंज घाट, संगम घाट, अरैल घाट, बारादरी, बलुआ घाट पूरी तरह डूब गए

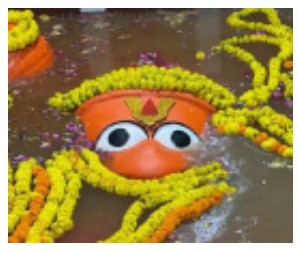

थे। महाकुंभ में बने सभी पक्के घाट जलमग्न हो गए थे। हालात यह थे कि तटवर्ती इलाकों में रहने वाले 15 लाख लोग पलायन करने पर मजबूर हो गए थे। एक पखवाड़े तक तराई इलाके मे लोग अपने घर छोड़ कर बाढ़ राहत शिविर मे दिन रात काटने को मजबूर हुए। जल स्तर नीचे जाने के बाद लोग अपने घरो मे वापस चले गए, लेकिन एक बाद उन्हे चिंता सता रही है कि चौथी बार बाढ़ आई तो क्या उन्हे फिर घर छोड़ आश्रय घरो मे रहना पड़ेगा। कछारी क्षेत्रों में दर्जन भर से ज्यादा गांव शहर से कट गए थे। बड़ी तादात में लोग नाव के सहारे एक छोर से दूसरे छोर आ जा रहे थे। बुनियादी जरूरत के सामान की सप्लाई भी नाव पर निर्भर हो गई। बिजली आपूर्ति से लेकर पेय जल का संकट खड़ा हो गया था। बच्चो के स्कूल कई दिन तक छूटे रहे। प्रशासन की मदद पर ग्रामीण इलाके व शहरी इलाके की खाद्य एवं रासद सामग्री वितरित हुई। बीमार लोगो को हॉस्पिटल ले जाने के लिए लोग घंटों नाव से सफर करने को मजबूर हुए।उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, और उत्तर प्रदेश के ऊपरी हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है। जिसके चलते बादल फटने जैसी घटनाएं भी समने आईं।कम समय में भारी बारिश के चलते पहाड़ी क्षेत्रों में बांध ओवरफ्लो होने लगे। ऐसे में बांध प्रशासन ने बांध का दबाव कम करने के लिए पानी को रिलीज किया। जिसका असर तराई इलाकों समेत प्रयागराज में भी देखने को मिला।गंगा और यमुना में मिलने वाली सहायक नदियां जैसे कि टोंस, बेतवा, चंबल, और केन भी उफान पर हैं। इन नदियों का पानी भी मुख्य नदियों में मिलकर जलस्तर को बढ़ा रहा है।

संगमनगरी की बाजारों में तीज की धूम,रात में रोशन हुईं दुकानें, महिलाओं की उमड़ी भीड़,मेहंदी के लिए लगी लाइन

प्रयागराज। तीज पर्व से एक दिन पहले सोमवार को प्रयागराज की बाजारों में चहल पहल और उत्साह का माहौल साफ झलक रहा था। सोमवार को शहर के बाजारों में दिनभर जबरदस्त भीड़

देखने को मिली। महिलाएं तीज की तैयारी में पूरे जोश के साथ जुटी रहीं, वहीं बाजारों में भी त्योहार को लेकर विशेष सजावट और रौनक देखने को मिली। मेहँदी की दुकानों पर दिन भर लाइन लगी रही।शहर के प्रमुख बाजार जैसे कटरा, सिविल लाइंस, चौक, राजापुर, फाफामऊ और सुभाष चौराहा महिला खरीदारों से भरे रहे। दिन चढ़ते ही बाजारों में पत्नियों का तांता लग गया। महिलाएं परंपरागत श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, साड़ियाँ, लहंगे, ब्यूटी प्रोडक्ट्स और पूजन सामग्री की खरीदारी करती नजर आईं। त्योहार की भावना में रंगी महिलाओं के बीच एक तरह की उमंग और उल्लास देखने को मिला।इस मौके पर सबसे ज्यादा भीड़ मेहँदी की दुकानों और स्टॉलों पर देखने को मिली। सजे-धजे स्टॉलों पर मेहँदी रचवाने के लिए महिलाओं और युवतियों की लंबी लाइनें लगी रहीं। खास बात यह रही कि सिविल लाइंस चौराहे पर मुस्लिम महिलाएं भी तीज व्रत रखने वाली हिंदू महिलाओं को अपने हाथों से मेहँदी लगाती नजर आईं। यह दृश्य प्रयागराज की गंगा-जमुनी तहजीब का सुंदर उदाहरण बना, जहाँ सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक समरसता की अनूठी झलक देखने को मिली।महिलाएं न केवल श्रृंगार और पूजा की सामग्री खरीद रही थीं, बल्कि मिठाइयों की दुकानों पर भी खूब भीड़ देखी गई। घेवर, गुजिया, लड्डू और अन्य पारंपरिक मिठाइयों की जमकर बिक्री हुई।तीज से पहले की यह चहल-पहल यह दर्शाती है कि शहर में पारंपरिक त्योहारों को लेकर लोगों में आज भी वही उत्साह और श्रद्धा कायम है। साथ ही, सिविल लाइंस चौराहे पर दिखी धार्मिक सौहार्द की तस्वीरें यह बताने के लिए काफी थीं कि प्रयागराज न केवल संगम का शहर है, बल्कि यह भावनाओं और संस्कृतियों के संगम का भी प्रतीक है।

आबकारी देय से संबंधित वसूली प्रमाण पत्र की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आबकारी देय से संबंधित वसूली प्रमाण पत्र की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वसूली प्रमाण पत्रों की प्रगति, लंबित प्रकरणों की स्थिति तथा राजस्व वृद्धि के दृष्टिगत विभागीय कार्रवाई की विस्तार से समीक्षा की गई। एडीएम ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी वसूली कार्य को प्राथमिकता पर लेकर निर्धारित समय सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि लंबित प्रमाण पत्रों के शीघ्र निस्तारण हेतु तहसील स्तर पर विशेष अभियान चलाया जाए, जिससे राजस्व वसूली की गति तेज हो सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वसूली में शिथिलता अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में जिला आबकारी अधिकारी ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अब तक की गई वसूली की जानकारी दी तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, जिला आबकारी अधिकारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में प्लेसमेंट कैंप, 17 छात्रों का चयन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी स्थित इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर (आईटीआई) में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 17 छात्रों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ। इस अवसर पर छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी तकनीकी योग्यता का प्रदर्शन किया। केंद्र के प्रधानाचार्य ने बताया कि यह प्लेसमेंट कार्यक्रम संस्थान में चल रहे प्रशिक्षण की गुणवत्ता को दर्शाता है। चयनित छात्रों को आगामी सप्ताह में जॉइनिंग लेटर सौंपे जाएंगे। संस्थान ने इस उपलब्धि पर सभी प्रशिक्षकों और छात्रों को बधाई दी है।

अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा की बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रट सभागार में हुई।बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिनमें राजमार्गों पर अवैध रूप से निर्मित कटो, पेट्रोलिंग, पार्किंग व्यवस्था, हीट एवं रन वेज मामले, प्रवर्तन कार्यवाही ,अतिक्रमण ,ब्लैक स्पॉट, बाईपास निर्माण के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा के लिए जो भी दिशा निर्देश दिए गए हैं उनका पालन कराया जाए। बारिश के मौसम में क्षतिग्रस्त सड़को की मरम्मत कराई जाए। जहां पर निर्माण कार्य चल रहे हैं उसमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान रहा रखा जाए। हिट एवं रन के मामले में संबंधित को तुरंत लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने स्कूल वाहनों के नियमित रूप से जांच करने की भी निर्देश दिए। कहा कि किसी भी विद्यालय में अनफिट वाहन न चलाया जाए। सड़क सुरक्षा के संबंध में जन जागरूकता अभियान संबंधित विभागों द्वारा भी चलाया जाए। इन कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों को अवश्य शामिल किया जाए। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग महिपाल सिंह, संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

लखनऊ-सपा कार्यकर्ताओं को बस में भरकर ले गई पुलिस,विधानभवन की ओर बढ़ रहे नेताओं की जबरदस्त धक्का-मुक्की, खाद के लिए बवाल

लखनऊ। लखनऊ में सपा कार्यकर्ताओं ने हल लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। खाद की समस्याओं को लेकर कार्यकर्ताओं ने विधान भवन घेरने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को जबरन बस में ठूंसकर बैठा दिया। इसके बाद उन्हें इको गार्डन भेज दिया गया। कार्यकर्ताओं ने सरकार पर किसान विरोधी होने का आरोप लगाया। समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ता नवनीत ने कहा- अन्नदाताओं को खाद के लिए दिन-रात संघर्ष करना पड़ रहा है। यह सरकार किसान विरोधी है। बड़े पैमाने पर खाद की कालाबाजारी हो रही है, जिसे सरकार रोक पाने में विफल है। पूरे प्रदेश में खाद केंद्रों पर किसानों की लंबी लाइन लगी हुई है। महिलाएं घर परिवार छोड़ कर लाइनों में लगने पर मजबूर हैं। ये सरकार ना तो महिलाओं का सम्मान करती है और ना ही किसानों का।प्रदर्शनकारियों ने कहा- खाद को लेकर सीधे तौर पर लापरवाही और कालाबाजारी है। किसानों को खाद क्यों नहीं मिल रही है। सरकार इसका जवाब दे। आखिर इतनी किल्लत क्यों हो रही है। खाद समय से न मिलने पर किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। खून पसीने से जिन फसलों को सींचते हैं वो सब बर्बाद हो रही हैं।राज ने कहा- लाइन में लगे किसान बेहोश होकर गिर रहे हैं और मौत हुई जा रही है। कई किसान खाद की लाइन में मर चुके हैं। यह बेहद शर्मनाक है कि अन्नदाता किसानों की मौत लाइनों में लगने की वजह से हो रही है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा- उत्तर प्रदेश में जंगलराज कायम है।

बढ़ती हुई महंगाई और बेरोजगारी ने किसानों को परेशान कर दिया। पीडीए पर वार हो रहा है। दलित और अल्पसंख्यकों के साथ जो व्यवहार हो रहा है, इससे सरकार की विफलता साबित होती है। 2027 में उत्तर प्रदेश की जनता सरकार पलटने जा रही है। हम लोग लगातार किसानों के मुद्दों पर लड़ रहे हैं। खाद की इतनी किल्लत है कि किसान लाइनों में लगने से परेशान होकर आत्महत्या कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी किसानों पर अत्याचार कर रही है। अखिलेश यादव की सरकार में ऐसा बिल्कुल नहीं था। किसानों को फसलों का दाम और खाद सब कुछ सही समय पर मिलता था।

वुडवर्क (काष्ठ कला) ट्रेड में 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु करें ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेला।उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया है कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ओ0डी0ओ0पी0 प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजनान्तर्गत जनपद में वुडवर्क (काष्ठ कला) ट्रेड में 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र ऑनलाइन वेबसाइट https://diupmsme.gov.in पर आमंत्रित किये जा रहे हैं। आवेदक की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो तथा आवेदक वुडवर्क के क्षेत्र में कार्य करता हो। चयन उपरांत लाभार्थी को 10 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण तथा टूलकिट प्रदान किया जायेगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 05 सितंबर 2025 है।उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया कि योजनान्तर्गत पात्रता हेतु आवेदन करने की तिथि को प्रशिक्षार्थी की आयु न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए। प्रशिक्षार्थी को उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए। शैक्षिक योग्यता की कोई बाध्यता नहीं है। उन्होंने बताया कि आवेदक द्वारा केन्द्र तथा राज्य सरकार की किसी योजनान्तर्गत उत्पाद से सम्बन्धित टूलकिट का लाभ विगत 02 वर्षों में न प्राप्त किया हो। आवेदक अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य को योजनान्तर्गत केवल एक बार ही लाभान्वित किया जायेगा। परिवार का आशय पति एवं पत्नी से है। आवेदक द्वारा पात्रता की शर्तों को पूर्ण किये जाने के सम्बन्ध में घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना होगा। विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सिविल लाइन्स, रायबरेली से सम्पर्क किया जा सकता है।

158 परिषदीय विद्यालयों की साफ-सफाई व दवा का छिड़काव कराया गयाः डीपीआरओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह द्वारा समस्त सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को ग्रामीण क्षेत्रों के कुल 2301 परिषदीय विद्यालयों की साफ-सफाई कराये जाने हेतु 25 से 30 अगस्त 2025 तक माईक्रोप्लान तैयार कर सफाई कर्मचारियों से रोस्टर के अनुसार साफ-सफाई कराये जाने के निर्देश निर्गत किये गये हैं। जिसके क्रम में आज सफाई कर्मचारियों द्वारा जनपद में कुल 158 परिषदीय विद्यालयों की साफ-सफाई, झाड़ी की कटाई एवं दवा का छिड़काव कराया गया। जिनमें से विकास खण्ड डलमऊ की ग्राम पंचायत में स्थित प्राथमिक विद्यालय मलियापुर, भगवानपुर तपेतेरूखा विकास खण्ड ऊँचाहार की ग्राम पंचायत ऊँचाहार देहात, रामसाण्डा, हुरैसा, सरायभान, किशुनदासपुर, बहेरवा विकास खण्ड- सतांव की ग्राम पंचायत-शेखापुर, कल्याणपुर रैली, गोझरी, पूरे घासी, सलारपुर आदि ग्राम पंचायतों में स्थित विद्यालयों में साफ-सफाई का कार्य कराया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार व अमित पाल सिंह, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के दिशा-निर्देशन में 13 सितम्बर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, समस्त सिविल जज(व0 श्रेणी), समस्त अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटगण, समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेटगण, समस्त सिविल जज(क0 श्रेणी) के न्यायालयों में लम्बित मामलों के अधिक से अधिक निस्तारण की रुप-रेखा तय किये जाने हेतु बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में आहूत की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता माननीय जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह के द्वारा की गयी। माननीय जनपद न्यायाधीश द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये, जिससे अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। बैठक में पिछले लोक अदालत की सफलता को दोहराने व उसे और सफल बनाने के लिए उठाये जाने वाले कदमों पर विचार-विमर्श किया गया जिसमें सभी ने अपने-अपने सुझाव साझा किये। बैठक में अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम शौर्य के द्वारा मा0 उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दिये गये निर्देशों के प्रकाश में न्यायालय में लम्बित मामलों का निस्तारण कर आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने के सम्बन्ध में वार्ता की गयी। इस बैठक में अपर जिला जज/नोडल अधिकारी लोक अदालत अमित कुमार पाण्डे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पवन कुमार सिंह, सिविल जज(सी0डि0) अमित मिश्रा, प्रथम अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिशा, प्रथम अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सी0डी0 अमोद कंठ, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-द्वितीय प्रभाष त्रिपाठी व अन्य न्यायिक मजिस्ट्रेटगण उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में लगे बेरोजगारी हाय-हाय के नारे,पहुंची हजारों की भीड़,कूड़े में बिखरे मिले बायोडाटा

लखनऊ। यूपी सरकार की ओर से रोजगार महाकुंभ का आयोजन किया गया। 3 दिन के मेले में हिस्सा लेने के लिए रात से ही युवा यहां पहुंचने लगे थे। मंगलवार सुबह तक आयोजन स्थल इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के आसपास करीब 1 लाख युवाओं का जमावड़ा लग गया। 2 किमी एरिया में युवा ही युवा नजर आ रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा- हमारी सरकार युवाओं को बिना ब्याज, बिना गारंटी के ऋण दे रही है। इसके जरिए 6 महीने के अंदर 70 हजार युवाओं को लाभ दिया जा चुका है। वे स्वयं का रोजगार भी शुरू कर रहे हैं। वहीं, रोजगार मेले में अव्यवस्था दिखी। युवाओं की भीड़ बार-बार बेकाबू हो रही थी। लखनऊ के डीएम विशाखजी और पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र सेंगर खुद व्यवस्था बनाने में जुटे थे। युवाओं को बैरिकेडिंग करके अब एक जगह बैठाया जा रहा था। युवाओं का कहना है कि यहां कोई सुनवाई नहीं है। कोई नौकरी नहीं है, न खाने की व्यवस्था, न पीने की। हम लोग रात से ही यहां आ गए थे। इंतजार में थे कि नौकरी मिलेगी, लेकिन यहां तो कोई सुनवाई ही नहीं हुई। वे बेरोजगारी हाय-हाय के नारे लगा रहे थे। उनका ये भी आरोप है कि उनकी सीवी लेकर उसे कूड़े में फेंक दिया गया। बेरोजगारों का कहना था कि अव्यवस्था का आलम यह कि हमें किस स्टॉल पर जाना है, यह बताने वाला भी कोई नहीं था। इस स्टॉल से उस स्टॉल भटक रहे थे। कुछ युवाओं ने यहां बुलाया गया है। मेला तीन दिन चलेगा। आईजीपी में रोजगार मेले में रिक्रूटमेंट ऑफिसर बोले-5000 सीवी मिली है। इनको शॉर्टलिस्ट करेंगे। इसके बाद अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाएंगे।राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित रोजगार मेले में आज सुबह से ही बड़ी संख्या में युवा पहुंच रहे हैं। इस मेले में आईटी, एफएमसीजी, शिक्षा, सिक्योरिटी, पैकिंग, लोडिंग और कंस्ट्रक्शन जैसी 150 से अधिक कंपनियां शामिल हुई हैं। कंपनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में योग्य उम्मीदवारों का चयन किया जा रहा है।रोजगार मेले में 100 से ज्यादा अलग-अलग प्रोफाइल की नौकरियां उपलब्ध हैं। इनमें साइट इंजीनियर, प्रोजेक्ट मैनेजर, फाइनेंस एग्जीक्यूटिव, आईटी और सेल्स इंजीनियर, कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव, रिसर्च, बैंकिंग व फाइनेंस, मशीन ऑपरेटर, लोडिंग ऑपरेटर और सुपरवाइजर समेत 50 से अधिक पद शामिल हैं। युवाओं के इंटरव्यू सुबह से लगातार चल रहे हैं।इस मेले में न्यूनतम वेतन पैकेज 11000 रुपये तय किया गया है, जो हेल्पर की नौकरी के लिए है। वहीं अधिकतम वेतन पैकेज 41,000 रुपये तक का रखा गया है, जो साइट इंजीनियर के पद के लिए है। सबसे ज्यादा नौकरियां आईटीआई और डिप्लोमा धारक छात्रों के लिए निकाली गई हैं। इन उम्मीदवारों को देशभर की विभिन्न कंपनियों में नियुक्ति दी जाएगी।मेले में आए युवाओं को सबसे पहले अपने क्षेत्र से संबंधित काउंटर पर जाकर रजिस्ट्रेशन करना होता है। रजिस्ट्रेशन के बाद उम्मीदवार को एक टोकन दिया जाता है। इसके आधार पर उन्हें संबंधित हॉल में बुलाया जाता है, जहां वे अपने रिज्यूमे और दस्तावेजों के साथ इंटरव्यू देते हैं। सफल उम्मीदवारों को मौके पर ही ऑफर लेटर प्रदान किया जा रहा है।रोजगार महाकुंभ में नियोक्ताओं ने अभ्यर्थियों से बायोडाटा जमा कराने के बाद उसे कूड़े में फेंक दिया। इससे अभ्यर्थी काफी नाराज हुए। उन्होंने 'योगी सरकार, हाय-हाय' के नारे लगाए।सरकार का दावा है कि यह यूपी का सबसे बड़ा रोजगार मेला है। इसमें 100 से अधिक देश-विदेश की कंपनियां हायरिंग करेंगी। बेरोजगारों का कहना है कि अव्यवस्था का आलम यह कि हमें किस स्टॉल पर जाना है, यह बताने वाला भी कोई नहीं था। इस स्टॉल से उस स्टॉल भटक रहे हैं। कुछ युवाओं कहा कि जर्मनी में जॉब का ऑफर देकर बुलाया था। अब कह रहे हैं कि दुबई में नौकरी मिलेगी। सेवायोजन विभाग की निदेशक नेहा प्रकाश ने बताया कि आठवीं पास से लेकर परास्नातक और डिप्लोमा इंजीनियरिंग तक पढ़ाई कर चुके युवा इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। कार्यक्रम में देश-विदेश की 100 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। तीन मंचों के जरिए युवाओं को उनकी योग्यता और आवश्यकता के अनुसार प्रदेश, देश और विदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।सीएम ने कहा- हम लोगों ने 24 जनवरी 2025 को सीएम युवा उद्यमी स्कीम लॉन्च की। जिसके तहत युवाओं की रुचि के अनुसार रोजगार मिलेगा। उनको ब्याज मुक्त, गारंटी मुक्त, ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। उसके लिए हमारी गवर्नमेंट 10फीसदी मार्जिन मनी भी उपलब्ध करा रही है। अब तक 70000 युवाओं ने इस स्कीम के साथ जुड़कर के स्वयं का उद्यम स्थापित करने की दिशा में काम प्रारंभ किया है। पिछले 8 वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश पुलिस में 2 लाख 19 हजार भर्तियां हमने कीं और सरकारी नौकरी दी। उत्तर प्रदेश के अंदर 156000 शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न किया और अलग-अलग विभागों को देख तो शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, विश्वविद्यालय इन सभी को अगर हम जोड़ते हैं तो यह संख्या साढ़े 8 लाख होती है, जो देश में सबसे अधिक है। अब तक 33 से ज्यादा

सैक्टोरियल पॉलिसी हमने तैयार की है।आत्मनिर्भर प्रादेशिक उत्तर प्रदेश की आधारशिला बनेंगे। उसे अभियान को लेकर के हर हाथ को कम मिले उसे श्रृंखला में हम लोगों में प्रदेश के अंदर परंपरागत हस्तशिल्पी और कारीगरों के लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान और पीएम श्रम स्कीम भी लागू की। कोई कारपेंटर है, कोई राज्य मिस्त्री है, कोई हलवाई का काम कर रहा है तो कोई कुम्हार का काम कर रहा है। कोई न किसी काम से वह जुड़ा हुआ है।राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज की जो बात की थी वह यही है। हम लोगों ने उन्हें ट्रेनिंग दी।योगी आदित्यनाथ ने कहा- कोरोनाकाल में 40 लाख श्रमिक यहां पर आए थे। उनमें से सभी को अपने प्रदेश में रोजगार मिला और उनमें से 90फीसदी लोग आज भी उसी यूनिट में काम कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है कि 96 लाख यूनिट ने जिसे भी रजिस्ट्रेशन कराया है उन सबको हमने 5 लख रुपए का सुरक्षा बीमा करवाया है। अगर एक यूनिट अपने यहां दो से लेकर 10 लोगों को कम दे रहा है तो सोचिए कि कितने लोगों को रोजगार मिला है। ये लोग पहले बाहर जाते थे कम ढूंढते थे। आज उन्हें उन्हीं के जनपद में, उन्हीं के प्रदेश में काम का एक मंच मिला है।योगी ने कहा- परंपरागत उद्यम सिर्फ यूपी के अंदर हैं। 2017 में जब हम लोग आए थे तो हम लोगों ने फिर से उन बंद संस्थाओं को देखा। प्रत्येक जनपद के लिए एक जनपद-एक उत्पाद की एक नई स्कीम को आगे बढ़ाया। आज उसी का परिणाम है कि ओडीओपी ने प्रदेश के अंदर एमएसएमई के क्षेत्र में पूरे प्रदेश के अंदर 96 लाख यूनिट को फिर से पुनर्जीवित करके करोड़ों युवाओं को काम देने और उसी के जनपद में रोजगार देने में मदद की। एमएसएमई प्रोडक्ट और उससे जुड़े हुए जो हमारे लघु और कुटीर उद्योग थे। इसका एहसास हम लोगों को तब हुआ जब कोरोनाकाल में बड़े पैमाने पर प्रवासी, कामगार और श्रमिक अपने-अपने जनपदों की तरफ प्रवेश किए।यह एक मौका है जब इंडस्ट्री और एम्पलॉयर दोनों एक साथ मिल रहे हैं। एक तरफ संस्थाएं भी हैं जो रोजगार दे रही हैं और दूसरी तरफ वे युवा हैं जो स्किल डेवलपमेंट के साथ जुड़कर रोजगार को प्राप्त करने का उत्सुक हैं।पिछले 8 साल के अंदर प्रदेश में जब काम प्रारंभ हुए हैं उसका परिणाम है कि जिस प्रदेश में पहले गांव का गांव पलायन करता था रोजगार के लिए, आज वह स्वयं भी अपने यहां रोजगार उपलब्ध करवा रहा है।सीएम योगी ने कहा- विकसित भारत की परिकल्पना के साथ हर व्यक्ति और हर संस्था अपना योगदान दे।

नैनी- लाश के टुकड़े कर साड़ी में लपेटा,स्कूटी से युवक बैग में लेकर आया, महिला ने देखा तो नाले में फेंक कर भागा

प्रयागराज। लाश को साड़ी में लपेटकर नाले में फेंक दिया गया। एक युवक स्कूटी से पहुंचा था। वह बड़ा बैग लिए था। उसने बैग से लपेटे गए शवों के टुकड़ों को निकाला फिर फेंक दिया। इसी बीच एक महिला ने देख लिया। वह पूछने लगी कि क्या फेंक रहे हो? इस पर युवक जल्दी से निकलकर भाग निकला। महिला ने गांव वालों को सूचना दी। लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। इसके बाद पुलिस टीम पहुंची। फोरेंसिक टीम

ने सैंपल भरे। घटनास्थल को सील कर दिया। टुकड़ों में बंटा शव महिला का है या फिर पुरुष का। पुलिस इसकी जांच कर रही है। उसकी शिनाख्त के लिए आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। महिला ने पुलिस को बताया कि स्कूटी से जो युवक आया था, वह मोटे शरीर का था। सफेद टीशर्ट और लोअर पहने हुए था। ये मामला मंगलवार का है। यमुनापार के औद्योगिक क्षेत्र में हाईटेक सिटी के पास लाश लिपटी हुई मिली।

बाइक सवार लड़कों की बैगनार कार से टक्कर लगने पर दर्दनाक मौत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। थाना ईकोटेक 3 क्षेत्रान्तर्गत

ग्राम कुलेसरा पुस्ता रोड पर टीवीएस राइडर बाइक पर सवार सुमित, लवकुश व उनके दो अन्य दोस्त रिहान व मोनू ठाकुर (उम्र करीब 16 से 18 वर्ष) जा रहे थे, तभी सामने से आ रही वैगनॉर कार नंबर यूपी 16 सीआर 3293 की बाइक से टक्कर हो गयी। जिसमें बाइक सवार चारों लड़के घायल हो गए जिनको उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया, उपचार के दौरान चारों घायल लडको की मृत्यु हो गयी है। मृतको के शव का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। पुलिस द्वारा कार को कब्जे में लेते हुये कार चालक को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। परिजन मौके पर मौजूद हैं, तहरीर प्राप्त कर अग्रिम आवश्यक कार्यवाही की जा रही है, मौके पर शांति व्यवस्था स्थापित है।

कानपुर में सामने आया अजीब मामलाःसिक्योरिटी गार्ड को 3.14 करोड़ का जीएसटी नोटिस, परिवार के उड़े होश

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां नौबस्ता थाना क्षेत्र के हंसपुरम निवासी 22 वर्षीय

सिक्योरिटी गार्ड ओमजी शुक्ला को वेंद्रीय वस्तु एवं सेवाकर सीजीएसटी ने 3.14 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस भेजा है। दिल्ली कार्यालय से भेजे गए इस नोटिस में ओमजी पर 17 करोड़ से अधिक का कपड़े का कारोबार करने का आरोप लगाया गया है। इस नोटिस ने उनके परिवार में दहशत मचा दी है, और वे समझ नहीं पा रहे कि इतनी बड़ी रकम का भुगतान कैसे करेंगे। काकादेव कोचिंग मंडी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने वाले ओमजी शुक्ला ने 12वीं तक पढ़ाई की है और अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए रात में ड्यूटी करते हैं। दो सप्ताह पहले उन्हें सीजीएसटी के दिल्ली कार्यालय से पहला नोटिस मिला, जो उनके घर पर न मिलने के कारण पड़ोसी को सौंपा गया। इसके बाद 21 अगस्त को डाकिया ने 32 पेज का दूसरा नोटिस थमाया, जिसमें ओमजी का पता और परमानेंट अकाउंट नंबर (पैन) दर्ज था। नोटिस में 17 करोड़ 47 लाख 56 हजार 200 रुपये के कारोबार का जिक्र है, जिस पर 3 करोड़ 14 लाख 56 हजार 116 रुपये का टैक्स मांगा गया है। साथ ही, उन्हें सात दिनों के भीतर सभी दस्तावेजों के साथ हाजिर होने को कहा गया है। नोटिस मिलने के बाद ओमजी ने इसे कई लोगों को दिखाया, जिनमें से ज्यादातर ने इसे फर्जी बताया। फिर भी उन्होंने नोटिस को संभालकर रखा। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्रा ने टैक्स सलाहकारों से चर्चा के बाद पुष्टि की कि नोटिस में उल्लिखित कारोबार और टैक्स की रकम दर्ज है। परेशान ओमजी ने सोमवार को कानपुर के सर्वोदय नगर स्थित जीएसटी कार्यालय में आयुक्त रोशन लाल से मुलाकात की। आयुक्त ने उन्हें नोटिस का उचित जवाब देने और संबंधित कार्यालय से संपर्क करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकारी दस्तावेज का जवाब देना आवश्यक है, और संबंधित अधिकारी ही नोटिस की प्रामाणिकता की पुष्टि कर सकते हैं। ओमजी और उनके परिवार को समझ नहीं आ रहा कि एक सिक्योरिटी गार्ड के नाम पर इतने बड़े कारोबार का दावा कैसे किया जा सकता है। इस मामले ने न केवल उनके परिवार, बल्कि स्थानीय समुदाय में भी चर्चा का विषय बना दिया है। लोग इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि क्या यह नोटिस किसी तकनीकी गड़बड़ी या धोखाधड़ी का परिणाम है।रोशन लाल ने ओमजी को सलाह दी है कि वे नोटिस का जवाब तैयार करें और दिल्ली कार्यालय से संपर्क करें। इस बीच, ओमजी और उनका परिवार इस सदमे से उबरने की कोशिश कर रहे हैं, साथ ही यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि इस मामले का समाधान कैसे होगा।

अपनों ने नहीं दिया साथ, लखनऊ के डॉग लवर्स ने चंदा जुटाकर करवाया बुजुर्ग मां-बेटे का अंतिम संस्कार

लखनऊ। लखनऊ के रविन्द्रपल्ली इलाके में बेला चक्रवर्ती (90) और उनके बेटे

असीम चक्रवर्ती (65) के शव उनके घर में ही मिले थे। इस मामले में परिचितों ने उनके शवों का अंतिम संस्कार चंदा लगाकर किया। एक को छोड़कर कोई अन्य रिश्तेदार अंतिम संस्कार तक में शामिल नहीं हुआ। रविन्द्रपल्ली इलाके में हाउस नंबर 96 में बेला चक्रवर्ती (90) बेटे असीम चक्रवर्ती (65) के साथ कई वर्षों से रह रही थीं। उनके पति प्रकाश चंद्र चक्रवर्ती रेलवे में अकाउंटेंट के पद से रिटायर्ड थे। उनके पति, बड़े बेटे अमित, अमित की पत्नी चन्द्रानी और छोटे बेटे रंजीत की मौत हो चुकी थी। इसके बाद बेला और असीम ही एक दूसरे का सहारा थे। शनिवार को असीम का शव घर के गेट के पास पोर्टिको में मिला था। वहीं, बेला का सहारा शव ड्राइंग रूम में सोफे पर मिला था। पुलिस ने दोनों के ही शवों को पड़ताल के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया था। रविवार रात तक कोई रिश्तेदार पंचनामे की प्रक्रिया तक में शामिल होने को तैयार नहीं था। अमित के साले चारबाग निवासी अनिल चटर्जी व कुछ परिचित सोमवार सुबह पंचनामे की प्रक्रिया में शामिल होने को तैयार हुए। इसके बाद शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया।बेला और असीम के शवों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि उनकी मौत 48 घंटे पहले हुई थी। इस हिसाब से दोनों की मौत शनिवार दोपहर से शाम के बीच हो गई थी। डॉक्टरों ने दोनों के शवों का विसरा सुरक्षित रखा है। विसरा जांच के लिए भेजा जाएगा। वहीं, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बेला और असीम के लंग्स में इंफेक्शन मिला है। इंस्पेक्टर गाजीपुर विकास राय के मुताबिक इस मामले की छानबीन की जा रही है। फिलहाल बेला और असीम के घर पर पुलिस ने अपना ताला लगा रखा है।त्रिवेणीनगर निवासी रामराज असीम के दोस्त हैं। उन्होंने बताया कि करीब 17 वर्षों से दोनों की दोस्ती थी। वह अक्सर असीम से मिलने उनके घर जाते थे। सभी भाई काफी मिलनसार थे। बेला उन्हें परिवार के सदस्य की तरह मानती थीं। राजाराम ने बताया कि असीम से दोस्ती डॉग लवर होने के कारण हुई थी। राजाराम ने बताया कि जब उन्हें जानकारी हुई कि कोई रिश्तेदार पंचनामे की प्रक्रिया तक में शामिल नहीं हो रहा है तो उन्होंने इस संबंध में डॉग लवर वॉट्सऐप ग्रुप पर मेसेज डाला। शहर के अधिकतर डॉग लवर असीम को जानते थे।कुछ डॉग लवर व एक रिश्तेदार अनिल पंचनामे की प्रक्रिया में शामिल हुए। यही नहीं डॉग लवर ग्रुप ने बेला और असीम के शवों के अंतिम संस्कार के लिए चंदा एकत्र किया। दो पड़ोसियों ने भी अंतिम संस्कार के लिए चंदा दिया। इसके बाद बेला और असीम के शवों को बैकुंठधाम ले जाकर अंतिम संस्कार किया गया। रामराज ने बताया कि बेला और उनके बेटों की लखनऊ और कोलकाता में करोड़ों रुपये की प्रॉपर्टी है। वहीं, अंतिम संस्कार के समय रिश्तेदार अनिल ने थोड़ा हंगामा किया, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उन्हें शांत करवा दिया।

बेटियों को शादी में सोना नहीं रिवॉल्वर और तलवार देंःबागपत की महापंचायत में निक्की कांड का दिखा असर

बागपत। ग्रेटर नोएडा में निक्की पायला मर्डर केस और भिवानी में मनीषा हत्याकांड के बाद से लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चर्चा का बाजार गरम हो गया है। इस बीच में

बागपत के एक गांव में हुई महापंचायत में शादी के दौरान बेटियों को सोने-चांदी की बजाय हथियार दिए जाने की बात कही है। ठाकुर समाज की महापंचायत ने बेटियों पर बढ़ते अपराध को लेकर चिंता जताई है। ठाकुर समाज की यह पंचायत बागपत जिले के गौरीपुर मितली गांव में रविवार को आयोजित की गई थी। पंचायत को केसरिया पंचायत का नाम दिया गया था। पंचायत में मंच से बोलते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष ठाकुर कुंवर अजय प्रताप सिंह ने बेटियों पर बढ़ते अत्याचार को लेकर चिंता जताई है। पंचायत ने अपील की है अपनी बेटियों को कन्यादान में रिवॉल्वर या कट्टा दिया जाए, सोने चांदी के आभूषण के साथ कटार ओर तलवार दें।उन्होंने मंच से कहा है कि हम लोग बेटियों को दहेज ओर कन्यादान में जो सोना चांदी रुपये देते है वो ना दें, लेकिन कटार या तलवार जरूर दे। रिवॉल्वर दें और अगर रिवॉल्वर नहीं दे सकते तो कट्टा दे दें। ऐसा कहा गया कि बेटियां जब आभूषण पहनकर बाजार में जाती है तो बहुत लोगों की नजर रहते है ऐसे में बेटी अपनी रक्षा कर सके यह भी हमें ध्यान में रखना है।पंचायत में बेटियों को मजबूत करने की अपील उस समय की गई जब देश में मनीषा और निक्की हत्याकांड की घटना हुई है। समाज के बड़े बुजुर्ग लोग घटनाओं को लेकर आहत है। पंचायत ने बेटियों को सुरक्षा देने की चिंता की है। इसी चिंता को लेकर मंच से बेटियों को रिवॉल्वर ओर कटार देने की अपील की गई है। पंचायत में मंच से अपनी संस्कृति और परंपरा को बनाए रखने पर जोर दिया गया। कहा गया कि ठाकुर समाज अपने मान सम्मान के लिए जाना जाता है। अपनी नई पीढ़ियों को इतिहास के बारे में समझाओ। बेटियों को मान मर्यादा और अपनी रक्षा करने की सीख दें। जो परंपरा रीतिरिवाज चले आ रहे हैं, उनका सम्मान के साथ पालन किया जाए।

मौत से पहले निक्की पायला और विपिन भाटी के बीच क्या था ट्रैंगल? सामने आए पर्सनल लाइफ के सीक्रेट

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में निक्की भाटी

की जलकर हुई मौत के बाद से मामला गरमाया हुआ है। आरोप पति और ससुराल वालों पर लगा है, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। पति विपिन भाटी को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली भी लगी। विवाद के कई पहलू निकलकर सामने आ रहे हैं। निक्की के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं विपिन के कुछ पड़ोसी उसका बचाव भी करते नजर आए। लेकिन वारदात से पहले दोनों के बीच क्या चल रहा था, इसकी भी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विपिन भाटी और निक्की पायला के बीच रिश्ते सामान्य नहीं थे। बीते कुछ दिनों से हालात और भी असामान्य हो गए हैं। पिछले 10-15 दिनों से दोनों पति-पत्नी आपस में बातचीत नहीं कर रहे थे। इतना ही नहीं, दोनों एक ही घर में रहते थे लेकिन अलग-अलग कमरों में। आरोपी पति विपिन ने निक्की को साफ कह दिया था कि वह सोशल मीडिया पर कोई कंटेंट पोस्ट नहीं करेगी। और ब्यूटी पार्लर को लेकर भी बातें सामने आई है। घटना वाले दिन भी सुबह दोनों के बीच फिर से झगड़ा हुआ। और इसी दौरान मारपीट भी हुई। इसमें विपिन ने निक्की को कई बार थप्पड़ मारे थे।21 तारीख की रात निक्की की जीवन की आखिरी रात बन गई। परिजनों के मुताबिक, उस दिन निक्की के साथ उसके पति और ससुराल वालों ने पहले तो उसके साथ मार पिटाई की फिर उसके गले पर हमला किया गया। इसके बाद निक्की बेहोश हो गई। इतने से मन नहीं भरा तो उसके ऊपर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर उसको आग के हवाले कर दिया। जैसे तैसे परिजनों और पड़ोसियों ने आग की लपटों से निक्की को बचाया और पहले निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। उसके बाद उसे फोर्टिस रेफर किया गया। बाद में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफेर किया गया, लेकिन वहां तक पहुंचने से पहले ही निक्की ने रास्ते में ही अपना दम तोड़ दिया।

बक्श दो मैडम ! कांटे-चम्मच से फुलकी खाना सिखा रही थी महिला, वायरल हुआ वीडियो तो लोगों मौज कर दी

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कोच पानी पूरी

को कांटे-चम्मच से खाने का तरीका बताती हैं। उनके इस तरीके की लोग काफी आलोचना कर रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि पानी पूरी का असली मजा हाथों से ही खाने में आता है। पानी पूरी हम भारतीयों की फेवरेट स्ट्रीट फूड में से एक है। कुरकुरी पूरियों में चने, मसालेदार आलू और तीखी इमली पानी का मिक्स्चर जब मुंह में जाता है, तो खाकर लगता है मानो मोक्ष ही मिल गया हो। जब तक पूरियों को पानी में डुबोकर मुंह में भरकर न खाया जाए, इसका स्वाद नहीं आता है। लेकिन हाल ही में दिल्ली की एक पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कोच ने टेबल मैनर्स के नाम पर पानी पूरी को कांटे और चम्मच से खाने का तरीका बताया। जिसे देखकर लोग हैरान हो गए और बोल रहे हैं कि ये पानी पूरी के साथ सख्त नाइंसाफी है। भला हर चीज को कोई कांटे-छुरी से कैसे खा सकता है। वीडियो में कोच प्रिया वारिक बताती हैं कि हाथों से पानी पूरी खाना कैसे कभी-कभी मुश्किल बन सकता है। इसके बाद वह पूरियों को उठाने के लिए कांटा और चम्मच का इस्तेमाल करती हैं। चम्मच से पूरियों को दो हिस्सों में तोड़ती हैं, खाती हैं और फिर मसालेदार पानी पीती हैं।वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए प्रिया वारिक ने लिखा, 'यह एक पसंदीदा स्ट्रीट डिश है जिसे शान और नजाकत से खाया जा सकता है। हां, पानी पूरी का मजा लिया जा सकता है बिना अपने मेकअप को खराब किए।' प्रिया वारिक का ये पानी पूरी खाने का तरीका इंटरनेट पर काफी वायरल हो रहा है और कई लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं कि उन्होंने पानी पूरी का मजा ही खत्म कर दिया।वायरल वीडियो को कोच ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट @priawarrickfinishingacademy से शेयर किया है, जो काफी वायरल हो रहा है। वीडियो पर अब तक 1 लाख से ज्यादा व्यूज आ चुके हैं और लोगों ने इस पर जमकर कमेंट्स किए हैं। एक यूजर ने लिखा, 'इसकी कोई जरूरत नहीं थी। यह देखना भी दुखद है।' एक और यूजर ने कहा, 'मैं बिना मेकअप रह सकती हूं, लेकिन पानी पूरी का ऐसा अपमान नहीं देख सकती।' एक और ने लिखा, 'आप सिर्फ मेकअप के लिए हर भारतीय खाने को क्यों बर्बाद करती हैं! पर्स में एक्स्ट्रा मेकअप रखना और टच-अप करना बेहतर है।'

सात बच्चों की मां 22 साल के भांजे के साथ..परेशान पति पहुंचा थाने

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली से एक महिला के

फरार होने की खबर सामने आई है। हैरान करने वाला यह मामला महराजगंज क्षेत्र का है। इसके के पूरे अचली गांव निवासी सात बच्चों की मां अपने ही 22 वर्षीय भांजे के साथ घर छोड़कर चली गई। परेशान पति बच्चों के साथ थाने पहुंचा और पत्नी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। वहीं, यह मामला अब चर्चा का विषय बना हुआ है। पीड़ित पति का आरोप है कि पत्नी ने बच्चों को घर में बंद कर दिया। इसके बाद वह अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित पति की ओर मामले में महराजगंज कोतवाली में केस दर्ज कराया गया है। पीड़ित राजकुमार का कहना है कि वह अचली गांव का रहने वाला है। वह दिल्ली में अपनी पत्नी लालती और सात बच्चों के साथ रहकर फार्म हाउस में माली का काम करता है। 2 अगस्त को उसने पत्नी को तीन लाख रुपये देकर गांव भेजा था, ताकि वह निर्माणाधीन मकान की छत डलवा सके।एक सप्ताह बाद जानकारी लेने पर राजकुमार को पता चला कि न तो पत्नी गांव पहुंची। न ही मकान के निर्माण के लिए कोई सामग्री आई। तफ्तीश के बाद राजकुमार को पता चला कि उसकी पत्नी लालती हैदरगढ़ क्षेत्र के देवैचा मजरे लाही में अपने भांजे उदयराज के साथ रह रही है।पीड़ित पति का कहन है कि जब वह रिश्तेदारों के साथ वहां पहुंचा तो पत्नी ने साफ कहा कि उसने उदयराज के साथ कोर्ट मैरिज कर ली है। अब उसी के साथ रहना चाहती है। बच्चों के बारे में पूछने पर उसने किसी भी जिम्मेदारी से इनकार कर दिया। काफी मान-मनौव्वल के बाद भी पत्नी ने साथ आने से मना कर दिया। हताश पति बच्चों के साथ कोतवाली पहुंचा और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में कोतवाल जगदीश यादव का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई हैऊ मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिखने के साथ सुनाई देना भी बंद हो गया क्या? अविमुक्तेश्वरानंद ने रामभद्राचार्य को ये क्या बोल दिया!

मथुरा।तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य के स्वामी

प्रेमानंद पर दिए गए बयान से विवाद खड़ा हो गया है। इस पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने नाराजगी जताई है। उन्होंने बिना नाम लिए रामभद्राचार्य पर कटाक्ष किया और संत प्रेमानंद का समर्थन किया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि अगर आपको दिखाई नहीं देता, तो क्या सुनाई भी नहीं देता? प्रेमानंद तो दिन भर संस्कृत बोलते रहते हैं। रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्रदास ने सफाई देते हुए कहा कि जगद्गुरु को प्रेमानंद से ईर्ष्या नहीं है, लेकिन वे चमत्कार को नहीं मानते। दरअसल, यह पूरा मामला रामभद्राचार्य के एक बयान से शुरू हुआ। उन्होंने प्रेमानंद महाराज द्वारा बिना किडनी के जीवन जीने को चमत्कार मानने से इनकार किया था। इसी बात पर अविमुक्तेश्वरानंद ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।ज्योर्तिमठ नाम के एक इंस्टाग्राम अकाउंट पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का एक वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो में वे रामभद्राचार्य पर कटाक्ष करते हुए दिख रहे हैं। वे कहते हैं,'वो एक पीले कपड़े वाले महात्माजी है वृंदावन में प्रेमानंद जी कह रहे हैं कि उनको एक अक्षर संस्कृत नहीं आती। उनको संस्कृत आने की जरूरत क्या है? वो तो भगवान के नाम का प्रचार कर रहे हैं और भगवान का नाम संस्कृत में ही हैं। भगवान का नाम किस भाषा में है बताएं आप?'अविमुक्तेश्वरानंद ने आगे कहा, 'जो दिन भर राधे-राधे, कृष्ण-कृष्ण, हे गोविंद, हे गोपाल बोल रहे हैं और लोगों को प्रेरित कर रहे हैं कि नाम का स्मरण करो। हमें बताएं कि भगवान का नाम ये किस भाषा के शब्द हैं? क्या ये संस्कृत भाषा के शब्द नहीं है? वो तो दिन भर संस्कृत बोल रहा है, जो भगवान के नाम का उच्चारण कर रहा है। आपको नहीं दिखाई नहीं देता, लगता है आपको सुनाई भी नहीं देता।'

200 रुपए में कराई जा रही कुत्तों की हत्या,स्वीपर ले रहे ठेका, लाश बोरी में भरकर नदी में फेंक रहे

कानपुर। ?लोग कुत्तों की हत्या कराने का ठेका स्वीपर्स को दे रहे हैं। यह ठेका 200 से 500 रुपए में दिया जा रहा है। सोसाइटी घूमने वाले कुत्तों की हत्या करने के बाद उन्हें बोरी में भरकर फेंका जा रहा है। ऐसा 20 अगस्त को बीबीए छात्रा पर हुए डॉग अटैक के बाद से हो रहा है। पुलिस ने मामले की जांच की। इसमें भी ठेका देकर कुत्तों की हत्या की बात सामने आई है। दरअसल, सोमवार को कुत्ते को बोरी में भरकर बाइक से ले जाने का वीडियो सामने आया था। इसके बाद एक संस्था की शिकायत पर पुलिस ने सोमवार देर रात एफआईआर दर्ज कर जांच की थी। अब बाइक नंबर के

आधार पर कुत्तों को मारने वालों की तलाश की जा रही है। वहीं, सोसाइटी में रहने वालों का कहना है कि वे लोग कुत्तों के काटने की आशंका से डरे हुए हैं। एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय ने बताया कि चेक पोस्ट जाजमऊ में रहने वाले विद्या भूषण तिवारी की शिकायत पर बाइक सवारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार किया जाएगा। मामला जाजमऊ इलाके का है।एमराल्ड गुलिस्तां कानपुर की चुनिंदा गेटेड सोसाइटियों में से एक है। यहां गेट के अंदर ही स्कूल, कॉलेज और मार्केट की सुविधा है। यहां घूमने वाले कुत्तों को मारने का ठेका दिया जा रहा है। लेकिन, यहां रहने वाले लोग यह बताने को तैयार नहीं हैं कि कुत्तों को क्यों मारा गया है?जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया- जांच में सामने आया कि सोसाइटी के कुछ लोगों ने 200 से 500 रुपए में स्वीपर को कुत्तों को खत्म करने का काम सौंपा है। स्वीपर ने लाठी-डंडों से पीट-पीटकर कुत्तों की हत्या की। फिर उसके चारों पैर बांधकर बोरियों में भरकर लिया गया। इसके बाद बाइक से ले जाकर उन्हें गंगा किनारे फेंक दिया गया। कुत्तों की हत्या का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सोसाइटी में इसकी पड़ताल की गई। एक सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि सोसाइटी में रहने वाले कुछ लोग तो भले हैं। वो कुत्तों को रोटी भी देते हैं। लेकिन, कुछ लोगों ने कुत्तों की हत्या कराने का ठेका स्वीपर को दिया है। इसके बाद सोसाइटी में रहने वाले कुत्तों की हत्या करके गंगा किनारे फेंका जा रहा है। या फिर उन्हें घायल करने के बाद बोरी में भरकर जंगल में छोड़ा जा रहा है।कुत्तों की हत्या के वीडियो सामने आने के बाद एनिमल वेलफेयर संस्था ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। संस्था के विद्याभूषण तिवारी का कहना है कि अगर पुलिस ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो हम सड़क पर उतरेंगे।

बाढ़ के पानी से हजारों एकड़ फसल हो रही है बर्बाद, किसान नेता गिरीश पाण्डेय ने रिट्ठी बांध खोलने की उठाई मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। किसानों की आवाज उठाने वाले संगठन पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर किसानों की फ़सल का जायजा लिया। गिरीश पाण्डेय ने बताया कि हिन्दुआरी से घोरावल को जाने वाली बेलन नदी के आसपास सीमांत गांव देउरा, कन्हौरा, कतवरियां, जमसोकर, कसयां कला, कसयां खुर्द, नरैना, उमरी, गजना सहित लगभग सैकड़ों गांवों में सौ-सौ दो-दो सौ एकड़ फसल में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। कुछ गांवों में तो फ़सल पूर्ण रूप से डूबी हुई है। जिससे फ़सल पूर्ण रूप से बर्बाद होने की संभावना देखते हुए किसानों में भारी चिंता का माहौल है। गिरीश पाण्डेय ने जिलाधिकारी सोनभद्र का इस ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए बेलन नदी पर बने रिट्ठी बांध से पानी आवश्यतानुसार छोड़ने की मांग किया है। ताकि बाढ़ से बर्बाद हो रही फसलों को बचाया जा सके।

महिला शिक्षिकाओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं - अभय सिंह पटेल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बीते दिनों कुछ महिला शिक्षिकाएं विभागीय समस्याओं को लेकर शिक्षा विभाग के डीसी से मिलने पहुंची तो वे गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाते हुए समस्या सुनने के बजाय उटपटांग बातें करने लगे। महिला शिक्षिका संघ की कुछ पदाधिकारी पिछले शनिवार को बीएसए से डीसी द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की शिकायत करने उनके कार्यालय पहुंची तो पहले वे कार्यालय में पहुंचे ही नहीं, काफी निवेदन करने के बाद आए भी तो उन्होंने बिना बात किए ही सभी शिक्षक नेत्रियों को कार्यालय से बाहर भगाना प्रारंभ कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न शिक्षक संगठनों ने बात करने का प्रयास किया, तो उन्हें भी अनसुना कर उनके साथ दुर्व्यवहार की बात सामने आई। आखिरकार यह सवाल उठना लाज़मी है कि बीएसए साहब डीसी के बचाव में क्यों हैं? क्या कोई बड़ा घोटाला बीएसए द्वारा तो नहीं किया गया जिसकी सारी जानकारी डीसी को भी है जिसके बचाव में डीसी के दुर्व्यवहार पर चुप्पी साधी जा रही है? जब महिला शिक्षिकाओं के उत्पीड़न के मामले की जानकारी युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश सचिव अभय सिंह पटेल को हुई तो उन्होंने महिला शिक्षिकाओं के साथ बीएसए तथा डीसी द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की घोर निन्दा करते हुए ट्वीट कर जिलाधिकारी सोनभद्र से मामले की ईमानदारी पूर्वक जांच कर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। तथा उन्होंने बताया कि यदि जिला प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की जाती, तो इसकी शिकायत केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी से मिलकर लिखित रूप से की जाएगी।

समाजवादी यूथ ब्रिगेड की मासिक बैठक जिला पार्टी कार्यालय संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दिनांक 25 अगस्त 2025 को समाजवादी यूथ ब्रिगेड की मासिक बैठक जिला पार्टी कार्यालय सोनभद्र पर की गई जिसकी अध्यक्षता यूथ के जिला अध्यक्ष सत्यम पाण्डेय ने किया। मुख्य अतिथि रूप में उपस्थित सपा जिलाध्यक्ष रामनिहोर यादव ने कहा की समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव एक ऐसे नौजवानों के मसीहा हैं जो हमेशा नौजवानों के आवाजों को सड़क से लेकर सदन तक उठाने का काम करते हैं और उनकी हमेशा लड़ाई लड़ने का काम कर रहे हैं और जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तो नौजवानों के लिए जो ऐतिहासिक कार्य किया आज तक कोई सरकार नहीं कर पाई। बैठक को सम्बोधित करते हुए सपा यूथ जिलाध्यक्ष सत्यम पाण्डेय ने कहा की केंद्र एवं उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार जब से बनी है नौजवानों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है जिससे नौजवान सड़क पर आ गया है। समाजवादी पार्टी के नौजवानों से अपील है कि आप लोग गांव-गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों को बताने का काम करें और जनता की समस्याओं को सुनने का काम करें । बैठक में मुख्य रूप से पिंटू सिंह पटेल सुशील राय आदिल अंसारी गुलाम यासीम अंकित पांडे धीरज मोदनवाल सरदार दिल करण नीतीश पटेल अनस,फहीम कुरैशी,शेरा अली धर्मेंद्र पटेल मुकेश साहनी लालू भारतीके साथ दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सोनभद्र में यूरिया की किल्लत से किसानों में आक्रोश किया कोटा लैंपस पर प्रदर्शन,सचिव पर कालाबाजारी का आरोप

सोनभद्र। सोनभद्र के विकास खंड चोपन की ग्राम पंचायत कोटा में किसानों को यूरिया की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को कोटा लैंपस पर सैकड़ों किसान यूरिया खाद के लिए जमा हुए। किसान पिछले एक सप्ताह से तेज धूप और बारिश में लैंपस के चक्कर काट रहे हैं। किसान सुरेंद्र गोंड ने कहा कि समय पर खाद नहीं मिलने से फसल के सूखने का खतरा है। युवा नेता सूरज बच्चन ने सचिव नागेश्वर प्रसाद पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सचिव ने खाद को पहले ही प्राइवेट दुकानों पर बेच दिया है। सचिव ने बताया कि उनके पास अभी 100 बोरी यूरिया बची है। जबकि 200 से अधिक किसान खाद के लिए लाइन में खड़े हैं। खाद चोरी के आरोप पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। सचिव के अनुसार, अब तक कोटा लैंपस पर 1200 बोरी यूरिया और 600 बोरी डीएपी का वितरण किया जा चुका है। किसानों का कहना है कि पहले कभी खाद की इतनी किल्लत नहीं देखी गई। किसानों ने कृषि मंत्री से जल्द खाद उपलब्ध कराने की मांग की है।

157 मरीजों की हुई निःशुल्क जांच,चश्मा दवा दिए मुफ्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। लायंस क्लब राबर्ट्सगंज द्वारा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन प्रत्येक माह की 26 तारीख को लायंस भवन में श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय,चित्रकूट के सहयोग से आयोजित किया जाता है, कैम्प लायंस भवन में होता है,इस बार मंगलवार को मैनेजर हेमराज यादव, डॉ श्याम बाबू द्विवेदी, डॉ विक्रम सिंह,दीलिप कुमार कुशवाहा, दयाराम सिंह,कुंवर सिंह व टीम के नेतृत्व में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए 27 मरीज चित्रकूट भेजे गए। जोन चेयरपर्सन राधिका सिंह, अध्यक्ष अजीत सिंह भंडारी,सचिव सुशील पाठक,पूर्व मंडलाध्यक्ष हरीश अग्रवाल, एसोसिएट कैबिनेट सेक्रटरी किशोरी सिंह,दया सिंह ,विमल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संगम गुप्ता आदि सदस्य उपस्थित रहकर कार्यक्रम को संपन्न कराएं। 56 मरीजों को निःशुल्क चश्मा दिया गया,दवा दी गई। जिसमें 26 जुलाई तक 3851 मोतियाबिंद के मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन हो चुका हैं, 7089 मरीजों की जांच हो चुका है। अध्यक्ष अजीत सिंह भंडारी ने कहा कि आज के आयोजन में 27 मोतियाबिंद के मरीजों को ऑपरेशन के लिए चित्रकूट भेजा गया, राधिका सिंह, हरीश अग्रवाल, दया सिंह, परमजीत कौर, विमल अग्रवाल, किशोरी सिंह, श्याम बाबू,मुकेश जायसवाल, अभय सिंह ने संयुक्तरुप से कहा कि यह पुनीत कार्य लायंस क्लब द्वारा कई वर्षों से किया जा रहा है, निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में आज तक हुए सभी ऑपरेशन शत-प्रतिशत सफल रहे । 157 मरीजों की जांच हुई जिन्हें चश्मा एवं दवा मुफ्त दिया गया। लायंस क्लब राबर्ट्सगंज निरंतर इस तरह की सेवा करता रहता है।

विभिन्न मांगों को लेकर अधीनस्थ कृषि सेवा संघ ने बुलन्द की आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अधीनस्थ कृषि सेवा संघ उत्तर प्रदेश के प्रांतीय आह्वान पर जनपद शाखा सोनभद्र ने जिलाधिकारी के द्वारा मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र त्रिपाठी व अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के अध्यक्ष लालबहादुर की अध्यक्षता में कृषि प्राविधिक सहायकों को डिजिटल क्रॉफ्ट सर्वे से मुक्त रखने हेतु ज्ञापन दिया गया.अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के जिला मंत्री राकेश कुमार ने बताया कि यह कार्य मूलतः राजस्व विभाग का है जिसमें हम कृषि तकनीकी सहायको को जबरन शासन प्रशासन द्वारा बिना किसी सुविधा के डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य थोपा जा रहा हैं।मंडल संगठन मंत्री अधीनस्थ कृषि सेवा संघ विंध्याचल मंडल मिर्जापुर उत्तर प्रदेश सर्वेश कुमार सैनी ने बताया कि आगामी 28 को पूरे प्रदेश के कृषि प्राविधिक सहायक कृषि निदेशालय लखनऊ पहुंचकर धरना प्रदर्शन करेंगे। ज्ञापन लेने हेतु प्रशासनिक अधिकारी पहुंचकर ज्ञापन प्राप्त किए. इस अवसर पर विकास भारती, अंकुर सिंह, रंजीत, रिवेश, विपिन, रीतु सिंह, अशिमा सिंह, ममता पटेल, सुनीता पाल, इबरान खान, सुरेंद्र यादव, तेजराम गंगवार, रामेश्वर सिंह, विकास प्रताप सिंह, शमशेर बहादुर सिंह, राजेश कुमार, राहुल, चंदन, जितेंद्र, नागेश्वर, चंद्रशेखर सहित आदी लोग उपस्थित रहें।

खाद वितरण के समय हुआ बवाल, किसानों में आक्रोश

सोनभद्र/दुद्धी। अमवार चौकी क्षेत्र के बघाडू लैंपस पर मंगलवार को खाद वितरण के दौरान बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। सुबह से ही महिला व पुरुष किसान खाद लेने के लिए लाइन में लगे थे, लेकिन जैसे ही भीड़ बढ़ी और महिलाएं आगे आने लगीं, धक्का-मुक्की शुरू हो गई।हालात बिगड़ते देख मौके पर तैनात अमवार चौकी पुलिस और लैंपस सचिव ने कुछ बोरियां खाद बांटने के बाद वितरण रोक दिया। इससे लाइन में खड़े किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने आरोप लगाया कि वे कई दिनों से एक बोरी यूरिया के लिए बघाडू लैंपस का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन खाद समय पर नहीं मिल पा रही।किसानों का कहना है कि सचिव एक बोरी खाद देने में 10 मिनट का समय लगा रहे हैं। इस गति से दिनभर में मुश्किल से 100 बोरी ही बंट सकेगी, जबकि स्टॉक में 400 बोरी यूरीया है। किसानों ने सवाल उठाया कि अगर इसी रफ्तार से वितरण हुआ तो सभी किसानों तक खाद पहुंचने में चार दिन लग जाएंगे।तब तक फसल सूख जाएगी और खेतों को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। अमवार चौकी इंचार्ज मखन लाल ने बताया कि खाद वितरण को लेकर पहले ही लैंपस सचिव को बांस-बली लगाकर बैरिकेडिंग करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन इसका पालन नहीं किया गया। नतीजा यह हुआ कि भीड़ बेकाबू हो गई और व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई।स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने खाद वितरण रोकने का फैसला लिया। जब इस मामले पर लैंपस सचिव ईश्वर यादव से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। किसानों का कहना है कि प्रशासन और सचिव की लापरवाही से उन्हें बार-बार चक्कर काटना पड़ रहा है और समय रहते खाद नहीं मिला तो फसल बर्बाद हो जाएगी।

72 घंटे से म्योरपुर में बिजली न आने से ग्रामीण हल्कान,विरोध प्रदर्शन में उतरे ग्रामीण

सोनभद्र। म्योरपुर कस्बे में शनिवार से 256 केवीए का ट्रांसफॉर्मर खराब होने के कारण कस्बे में बिजली आपूर्ति ठप है। मंगलवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने हवाई पट्टी तिराहे पर विद्युत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। स्थानीय निवासी मोहम्मद अयूब, लाल बालू केशरी, हरदीप सिंह समेत कई लोगों ने बताया कि तीन दिन से बिजली नहीं होने से इनवर्टर भी काम नहीं कर रहे हैं। इससे मोबाइल चार्जिंग,पानी की समस्या विकट हो गई है। महिला प्रदर्शनकारियों में रेखा देवी, राधिका देवी, तारा देवी सहित अन्य ने कहा कि वे केवल उन्हीं जनप्रतिनिधियों को वोट देंगी जो उनकी समस्याओं को समझेंगे। उन्होंने कहा कि मिट्टी का तेल भी बंद होने से तीन रातों से अंधेरे में रहना पड़ रहा है। म्योरपुर ब्लॉक प्रमुख मान सिंह गोड़ ने बताया कि उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से बात की है। विभाग ने शाम तक नया ट्रांसफॉर्मर लगाने का आश्वासन दिया है। विद्युत विभाग के एसडीओ शिवम गुप्ता के अनुसार, खराब ट्रांसफॉर्मर की जगह नया ट्रांसफॉर्मर मिर्जापुर से मंगाया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रांसफॉर्मर आते ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

थाना म्योरपुर पुलिस ने पांच वारण्टियों को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा जनपद सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक(आप0) श्री त्रिभुवननाथ त्रिपाठी के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री राजेश कुमार राय के कुशल निर्देशन में आज दिनांक-26.08.2025 को थाना म्योरपुर पुलिस द्वारा 05 नफर वारण्टियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार वारण्टी अभियुक्त का विवरण-1.श्रीनाथ पुत्र रामदयाल गोड़, निवासी ग्राम लिलासी, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 60 वर्ष। 2.जवाहिर पुत्र हरिनाथ गोड़, निवासी ग्राम लिलासी, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 60 वर्ष। 3.हरदेव पुत्र जमुना, निवासी ग्राम जामपानी, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 45 वर्ष। 4.रमेश कुमार पुत्र जमुना, निवासी ग्राम बघमन्दवा, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 32 वर्ष। 5.जमुना पुत्र बूटन, निवासी ग्राम बघमन्दवा, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 60 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1.थानाध्यक्ष श्री कमल नयन दूबे, थाना म्योरपुर, सोनभद्र। 2.उ0नि0 मनोज कुमार सिंह चौकी प्रभारी लिलासी, थाना म्योरपुर, सोनभद्र। 3.हे0का0 प्रमोद कुमार यादव थाना म्योरपुर, सोनभद्र। 4.का0 मुरेश कुमार थाना म्योरपुर, सोनभद्र। 5.का0 अनिल कुमार थाना म्योरपुर, सोनभद्र। 6.का0 सुधीर कुमार चौधरी थाना म्योरपुर, सोनभद्र।

हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम के पोस्टर,स्टीकर,पंफलेट का हुआ विमोचन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान मे 01 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाले 'हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान' कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विन्ध्याचल मण्डल की मण्डलीय समीक्षा बैठक, संघ भवन, सोनभद्र में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में पंच संकल्प पोस्टर,पंफलेट एवं स्टीकर का विमोचन उत्तर प्रदेश के आयाम प्रमुख शशांक कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। आयाम प्रमुख द्वारा बताया गया कि राष्ट्रहित में इस अभियान का उद्देश्य शिक्षा को केवल ज्ञान तक सीमित न रखकर चरित्र निर्माण और समाज सेवा का माध्यम बनाना है। मण्डल के शत् प्रतिशत विद्यालयों पर हमारा विद्यालय - हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम मनाने हेतु न्याय पंचायत स्तर पर संयोजक व सहसंयोजक नियुक्त करते हुए सभी विद्यालयों तक महासंघ की पहुंच होनी चाहिए। मण्डल अध्यक्ष विन्ध्याचल मण्डल अखिलेश वत्स जी ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व के आह्वान पर 1 सितंबर के कार्यक्रम हेतु तीनों जनपदों के लिए विकासखंड स्तर पर संयोजक व सहसंयोजक बना लिए गये हैं जिससे प्रत्येक विद्यालय में वृहद स्तर पर कार्यक्रम मनाया जा सके। इस दिन विद्यार्थी, शिक्षक व अभिभावक पांच संकल्प लेगें। इससे समाज और विद्यालय के मध्य एक मजबूत सम्बन्ध बनेगा। कार्यक्रम संयोजक जिलाध्यक्ष सोनभद्र अशोक कुमार त्रिपाठी ने कार्यक्रम सफल बनाने हेतु जनपद की योजना रचना से अवगत कराते हुए शत प्रतिशत विद्यालय में कार्यक्रम संपन्न कराने की योजना बनाते हुये आये हुए अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मीरजापुर जनपद के जिलाध्यक्ष राजनाथ तिवारी व जिलामहामंत्री सत्यव्रत सिंह चंदेल ने संबोधित करते हुए अपने जनपद की कार्ययोजना बताई। आयाम संयोजक सोनभद्र जय प्रकाश विश्वकर्मा द्वारा पांचो संकल्प के विषय में विस्तार से बैठक में बताया व अरूणेश पाण्डेय ने बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिलेश वत्स अध्यक्ष विन्ध्याचल मण्डल व संचालन आनन्द देव पाण्डेय सहमीडिया प्रभारी सोनभद्र ने किया। बैठक में जनपद सोनभद्र के संगठन मंत्री गणेश पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा. बृजेश कुमार सिंह ,कोषाध्यक्ष संतोष चौरसिया, जिला मीडिया प्रभारी सौरभ कार्तिकेय, संयुक्त मंत्री कमलेश विश्वकर्मा व कमलेश गुप्ता,आयाम सहसंयोजक दिनेश कुमार दुबे, उमाकांत पाण्डेय, दिवाकर तिवारी,ब्लॉक अध्यक्ष नगवां दिलीप पाठक, महामंत्री संजय कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष बभनी शिवकुमार व द्वारिका प्रसाद, ब्लॉक अध्यक्ष चोपन नागेंद्र सिंह, सर्वेश द्विवेदी आदि पदाधिकारी साथी मौजूद रहे।

ChatGPT की सलाह ने पहुंचाया अस्पताल,एआई से कभी न लें हेल्थ एडवाइज, इन तरीकों से पाएं सही हेल्थ इंफॉर्मेशन

डर, उम्मीद या झटपट इलाज का वादा। कमी रेगुलेशन की है, कोई भी कुछ भी पोस्ट कर सकता है। इको चैंबर्स में लोग सिर्फ अपनी मान्यताओं वाली पोस्ट्स देखते हैं, जिससे गलत जानकारी बढ़ती है। साइंस को समझना जटिल होता है, इसलिए लोग आसान लगने वाली गलत टिप्स पर भरोसा कर लेते हैं। सवालः किन सोर्सेस पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पर भरोसा नहीं करना चाहिए? जवाबः कई सोर्स ऐसे हो सकते हैं, जहां से गलत जानकारी मिल सकती है।

जैसे-सोशल मीडियाः फेसबुक, इंस्टाग्राम या टिकटॉक पर वायरल पोस्ट्स अक्सर बिना किसी सबूत के लिखे गए होते हैं। इनके ऊपर भरोसा न करें। पर्सनल ब्लॉग्स या अनजान वेबसाइट्सः अगर लेखक कोई एक्सपर्ट नहीं है, तो भरोसा न करें। इस बात का भी ख्याल रखें कि हर किसी की हेल्थ कंडीशन अलग होती है तो उसके लिए अलग ट्रीटमेंट की जरूरत होती है। एप्स या एआई चैटबॉट्सः ChatGPT, उेदव्एआई जैसे चैटबॉट्स सेव किए गए डेटा के आधार पर सामान्य जानकारी देते हैं, ये व्यक्तिगत हेल्थ एडवाइज नहीं देते हैं। प्रोडक्ट सेलिंग साइट्सः जो कंपनियां कोई दवा या सप्लीमेंट बेच रही हैं, वे इनके फायदे बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं। टेस्टिमोनियल्सः किसी की पर्सनल स्टोरी मददगार हो सकती है, लेकिन सबके लिए लागू नहीं होती है। सवालः स्वास्थ्य मिसइनफॉर्मेशन कैसे पहचानें? जवाबः कुछ संकेत हैं- अगर कोई 'मिरेकल क्योर' या झटपट इलाज का वादा करे, जैसे 'यह जड़ी-बूटी सब बीमारियां ठीक कर देगी'। लेखक की क्रेडेंशियल्स चेक करें- क्या वे डॉक्टर या रिसर्चर हैं? सबूत देखें- क्या रेफरेंस हैं पीयर-रिव्यूड स्टडीज के है। डर या इमोशनल भाषा वाले कंटेंट से सावधान रहें। अगर कोई जानकारी एकतरफा है। उसमें कोई साइड इफेक्ट या रिस्क नहीं बताया गया है तो शक करें। हमेशा जानकारी को कई सोर्सेस से क्रॉस चेक करें। सवालः भरोसेमंद स्वास्थ्य जानकारी जुटाने के तरीके क्या हैं? जवाबः सही जानकारी के लिए ऑथेंटिक सोर्सेस चुनें। जैसे- गवर्नमेंट वेबसाइट्सः भारत में आयुष मंत्रालय, डब्लूएचओ या सीडीसी की साइट्स। मेडिकल ऑर्गनाइजेशंसः अपोलो, मेयो क्लिनिक या इंडियन मेडिकल एसोसिएशन। पीयर-रिव्यूड जर्नल्सः जैसे लैंसेट या एनल्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन। डॉक्टर से बात करेंः हमेशा पर्सनल एडवाइज के लिए डॉक्टर से मिलें।

मेडलाइन प्लस या NIH जैसी साइट्सः वे अपडेटेड और रिसर्च बेस्ड होती हैं। डॉ. अजय नायर कहते हैं, वेबसाइट का यूआरएल चेक करें- .gov Uee .edu वाली ज्यादा भरोसेमंद होती हैं। इस बात का ख्याल जरूर रखिए कि ये पर्सनलाइज्ड हेल्थ एडवाइज नहीं है। सवालः वेबसाइट की विश्वसनीयता कैसे चेक करें?

जवाबः देखें कि 'अबाउट अस' सेक्शन कौन चला रहा है। इसका उद्देश्य क्या है? लेखक कौन है- एक्सपर्ट या नहीं? जानकारी कब अपडेट हुई? प्राइवेसी पॉलिसी चेक करें- आपका डेटा सेफ है? अगर विज्ञापन हैं, तो क्या वे जानकारी से अलग हैं? कुकीज के बारे में पढ़ें। अगर साइट प्रोडक्ट बेच रही है, तो सावधान रहें। कॉन्टैक्ट की जानकारी होनी चाहिए- ईमेल या फोन। सवालः सोशल मीडिया या एप्स से स्वास्थ्य जानकारी लेते समय क्या सावधानियां बरतें?

जवाबः सोशल मीडिया पर पोस्ट फ्रेंड से हो तो भी चेक करें- ओरिजिनल सोर्स क्या है? फैक्ट-चेकिंग साइट्स जैसे स्नोप्स इस्तेमाल करें। एप्स डाउनलोड करने से पहले देखें- कौन बनाया है, रिव्यूज क्या हैं? अगर एप पर्सनल डेटा मांगती है, तो सोचें- जरूरी है? हमेशा डॉक्टर से कन्फर्म करें। पब्लिक वाई-फाई पर संवेदनशील जानकारी न शेयर करें।सवालः अगर स्वास्थ्य जानकारी गलत निकली तो क्या करें? जवाबः अगर कोई सलाह से नुकसान हुआ, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। मिसइनफॉर्मेशन रिपोर्ट करें- सोशल मीडिया पर फ्लैग करें या डब्लूएचओ जैसी एजेंसी को बताएं। खुद को दोष न दें, बल्कि सीख लें। परिवार और दोस्तों को जागरूक करें। भारत में साइबर फ्रॉड के लिए हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें अगर कोई स्कैम हो। सवालः बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य संबंधी जानकारी कैसे सेफ रखें? जवाबः बुजुर्ग अक्सर ऑनलाइन स्कैम का शिकार होते हैं। उन्हें सिखाएं- अनजान लिंक्स न खोलें, स्ट्रॉन्ग पासवर्ड यूज करें, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन रखें। हेल्थ बुक या न्यूज पढ़ते समय सोर्स चेक करें। डॉक्टर से रेगुलर चेकअप करवाएं। अगर कोई स्कैम लगे तो पुलिस की साइबर सेल में रिपोर्ट करें। सवालः हेल्थ एडवाइज लेने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? जवाबः सबसे अच्छा है डॉक्टर या हेल्थकेयर प्रोफेशनल से मिलना। वे आपकी उम्र, हिस्ट्री और स्थिति देखकर सलाह देते हैं। ऑनलाइन जानकारी सिर्फ शुरुआत के लिए इस्तेमाल करें, फैसले के लिए नहीं। किताबें पढ़ें लेकिन अपडेटेड और रिव्यूड किताबें पढ़ें। हेल्थ एप्स यूज करें लेकिन ट्रस्टेड ऑर्गनाइजेशंस वाले ऐप यूज करें। याद रखें, कोई भी जानकारी डॉक्टर की जगह नहीं ले सकती है।हमें सीखना चाहिए कि हमारी हेल्थ कोई खेल नहीं है। AI या इंटरनेट सलाह से पहले सोचें, चेक करें और डॉक्टर से पूछें। सही जानकारी से ही स्वस्थ जीवन संभव है। अगर परिवार में कोई गलत टिप्स फॉलो कर रहा है तो उन्हें तुरंत रोकें।

कौन थे मेजर ध्यानचंद? हॉकी उठाकर पूरी दुनिया में बजाया था भारत का डंका, हुनर के कायल बने लोग

प्रयागराज। मेजर ध्यानचंद का हॉकी के प्रति समर्पण, प्रेम और जज्बा ही था, जो उनके बाद कोई दूसरा खिलाड़ी देशवासियों के दिल में वह जगह नहीं बना पाया, जो हॉकी के जादूगर की

है। खेल प्रेमी ही नहीं हर भारतीय के मन में मेजर ध्यानचंद के प्रति अगाध श्रद्धा और प्रेम है। हर कोई उनकी शख्सियत का कायल था। मेजर ध्यानचंद हॉकी में भारत को पहचान दिलाने वाले दिग्गज खिलाड़ी, जिनका नाम देश के बच्चे-बच्चे की जुबां पर आज भी रहता हैं। बताया जाता हैं मेजर ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज), उत्तर प्रदेश, भारत में हुआ था। ध्यानचंद ने यह गौरव देश को तब दिलाया जब वह गुलामी की सांसें ले रहा था। वह अपने गोल करने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। वह हॉकी स्किट से सटाकर गेंद को सीधे गोल पोस्ट तक पहुंचाने की कला में माहिर थे। इसी कारण उन्हें हॉकी का'जादूगर' कहा जाता था। 29 अगस्त 1905 को प्रयागराज (इलाहाबाद) में जन्मे ध्यानचंद ने आगे चलकर हॉकी की दुनिया में इतिहास रचा था।ध्यानचंद के पिता समेश्वर सिंह ब्रिटिश आर्मी में थे। पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए केवल 16 साल की कम उम्र में ही ध्यानचंद ने भी आर्मी जॉइन कर ली। ध्यानचंद बहुत छोटी उम्र से ही हॉकी खेलने लगे थे। ब्रिटिश सेना में भर्ती होने के बाद भी उन्होंने अपना खेल जारी रखा।साल 1922 से लेकर 1926 के दौरान ध्यानचंद आर्मी में होने वाले हर लेवल के हॉकी टूर्नामेंट्स का हिस्सा रहे। वह इस खेल के प्रति इतने जुनूनी थे कि ड्यूटी से लौटने के बाद भी देर रात तक इसमें डूबे रहते थे। इसी का नतीजा था कि वह अपनी आर्मी टीम को लेकर न्यूजीलैंड दौर पर भी गए थे, जहां उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 18 मैच जीते थे।ध्यानचंद ने साल 1926 से 1949 तक इंटरनेशनल हॉकी टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेकर इस खेल के जरिए देश का मान बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया और 500 से ज्यादा गोल अपने नाम किए थे। ध्यानचंद का बेहतरीन खेल ब्रिटिश अफसरों की नजरों से भी न छुप सका। वापस आने पर उन्हें आर्मी ने 'लान्स नाइक' की उपाधि दी।साल 1928 में हॉकी को पहली बार ओलंपिक में शामिल किया गया था। इसी के साथ एम्स्टर्डम में हुए ओलंपिक में ध्यान चंद ने डेब्यू किया था और परतंत्र भारत ने अपना पहला गोल्ड मेडल जीता था। इस टूर्नामेंट में मेजर ध्यानचंद ने अभूतपूर्व योगदान दिया था। ध्यान चंद ने इस टूर्नामेंट में कुल 14 गोल किए।इतना ही नहीं 1932 में लॉस एंजिल्स में इंडियन हॉकी टीम ने दूसरा गोल्ड हासिल किया और ध्यानचंद इस दल के प्रमुख सदस्य थे। इस ओलंपिक में ध्यान चंद के भाई रूप सिंह भी थे। दोनों भाईयों ने मिलकर टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था और भारत ने लगातार दूसरा स्वर्ण पदक हॉकी में जीता था। 1936 को बर्लिन ओलंपिक का वह पल भारतीयों के लिए बेहद महत्वपूर्ण था, जब तीसरा स्वर्ण पदक भी भारत की झोली में आया। ध्यानचंद की कप्तानी में भारत ने यह हैट्रिक लगाई थी।

सचिन तेंदुलकर ने बेटे की सगाई की पुष्टि की

नयी दिल्ली। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने बेटे अर्जुन तेंदुलकर

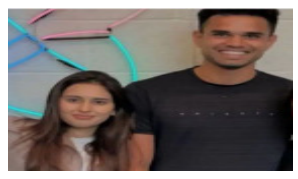

की सगाई की पुष्टि की है। तेंदुलकर ने एक फैंस के सवाल पर कहा- 'हां, यह सच है। हम सभी उनके जीवन के इस नए फेज के लिए बहुत उत्साहित हैं।' 52 साल के पूर्व क्रिकेटर ने सोमवार को सोशल प्लेटफॉर्म ूग्र पर एक सेशन 'आस्क मी एनीथिंग' के जरिए फैंस के सवालों के जवाब दिए। 13 अगस्त को मीडिया रिपोर्ट में अर्जुन तेंदुलकर की सगाई का दावा किया गया था, हालांकि तब किसी ने सगाई की पुष्टि नहीं की थी।

इंस्टेंट नूडल्स खाने में भारत चौथे नंबर पर,न्यूट्रिशनिस्ट की चेतावनी, ज्यादा खाने से बढ़ेगा बीपी और इंफ्लेमेशन

नयी दिल्ली। पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा इंस्टेंट नूडल्स खाने वाले देशों में भारत चौथे नंबर पर

है। वर्ल्ड इंस्टेंट नूडल्स एसोसिएशन (डब्लूआईएनए) के मुताबिक वर्ष 2023 में हमारे यहां इंस्टेंट नूडल्स की खपत 8.7 अरब सर्विंग्स नूडल्स पर पहुंच गई। वर्ष 2018 से 2023 के बीच भारत में इंस्टेंट नूडल्स का मार्केट 13फीसदी की कंपाउंड रेट के साथ बढ़ा है। फिलहाल

ऑथेंटिक आंकड़े तो 2023 तक के उपलब्ध हैं, लेकिन यह मार्केट तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि लोगों की खाने की आदतें बदल रही हैं। शहरों की आबादी बढ़ रही है और लोगों के खर्च करने की क्षमता में भी इजाफा हो रहा है। साल 2024 में इस मार्केट की कीमत अरबों अमेरिकी डॉलर हो गई है और 2030 तक इसके और भी ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन क्या रोज इन्हें खाना ठीक है? क्या हम सिर्फ इंस्टेंट नूडल्स पर जिंदा रह सकते हैं और स्वस्थ भी? कई लोग इसे घर का आरामदायक खाना मानते हैं। अगर ये रोज का खाना बन जाएं तो सेहत पर क्या असर पड़ता है? आज 'फिजिकल हेल्थ' में हम इसी पर बात करेंगे। जानेंगे कि- इंस्टेंट नूडल्स के कौन से तत्व नुकसान पहुंचाते हैं? रोज खाने से कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं? इसे बैलेंस्ड मील कैसे बनाएं? इंस्टेंट नूडल्स में क्या होता है? भारत में मिलने वाले ज्यादातर नूडल्स मैदा से बने होते हैं। कुछ पैकेट में इसके साथ सूखी सब्जियां या तला हुआ लहसुन भी होता है। ज्यादातर नूडल्स में बहुत सारा नमक होता है। एक सर्विंग में 600 से 1500एमजी सोडियम हो सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन अच्छे स्वस्थ के लिए रोज 2000एमजी से कम नमक खाने की सलाह देता है। इसलिए एक सर्विंग में ये मात्रा बहुत ज्यादा है। इसमें फाइबर बहुत कम यानी न के बराबर होता है। फाइबर पाचन के लिए जरूरी है।डॉ. अनु कहती हैं कि इंस्टेंट नूडल्स सुविधाजनक हैं, लेकिन पोषक तत्व नहीं होते हैं। ये स्लो पॉइजन की तरह काम करते हैं अगर रोज खाए जाएं।कभी-कभी खाना भी फायदेमंद तो नहीं पर स्वाद के लिए चल सकता है, लेकिन रोज खाने से समस्या हो सकती है। हफ्ते में दो बार से ज्यादा खाने से महिलाओं में मेटाबॉलिक सिंड्रोम का खतरा बढ़ जाता है। मेटाबॉलिक सिंड्रोम से हार्ट डिजीज, डायबिटीज और दूसरी बीमारियां होती हैं। इसकी वजह, इन्हें बनाने में इस्तेमाल होने वाली चीजें हैं। नूडल्स में मौजूद ढेर सारे सोडियम से ब्लड प्रेशर बढ़ता है, जो हार्ट और किडनी पर दबाव डालता है। भारत में पहले से नमक ज्यादा खाया जाता है, और प्रोसेस्ड फूड इसका बड़ा कारण है। कम फाइबर से कब्ज, आंतों की समस्या और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा। पोषक तत्वों की कमी से शरीर कमजोर होता है, इम्यूनिटी घटती है। वेट गेन भी बड़ी मुश्किल है। ये हाई कैलोरी फूड में आते हैं लेकिन पेट ज्यादा देर नहीं भरते हैं। रिफाइंड कार्ब्स से ब्लड शुगर तेज बढ़ता है, जिससे इंसुलिन रेजिस्टेंस और मोटापा। पाचन बिगड़ता है क्योंकि फाइबर कम, ऐडिटिव्स से ब्लोटिंग या इंडाइजेशन। कुछ स्टडीज में एमएसजी और प्रिजर्वेटिव्स से कैंसर का खतरा भी बताया गया है। हाल की आईसीएमआर स्टडी में कहा गया कि ऐसे प्रोसेस्ड फूड्स से डिप्रेशन, एंग्जाइटी जैसी मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स बढ़ सकती हैं।नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, कोरियन कॉलेज स्टूडेंट्स में हफ्ते में 3 बार से ज्यादा नूडल्स खाने से डिस्लिपिडेमिया का खतरा 2.6 गुना बढ़ जाता है। इस कंडीशन में ब्लड में ट्राईग्लिसराइड बढ़ जाते हैं। डॉ. अनु अग्रवाल कहती हैं कि एमएसजी से वजन बढ़ना, ब्लड प्रेशर और ब्रेन पर बुरा असर होता है। जनवरी 2025 की रिपोर्ट में सर्दियों में रेमन नूडल्स पर बात हुई, जहां कहा गया कि एमएसजी,टीबीएचक्यू और सोडियम से हार्ट और पेट की बीमारियां बढ़ती हैं। उत्तर प्रदेश में 2024 में एक 7 साल के बच्चे की मौत नूडल्स से जुड़ी बताई गई, जो सदमा देने वाली है। लेकिन इससे पता चलता है कि ज्यादा खाना कितना खतरनाक है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इंस्टेंट नूडल्स में रिफाइंड कार्ब्स से ब्लड शुगर स्पाइक होता है, जो डायबिटीज का खतरा बढ़ाता है। सैचुरेटेड फैट से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जो धमनियों को ब्लॉक करता है। कम न्यूट्रिएंट्स से कैल्शियम, आयरन, विटामिन सी की कमी हो सकती है। लंबे समय में ये इम्यूनिटी कमजोर करती है और बीमारियां आमंत्रित करती हैं। इंस्टेंट नूडल्स को हेल्दी कैसे बनाएं- अगर आप इन्हें पसंद करते हैं तो पूरी तरह छोड़ना जरूरी नहीं। कुछ आसान बदलाव से इन्हें बेहतर बना सकते हैं। सब्जियां मिलाएं- फ्रोजन मटर, पालक, ब्रोकली या गाजर डालें। इससे फाइबर और विटामिन बढ़ेंगे। प्रोटीन ऐड करें- उबला अंडा, टोफू, बीन्स या चिकन। इससे पेट ज्यादा देर भरा रहेगा। फ्लेवर पैकेट कम इस्तेमाल करें। ये नमक का मुख्य स्रोत है। आधा पैकेट यूज करें या लो-सोडियम स्टॉक, लहसुन, अदरक, हर्ब्स या मिर्च मिलाएं। होलग्रेन नूडल्स ट्राई करें- कुछ ब्रांड्स में बकवीट, ब्राउन राइस या मिलेट से बने होते हैं, जो फाइबर ज्यादा देते हैं।

अंकुरित आलू में टॉक्सिक कंपाउंड,खाने से हो सकती हैं 6 हेल्थ प्रॉब्लम्स, जानें आलू को स्टोर करने का सही तरीका

नयी दिल्ली। यूनाइटेड नेशन के फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, आलू दुनियाभर में सबसे ज्यादा खाई जाने वाली सब्जियों में से एक है। ये कई सारे जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। लेकिन अगर

आलू अंकुरित हो जाते हैं तो इसे खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अंकुरित आलू वे होते हैं, जिनमें अंकुर यानी 'आंखें' उगने लगती हैं। ये अक्सर तब होता है, जब उन्हें लंबे समय तक स्टोर किया जाता है। अक्सर वे क्लोरोफिल के कारण हरे रंग के हो जाते हैं, जो प्रकाश के संपर्क में आने पर बनता है। नेशनल कैपिटल पॉइजन सेंटर मुताबिक, अंकुरित आलू सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इसमें सोलेनाइन और चाकोनाइन जैसे कुछ टॉक्सिक तत्?व होते हैं। इसकी टॉक्सिसिटी से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जानेंगे कि- सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. पूनम

तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी से साथ ही साथ क्या अंकुरित आलू खाने से किस तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? आलू को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? सवाल- किन वजहों से आलू जल्दी अंकुरित होते हैं? जवाब- आलू जमीन के नीचे उगने वाली सब्जी है, जिसमें नमी और स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है। यही कारण है कि यह जल्दी अंकुरित हो जाता है। गर्म और नमी वाली जगह पर रखे आलू तेजी से अंकुरित होने लगते हैं। इसी तरह जब आलू पर रोशनी पड़ती है तो उनमें क्लोरोफिल बनने लगता है और अंकुर निकल आते हैं। अगर आलू को ऐसी जगह रखा जाए, जहां हवा न मिले तो वे जल्दी पसीज जाते हैं और अंकुरण शुरू हो जाता है। लंबे समय तक रखने पर आलू अपनी नेचुरल प्रोसिजर से भी अंकुरित होने लगते हैं। इसके अलावा प्याज-लहसुन जैसी सब्जियां इथिलीन गैस छोड़ती हैं, जो आलू के अंकुरण को तेज करती हैं। कुल मिलाकर यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। ये अंकुर वास्तव में नए आलू के पौधे होते हैं। सवाल- क्या अंकुरित आलू में न्यूट्रिशन की कमी हो जाती है? जवाब- जब आलू अंकुरित होने शुरू होते हैं तो यह नए अंकुरों के ग्रोथ के लिए अपने न्यूट्रिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इससे आलू की न्यूट्रिशनल वैल्यू में कमी आ सकती है। आलू विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, लेकिन अंकुरित होने पर इसकी मात्रा कम हो जाती है। अंकुरण की प्रक्रिया में आलू में मौजूद स्टार्च शुगर में परिवर्तित हो जाता है, जिससे उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बढ़ जाता है। इसके अलावा अंकुरित आलू में अन्य विटामिन और मिनरल्स जैसे पोटेशियम, विटामिन बी, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा भी कम हो जाती है। सवाल- अंकुरित आलू खाने से कौन सी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- अंकुरित आलू में सोलेनाइन और चाकोनाइन नामक टॉक्सिक ग्लाइकोएल्कलॉइड होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसकी ज्यादा मात्रा से मतली, उल्टी, दस्त

और पेट में ऐंठन हो सकती है। इसलिए अंकुरित आलू खाने से बचना चाहिए। अंकुरित आलू खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कुछ और भी समस्याएं हो सकती हैं।सवाल- अंकुरित आलू खाना किन लोगों के लिए ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि ताजे आलू की तुलना में अंकुरित आलू ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा देता है। यही कारण है कि डायबिटिक मरीजों को इसे बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा कुछ और लोगों के लिए भी अंकुरित आलू स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक साबित हो सकते हैं। जैसेकि- गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और बुजुर्ग। पाचन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग। न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम वाले मरीज। कमजोर इम्यूनिटी वाले व्यक्ति। एलर्जी से पीड़ित लोग। इन सभी लोगों में अंकुरित आलू से होने वाले सोलनाइन टॉक्सिसिटी का खतरा ज्यादा होता है, जो पेट दर्द, उल्टी, सिरदर्द और चक्कर जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। सवाल- आलू को कैसे स्टोर करें कि वह जल्दी अंकुरित न हो? जवाब- आलू को अंकुरित होने से बचाने के लिए उसे ठंडी, अंधेरी और हवादार जगह पर 45-50° (7-10°f) के बीच स्टोर करें। इन्हें कभी भी फ्रिज में स्टोर न करें क्योंकि ठंडक स्टार्च को शुगर में बदल देती है और आलू का स्वाद मीठा हो जाता है। आलू को प्याज या नमी वाली सब्जियों के पास न रखें। इन्हें जालीदार थैले या पेपर बैग में रखें ताकि हवा आती-जाती रहे। आलू को ज्यादा समय तक न रखें, समय-समय पर खराब या अंकुरित आलू को अलग करते रहें। इसके अलावा कुछ और बातों का ख्याल रखें।सवाल- अंकुरित आलू को फेंकने की बजाय और किस काम में लाया जा सकता है? जवाब- खाने या फेंकने की बजाय अंकुरित आलू का उपयोग कई अन्य कामों में किया जा सकता है। जैसेकि- अंकुरित आलू को छोटे टुकड़ों में काटकर कंपोस्ट बिन में डाल दें। सड़ने के बाद यह मिट्टी में पोषक तत्व बढ़ाकर पौधों की ग्रोथ के लिए फायदेमंद साबित होंगे। अंकुरित आलू को पीसकर उसका रस पौधों पर छिड़कें। यह एक नेचुरल पेस्टिसाइड की तरह काम करता है और छोटे कीड़ों को दूर रखने में मदद करता है। आलू का रस स्किन पर लगाने से टैनिंग और डार्क स्पॉट्स कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है। अंकुरित आलू को गमले या खेत की मिट्टी में लगा सकते हैं। इससे नए आलू के पौधे उग जाते हैं।

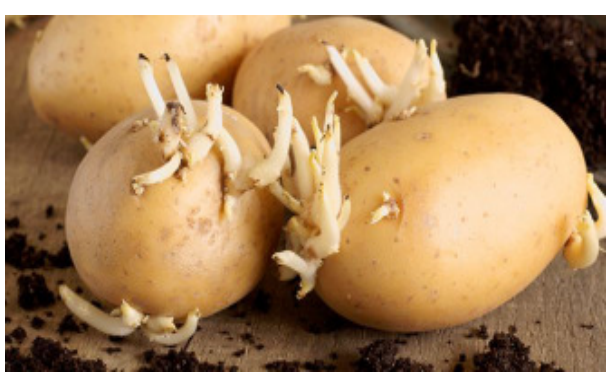

अल्काराज यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे,ओपेल्का को सीधे सेटों में हराया,कैरोलिना मुचोवा से हारीं वीनस विलियम्स

नयी दिल्ली। स्पेन के टेनिस स्टार और यूएस ओपन में दूसरी

सीड कार्लोस अल्काराज दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, दो बार की चैंपियन वीनस विलियम्स को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मैच में अल्काराज नए लुक में नजर आए। वह सिर मुंडवाकर खेलने उतरे। अल्काराज ने पहले राउंड में रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हराकर शानदार जीत हासिल की। दो घंटे से ज्यादा समय तक चले इस मैच में उन्होंने केवल 17 गलतियां कीं, 58 में से 50 सर्विस पॉइंट जीते, सभी तीन ब्रेक पॉइंट बचाए और ओपेल्का की सर्विस तीन बार तोड़ी। मैच से पहले अल्काराज की मुलाकात गोल्फ स्टार रॉरी मैक्लॉरी से हुई, जिन्होंने उनके मुंडे सिर को छूकर मजाक किया। पिछले हफ्ते यूएस ओपन के मिक्स्ड डबल्स में अल्काराज के बाल पूरे थे, लेकिन इस बार उनका नया लुक चर्चा का विषय बना।मैच के बाद अल्काराज ने दर्शकों से अपने नए हेयरकट के बारे में राय मांगी। दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ इसे पसंद किया। अल्काराज ने कहा, 'लगता है उन्हें मेरा नया लुक पसंद आया।' हालांकि, उनके दोस्त और टेनिस खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को यह हेयरकट बिल्कुल पसंद नहीं आया। टियाफो ने मजाक में कहा, 'यह भयानक है, जिसने भी कार्लोस को ऐसा करने को कहा, उसने गलत सलाह दी। मैं अच्छे हेयरकट का शौकीन हूं, लेकिन यह वाकई खराब है।' वीनस विलियम्स को चेक गणराज्य की 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा से 6-3 2-6 6-1 से हार का सामना करना पड़ा।

अवनीत कौर ने विराट कोहली के 'लाइक' पर तोड़ी चुप्पीःएक्ट्रेस ने कहा- प्यार मिलता रहे

नयी दिल्ली। क्रिकेटर विराट कोहली ने कुछ महीने पहले एक्ट्रेस अवनीत कौर के फैन पेज की एक पोस्ट को लाइक कर दिया था। जिसके बाद इसको लेकर बहुत चर्चा हुई थी। अब अवनीत ने इनडायरेक्टली इस पर बात की है। अवनीत की अपकमिंग फिल्म 'लव इन वियतनाम' के ट्रेलर लॉन्च पर

जब उनसे पूछा गया कि बड़े नामों से ऑनलाइन इतना ध्यान और तारीफ मिलना कैसा लगता है, तो मुस्कुराते हुए अवनीत ने कहा - 'प्यार मिलता रहे।' बता दें कि विराट कोहली ने मई के महीने अवनीत कौर की एक पोस्ट को लाइक किया था। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद विराट ने उस लाइक को हटा दिया था, लेकिन इसी बीच विराट के लाइक का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे इस मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। बाद में इस मामले में विराट को सफाई देनी पड़ी थी।विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाते हुए लिखा था,

अच्छे पैरेन्ट्स बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं, चाहत नहीं!

7 साल की समायरा मुम्बई के चेम्बूर में एक बड़े रिटेल स्टोर की शेल्फ के बीच में खड़ी थी। उसने अपनी मां अमृता से पूछा, 'मम्मी मुझे ये मिठाई चाहिए'। अमृता ने इधर-उधर देखा और पाया कि वहां समायरा के कद का एक और बच्चा पहले से मिठाई खा रहा था और इसीलिए उसकी बच्ची ने भी उसी मिठाई की मांग की। वह जानती थी कि इस उम्र में यह स्वाभाविक है कि बच्चों को वो सब चाहिए, जो साथियों के पास है।अमृता ने ग्रोसरी शेल्फ की ओर देखना बंद किया, हालांकि उसे पता था कि वह लेट हो रही थी और उसे सिर्फ दो और चीजें ही लेनी थी और घर जाना था क्योंकि मेहमान लंच पर आने वाले थे। लेकिन अपनी बेटी की मांग पर सख्ती से 'ना' कहने या उसकी मांग के आगे झुक जाने के बजाय उसने अपने काम को रोकने और बेटी से बात करने का फैसला किया।वह थोड़ा झुकी और समायरा की आंखों में आंखें डालकर बोली 'बताओ बच्चा' (सख्त स्वर में), ईमानदारी से बताओ (करुण स्वर में) तुम्हें इस मिठाई की जरूरत है (सामान्य स्वर में) या...तुम बस इसे लेना चाहती हो? (जिज्ञासु स्वर में, जैसे मां को जवाब पता नहीं)।' समायरा शर्माती सी उसके कंधे पर टिक गई, और धीमे स्वर में दूसरे बच्चे की ओर अंगुली करते हुए बोली 'उसके पास ऐसी मिठाई है'।अब इस मोलभाव में मां का पक्ष मजबूत था। अमृता ने कहा, 'कोई बात नहीं, तुम्हें खाने के लिए मिठाई चाहिए। हमारे फ्रिज में रखीं हैं। हम घर जा रहे हैं, यदि तब भी

तुम्हें लगे कि ये खानी है, तुम हमेशा ले सकती हो। पर सिर्फ इसलिए कि किसी दूसरे के पास यह है, इसका मतलब यह नहीं कि हमारे पास भी वही होनी चाहिए।'स्टोर में कोई नहीं जानता कि समायरा इन गहरे शब्दों को समझ पाई या नहीं, लेकिन दूसरे बच्चे की मां अमृता के पास आई और उसकी तारीफ की। अमृता ने जल्दी से वो चीजें ली, जो वो चाहती थी और समायरा भी एक मेमने की तरह मां के पीछे खुशी-खुशी, नाचती हुई चलती दिख रही थी।समायरा के पिता समीर और मां अमृता से ही उसे अपना नाम मिला। दोनों ही बैंकर हैं और ऊंचे पद पर हैं और मुम्बई की सबसे पॉश कॉलोनी में रहते हैं, इसलिए उनके लिए अफॉर्डबिलिटी कभी कोई मसला नहीं रहा। फिर भी समायरा को वह सब कुछ नहीं मिलता, जो वह चाहती है।यही उनकी परवरिश की खूबसूरती है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली समायरा के दादा-दादी ने इस रविवार को मुझे और मेरी पत्नी को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इसी कारण मैं इस वाकिये के बारे में जान पाया।अमृता ने कहा,'माता-पिता बच्चों के सुखद बचपन के निर्माण के लिए नियमित प्रयास करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बढ़ते बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए और वो सबकुछ दिया जाए, जिसकी उन्हें जरूरत है। लेकिन ठीक उसी समय, इच्छाओं व सनक के बीच महीन रेखा होती है, और पैरेंन्ट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों को इस अंतर के बारे में समझाने की जिम्मेदारी लें।जब उन्हें सब मिल जाता है तो एक समय पर वह बहुत सी चीजों के प्रति लालची हो जाते हैं। यह जरूरी है कि वे बड़े होने पर आवश्यकता और चाहत के बीच के अंतर को समझे। यह सब बताते हुए अमृता ने ये भी कहा कि मैं खुद को कभी नहीं रोकती, मैं बेटी की जरूरतें पूरी करती हूं, उसके बचपन में चमक बिखेरने वाले गिफ्ट देती हूं और उसे उनका आनंद लेने देती हूं।लेकिन सिर्फ माता-पिता ही यह जानते हैं कि कब बच्चा थोड़ा जिद्दी हो रहा है और यही वह समय होता है जब बच्चों को यह सीख देनी होती है कि 'अपनी जरूरतों को जानो'। समायरा के पैरेंट्स से बातचीत में मुझे एहसास हुआ कि वे मेरी पीढ़ी की तुलना में अधिक बेहतर माता-पिता है। उसी समय मैंने निर्णय किया कि अगली 'गुड पैरेंटिंग' सेमिनार में उन्हें बुलाया जाना चाहिए।फंडा यह है कि जरूरतों को प्राथमिकता के स्तर पर तय करने से किसी बच्चे को यह समझने में सहायता मिलती है कि उसे किस चीज की जरूरत है और कौन-सी चीज सिर्फ उसकी चाहत है। इससे उनमें एहसानमंद होने और संतोष की भावना विकसित होती है। इससे बच्चा जिम्मेदारी, मुसीबतों से पार पाने की क्षमता और कठिन परिश्रम के महत्व जैसे जीवन के मूल्यवान सबक भी सीखता है।

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो

सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है।तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते।हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है।जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं।विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है।इसमें कहा गया है कि भारत ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए।निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है।1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है। जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6इ से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि।उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा।भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है। मुंबई में 500 रु. में हवाई अड्डे से शहर तक पहुंचा जा सकता है, टोक्यो में 5,000 रु. लगते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

आदर्श पेशे के लोगों से उचित बर्ताव क्यों करना चाहिए?

जब फ्रिज नहीं होते थे तो हमारा पीने का पानी 'सुराही' में रखा जाता था। जो लोग नहीं जानते कि यह क्या होती है, उन्हें मैं समझाता हूं : सुराही

भारत का मिट्टी से बना एक पारंपरिक पात्र है, जो वाष्पीकरण के जरिए पानी को ठंडा करने के सिद्धांत पर काम करता है। इसकी मिट्टी की दीवारों में छोटे-छोटे छिद्र होते हैं, जिनके जरिए पानी रिसकर बाहर आता है और वाष्पित हो जाता है। वाष्पीकरण प्रक्रिया के लिए ताप चाहिए, जो घड़े के अंदर भरे पानी से आता है। इस प्रकार भीतर तापमान कम होने से घड़े का पानी ठंडा बना रहता है। सुराही में शेर के मुंह जैसा आउटलेट होता है, जैसे ठंडा पानी किसी खतरनाक जानवर के मुंह से बाहर आ रहा हो। मुख्य रूप से यह आगरा जैसे शहरों में मिलती थी। नागपुर जैसे शहरों में ये नहीं मिलती थी, जहां मैंने अपना बचपन बिताया था। नागपुर में 'सुराही' नहीं, बल्कि 'घड़ा' मिलते थे। इसमें आपको अपना गिलास डालकर पानी निकालना पड़ता था। उन दिनों में सुराही रखने से एक उच्चवर्गीय समुदाय जैसी भावना आती थी। चूंकि मेरे पिता रेलवे में काम करते थे और नागपुर से आगरा जाने वाले गाड्र्स को जानते थे, इसलिए वे हमारे लिए सुराही लाया करते थे। लेकिन मेरे पिता ने कभी सिर्फ एक ही सुराही नहीं मंगाई। वे यह सुनिश्चित करते थे कि स्कूल के कुछ शिक्षकों को भी यह मिले। जरूरी नहीं कि वो शिक्षक, जो मुझे पढ़ाते थे। शिक्षकों की पारिवारिक आय और सुराही खरीदने में उनकी असमर्थता के आधार पर आकलन कर वे उनका चयन करते थे। चूंकि वे नागपुर के मेरे स्कूल सरस्वती विद्यालय की प्रबंध समिति में थे, इसलिए उन्हें शिक्षकों की तनख्वाह के बारे में अच्छे से पता था। सुराही देते समय वे कहते थे कि 'अगर उपयोग के दौरान यह टूट जाए तो कृपया मुझे बताना, मैं फिर से लाऊंगा।' और हर साल वे यह कार्य दोहराते थे। पिताजी अकेले नहीं थे, जो शिक्षकों के लिए अक्सर ऐसा करते थे। प्रबंध समिति में ऐसे कई लोग थे, जिनको शिक्षकों के वेतन के बारे में पता था और वो अपने तरीके से उनका जीवन आरामदायक बनाने में मदद करते थे। मैंने कभी नहीं देखा कि पिता ने मेरे प्राइमरी स्कूल शिक्षक से कुर्सी पर बैठकर बात की हो, जब तक कि शिक्षक ने खुद ही उन्हें बैठने के लिए न बोला हो। वे अधिकारी संवर्ग में थे और ताकत भी रखते थे। फिर भी वे किसी आठवीं कक्षा के छात्र की तरह उन शिक्षकों के सामने खड़े रहते थे, जो उम्र में उनसे छोटे थे। वे हमेशा मुझसे कहते थे कि शिक्षक भगवान जैसा होता है। हमें अपनी संपत्ति और सरकारी दफ्तरों के ओहदे को देखे बिना उनका सम्मान करना चाहिए। और विश्वास करें कि उस समय के शिक्षक बहुत खुश थे। सिर्फ इसलिए नहीं कि समाज उन्हें सम्मान देता था, बल्कि उनकी वित्तीय मदद भी करता था ताकि वे आर्थिक रूप से कमजोर न दिखें। सोमवार सुबह ऐसे कई वाकये मुझे तब याद आए, जब मैंने पढ़ा कि हमारे सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है कि हमारे वर्तमान शिक्षकों के साथ कैसा व्यवहार हो रहा है। देश में शिक्षकों के प्रति व्यवहार से दुखी सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि भावी पीढ़ियों का भविष्य संवारने वालों को तुच्छ वेतन दिया जाता है तो महज 'गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरः' का सार्वजनिक पाठ करना बेमानी है।

जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि 'शिक्षाविद्, व्याख्याता और प्रोफेसर किसी भी राष्ट्र का बौद्धिक आधार होते हैं, क्योंकि वे भावी पीढ़ियों की बुद्धि और चरित्र के निर्माण में जीवन समर्पित कर देते हैं। उनका काम व्याख्यान देने से कहीं अधिक है- इसमें परामर्श देना, मार्गदर्शन, शोध, समालोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और समाज की प्रगति में योगदान देने वाले मूल्यों की भावना डालना शामिल है।' मेरा भरोसा करें, मेरी आंखें नम हो जाती हैं जब मैं कुछ शिक्षण संस्थान मालिकों को यह कहते सुनता हूं कि 'जिन्हें कहीं और नौकरी नहीं मिलती, वो शिक्षण के पेशे में आ जाते हैं।' क्योंकि एक तरह से मैं भी एक शिक्षक ही हूं। फंडा यह है कि शिक्षण पेशे का खोया हुआ गौरव वापस लाना समाज की नई जिम्मेदारी है। उन्हें अच्छा वेतन दें और सबसे बढ़कर, उनका सम्मान करें। एन. रघुरामन।

अमेरिका को अपनी कम्पनी की तरह चला रहे हैं ट्रम्प

वॉल स्ट्रीट के विश्लेषकों ने यह मजाक करना शुरू कर दिया है कि ट्रम्प के व्यवहार को भांपने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप 'टाको ट्रेड' का अभ्यास करें। इसका अर्थ है 'ट्रम्प ऑलवेज चिकन आउट'। यानी जरूरत पड़ने पर ट्रम्प हमेशा बच निकलते हैं। इशारा यह है कि ट्रम्प चाहे जितने जोर-शोर से टैरिफ की घोषणा करें, वे देर-सबेर उससे मुकर जाएंगे।एक दिन वे यूक्रेन को अपने से दूर कर रहे होते हैं, अगले दिन यूक्रेन पर खनिज सौदे के लिए दवाब बना रहे होते हैं,

फिर तीसरे दिन यूक्रेन फिर से उनकी योजनाओं में शामिल हो जाता है। एक दिन व्लादिमीर पुतिन ट्रम्प के दोस्त होते हैं, अगले ही दिन ट्रम्प उन्हें 'क्रेजी' बता देते हैं।एक दिन कनाडा अमेरिका का 51वां स्टेट होता है, अगले दिन वह टैरिफ का निशाना बन जाता है। एक दिन ट्रम्प कहते हैं कि वे सबसे अच्छे लोगों को नियुक्त करते हैं, अगले ही दिन नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल से 100 से अधिक विशेषज्ञों को निकाल दिया जाता है, जबकि उनमें से कई तो कुछ सप्ताह पहले ही भर्ती किए गए थे।यही बात इलॉन मस्क के बारे में भी कही जा सकती है। एक दिन वे वर्जीनिया गोल्फ क्लब में अपने मीमकॉइन के सबसे बड़े खरीदारों के लिए समारोह आयोजित करते हैं, जिन्होंने प्रेसिडेंशियल सील के पीछे खड़ा होकर उनकी बात सुनने का मौका पाने के? लिए 148 मिलियन डॉलर खर्च कर दिए थे। और व्हाइट हाउस प्रवक्ता का कहना है कि यह भ्रष्टाचार नहीं है, क्योंकि राष्ट्रपति ने अपने निजी समय में इस आयोजन में हिस्सा लिया था।ट्रम्प फिलहाल अपनी निजी सनकों के आधार पर राज कर रहे हैं। उनकी सरपरस्ती में सरकारी एजेंसियों के बीच बहुत कम या नगण्य तालमेल नजर आता है। वे प्राधिकार की किसी वास्तविक सीमा का सम्मान नहीं करते, जिसमें उनके गोल्फ के साथी (स्टीव विट्कॉफ) विदेश मंत्री की तरह काम करने लगते हैं और उनके विदेश मंत्री मार्को रूबियो पनामा में उनके राजदूत की भूमिका निभाने लगते हैं।जो भी उन्हें रोकने की कोशिश करता है, वे उसे कोर्ट में जाने के लिए मजबूर करते हैं। उनकी कार्यशैली ऐसी है कि कानूनी जिम्मेदारियों और निजी समृद्धता के बीच की मर्यादाएं गड्डमड्ड हो गई हैं। यह सब हमें क्या बताता है? यह नहीं कि हम एक पारम्परिक अमेरिकी प्रशासन द्वारा शासित नहीं हो रहे हैं। बल्कि यह कि हम पर ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन इनकॉर्पोरेशन का राज है!अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ और सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।पहले कार्यकाल में उन्होंने अराजकतापूर्ण शैली से ही सही, लेकिन मानकों के अनुरूप शासन किया था। लेकिन दूसरे कार्यकाल में वे बिना किसी रोकटोक के अमेरिकी सरकार को इस तरह से चला रहे हैं, जैसे कि वे अपनी निजी कम्पनी को चला रहे हों। केवल बाजार और अदालतें ही उन्हें रोकने में सक्षम हैं। इसमें बहुत हद तक डेमोक्रेट्स की अपनी कमजोरी का भी योगदान है।पद सम्भालने के कुछ ही हफ्तों बाद ट्रंप ने ऑटो इंडस्ट्री से कोई गंभीर सलाह-मशविरा किए बिना ही ग्लोबल टैरिफ की कई घोषणाएं कर दीं। इसी बीच, उन्हें पता चला कि लोकप्रिय फोर्ड एफ-150 के केवल एक-तिहाई पुर्जे ही अमेरिका में बनते हैं और इन्हें कभी भी बहुत जल्दी नहीं बदला जा सकता। टैरिफ घोषणाओं से ऑटो इंडस्ट्री को बड़ा धक्का पहुंचा और फोर्ड, जनरल मोटर्स और स्टेलेंटिस जैसी कंपनियों ने घोषणा की कि टैरिफ को लेकर असमंजस और सप्लाई-चेन गड़बड़ाने की संभावना के चलते वे इस साल की शेष अवधि के लिए आय के पूर्वानुमान नहीं बता सकतीं। फिर जैसा कि पूर्वानुमान था, चीन ने ट्रम्प द्वारा 145 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर प्रतिक्रिया दी। टाइम्स के बीजिंग संवाददाता कीथ ब्राडशर ने अपनी हाल की रिपोर्ट में बताया है कि बीजिंग ने अचानक से रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्यात रोक दिया है, जो अमेरिका में निर्मित होने वाली कारों, ड्रोन्स, रोबोट और मिसाइल में काम आता है। अब ट्रम्प यदि चीन पर लगाए टैरिफ पर कोई सौदेबाजी नहीं कर पाते हैं तो अमेरिकी कार फैक्ट्रियों को आगामी दिनों या हफ्तों में उत्पादन में कटौती करना पड़ सकती है। आपको क्या लगता है इस बात की कितनी सम्भावना है कि ट्रम्प ने चीन पर टैरिफ लगाने के बाद होने वाले परिणामों से निपटने के बारे में पहले से सोच लिया होगा? मैं शर्तिया कहता हूं कि कतई नहीं। उन्होंने बस मनमानी की है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।

विपक्षी दलों में भी कुछ अच्छे चेहरे उभरकर सामने आए हैं

पहलगाम के बाद जो हालात बने, उन्होंने भारत में विभिन्न दलों में उभर रहे नए नेतृत्व को सामने ला दिया है। ऑपरेशन सिंदूर पर 'ग्लोबल-आउटरीच' के लिए सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले या इसका हिस्सा रहे अधिकांश लोग काफी समय से राजनीति के क्षेत्र में हैं।वे अपनी-अपनी पार्टियों में नेतृत्व की दूसरी या तीसरी पंक्ति के नेता रहे हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे कुछ ने तो अपनी पार्टियों का नेतृत्व भी किया है।

लेकिन पिछले हफ्तेभर में जिस तरह से उन्होंने विश्व की राजधानियों में भारत की पोजिशन को स्पष्ट शब्दों में सामने रखा, उससे देश ने अचानक उन्हें नई नजर से देखा है। इसने भारत की संसद में मौजूद प्रतिभा को भी रेखांकित किया है।देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। इस आउटरीच-कार्यक्रम की अन्य उपलब्धियां चाहे जो हों, लेकिन इतना तो तय है कि इसने भारत में एक नए राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है।इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त किया। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- ने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया।यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना यूबीटी) ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि कृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं।कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने हमलों का भारत द्वारा करारा जवाब देने के बारे में बात की। मनीष तिवारी ने पाकिस्तान को चेताया कि अगर उसने आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद नहीं किया, तो भविष्य में भारत की प्रतिक्रिया बहुत तीखी होगी।इस तरह की कवायद से स्वाभाविक ही सरकार को फायदा होता है, क्योंकि पूरा राजनीतिक वर्ग पहलगाम के बाद सरकार की पोजिशन को भारत की पोजिशन मानकर उसका बचाव कर रहा था। यदि सर्वदलीय समूहों ने 33 देशों (और वहां बसे भारतीय प्रवासियों) तक कोई एक शक्तिशाली संदेश पहुंचाया तो वो यह था कि आतंकवाद और पाकिस्तान के मुद्दे पर भारत एकजुट है, जबकि पाकिस्तान आतंकवादी हमले के माध्यम से देश में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ाने की उम्मीद कर रहा था।जम्मू और कश्मीर भी शेष भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा। विपक्ष को भी इस कवायद से फायदा हुआ है, क्योंकि उसके नेता सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं की तुलना में अधिक उभरकर सामने आए हैं- चाहे वे कांग्रेस से डॉ. शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा हों। या अन्य दलों से असदुद्दीन ओवैसी, सुप्रिया सुले या कनिमोझी।जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता। भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी। हालांकि अधिकांश देशों ने पहलगाम आतंकवाद की निंदा की, लेकिन शायद ही कोई देश पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर भारत के साथ खड़ा हुआ।भारत का सदाबहार मित्र रूस भी दोनों तरफ से खेलता हुआ नजर आया। लेकिन कुछ देशों के साथ मुद्दों को सुलझाने के लिए ट्रैक-टू प्रयासों में भारत की अनुभवी और मुखर आवाजों का उपयोग करने की गुंजाइश आगे भी बन सकती है, क्योंकि विपक्षी नेताओं ने दिखाया है कि अगर उन्हें ऐसी भूमिका निभाने के लिए कहा गया तो वे पीछे नहीं रहेंगे।पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद (कांग्रेस) ने तो एक कदम आगे बढ़कर अनुच्छेद 370 को हटाने तक का समर्थन किया। उन्होंने कहा अनुच्छेद 370 से यह धारणा बनती थी कि कश्मीर अलग है। इससे उनकी अपनी पार्टी में नाराजगी पैदा हो गई, जिसने इस मुद्दे पर अस्पष्ट रुख अपनाया है।डॉ. शशि थरूर तो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के स्टार के रूप में उभरे। जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करके और आतंकवाद के प्रति भारत की प्रतिक्रिया के इस न्यू-नॉर्मल की सराहना करके खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन उनकी पार्टी इससे नाराज है और अब उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में सवाल पूछे जाने लगे हैं।देश ने विभिन्न विपक्षी दलों के इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। एक नया राजनीतिक नेतृत्व उभरता नजर आया है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

'दुनिया की छत' पर चीन की हरकतें सबके लिए खतरनाक

तिब्बत के पठार पर विशाल ग्लेशियल-रिजर्व्स हैं, जो दुनिया में ताजे पानी के सबसे बड़े भंडारों में से एक हैं। यह दस प्रमुख एशियाई नदी-प्रणालियों का उद्गम भी है- जिनमें चीन की येलो और यांग्त्से, दक्षिण-पूर्व एशिया की मेकांग, साल्विन और इरावदी और भारत की सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियां शामिल हैं।ये वैश्विक आबादी के लगभग 20इ हिस्से को पानी की आपूर्ति करती हैं। लेकिन आज यही पठार एक आसन्न पर्यावरणीय संकट का साक्षी बन रहा है, जो पूरे एशियाई महाद्वीप की जल सुरक्षा, पारिस्थितिक संतुलन और भू-राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डाल सकता है।पिछले दो दशकों से चीन तिब्बती पठार पर केंद्रित एक आक्रामक बांध निर्माण अभियान में लगा हुआ है। चीन की सरकार ने इसके निचले हिस्से के किसी भी देश के साथ जल-साझाकरण संधि पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। इससे इन देशों को चीन की सनक के परिणाम भुगतने होंगे। पठार की सीमा के पास चीन द्वारा निर्मित भीमकाय-बांधों ने पहले ही मेकांग नदी में पानी के स्तर को अभूतपूर्व रूप से कम कर दिया है, जिसका कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड और वियतनाम में मत्स्य-पालन और आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है।जैसे-जैसे दक्षिणी वियतनाम में मेकांग डेल्टा पीछे हट रहा है, चावल के किसानों को पारंपरिक आजीविका छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। फिर भी चीन की बांध बनाने की महत्वाकांक्षाएं बढ़ती जा रही हैं। यांग्त्से नदी पर बना थ्री गॉर्जेस डैम दुनिया का सबसे बड़ा बांध है।लेकिन वह भी चीन द्वारा तिब्बती पठार के भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (उसे वहां यारलुंग जंगबो कहा जाता है) पर बनाए जा रहे बांध के सामने बौना साबित होगा। अगर यह परियोजना पूरी हो जाती है, तो इससे भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह में भारी बदलाव आएगा, क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन को खतरा होगा और निचले इलाकों के देशों पर चीन का भू-राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा। पानी के हथियारीकरण का खतरा मंडरा रहा है।दरअसल, पानी तेजी से नया तेल बनता जा रहा है- यानी ऐसा रणनीतिक संसाधन, जो संघर्षों को बढ़ावा दे सकता है। देशों के भीतर और उनके बीच पानी के विवाद पहले ही तेज होते जा रहे हैं। चीन की नजर तिब्बत की खनिज-समृद्ध भूमि- जिसमें लीथियम, सोना, तांबा जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं- पर भी है। वह वहां पर जंगलों की कटाई कर रहा है और विषाक्त उत्सर्जन में योगदान दे रहा है। उसकी ये तमाम गतिविधियां तिब्बती पठार के सैन्यीकरण के लिए कवर प्रदान कर रही हैं।चीन वहां पर जो विनाश-लीला कर रहा है, उसके पूरे ब्योरे जानना असंभव है। यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नजरों से बहुत दूर है, और स्थानीय तिब्बती समुदायों की आवाजों को दबा दिया जाता है। इस सबसे वहां का पारिस्थितिक तंत्र लगातार कमजोर होता जा रहा है। तिब्बती पठार वैश्विक औसत से दोगुनी गति से गर्म हो रहा है और उसकी बर्फ ध्रुवों की तुलना में तेजी से पिघल रही है। इसके दूरगामी निहितार्थ हैं। तिब्बती पठार एशियाई जलवायु, मौसम और मानसून के पैटर्न को गहराई से प्रभावित करता है। इसका क्षरण सूखे और बाढ़ को बढ़ाएगा, जैव विविधता के नुकसान को बढ़ाएगा, कृषि के पतन में योगदान देगा और एशिया और उसके बाहर बड़े पैमाने पर पलायन को बढ़ावा देगा।इन तमाम जोखिमों के बावजूद वैश्विक जलवायु मंचों से लेकर संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं तक- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तिब्बत को लेकर पूरी तरह से चुप है।इसका कारण अज्ञानता नहीं, बल्कि डर है। क्योंकि चीन अपने प्रभाव का इस्तेमाल 'दुनिया की छत' पर अपनी गतिविधियों की सार्थक आलोचना को दबाने के लिए करता है। जबकि दुनिया के देशों को तिब्बती पठार पर चीन की गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता के लिए लगातार दबाव डालना चाहिए। विशेष रूप से, चीन को अपने रियल-टाइम हाइड्रोलॉजिकल डेटा को साझा करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए और उसे अपनी परियोजनाओं को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना चाहिए।स्वतंत्र पर्यावरण शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने और निष्पक्ष विश्लेषण के लिए पठार तक बेरोकटोक पहुंच प्रदान की जानी चाहिए। चीन को तिब्बतियों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। 2000 से लगभग दस लाख तिब्बतियों को अपनी पैतृक भूमि से जबरन विस्थापित किया गया है।

गुजरात में मोदी बोले- किसानों पर आंच नहीं आने देंगे,कितना भी दबाव आए,झेलने की ताकत बढ़ाते रहेंगे,2 दिन बाद लगेगा 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ

कि मोदी के लिए आपका हित सर्वोपरि है। मेरी सरकार लघु उद्यमियों का, किसानों का, पशुपालकों का कभी भी अहित नहीं होने देगी। गुजरात मैन्युफैक्चरिंग हब बनाः आज हर प्रकार की इंडस्ट्री का यहां विस्तार गुजरात की धरती पर हो रहा है। पूरा गुजरात ये गुजरात बड़ा नाम करने वाला है। दवाइयां, कपड़ा, फार्मा उत्पाद समेत देश का एक-तिहाई निर्यात गुजरात से हो रहा है।पीएम मोदी ने कहा- गुजरात अब सेमी कंडक्टर सेक्टर में भी बड़ा नाम करने जा रहा है।महागुजरात आंदोलन के बाद गुजरात अलग हुआ और उसके बाद के दौरान कहा- कई बार सोचता हूं कि कैसा नसीब है कि मुझे लाखों लोगों का प्रेम और आशीर्वाद मिलता है। मैं आप सभी का जितना आभार मानूं,उतना कम है। इस समय गणेश उत्सव का माहौल है। आज गुजरात के विकास से जुड़ी अनेक परियोजनाओं का भी श्रीगणेश हुआ

देखकर गर्व करता है कि कैसे हमारा राज्य मैन्युफैक्चरिंग हब बन गया है। देश और दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां फैक्ट्रियां लगा रही हैं। अब इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग का भी गुजरात बहुत बड़ा सेंटर बन रहा है। जीएसटी रिफॉर्म से दीवाली पर डबल बोनस मिलेगाः अब हमारी सरकार जीएसटी में भी रिफॉर्म करने जा रही है। इस बार की दिवाली पर व्यापारी वर्ग हो या फिर हमारे बाकी परिवारजन सबको खुशियों का डबल बोनस मिलेगा।पीएम मोदी ने कहा, हमारी सरकार शहर में रहने वाले गरीबों को सम्मानजनक जीवन देने के लिए प्रतिबद्ध है। गरीबों के लिए बने नए घर इसका उदाहरण हैं।पीएम मोदी ने कहा- 11 वर्षों में 3000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं। रेलवे का विद्युतीकरण किया गया है। रामापीर पहाड़ियों में 1500 गरीबों को पक्के घर मिलेंगे। पूज्य बापू को सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में साबरमती आश्रम का भी जीर्णोद्धार किया जा रहा है। हमारे दो महापुरुष। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बन गई है, मैं उस समय साबरमती आश्रम का जीर्णोद्धार करना चाहता था। लेकिन केंद्र सरकार अनुकूल नहीं थी और बापू भी अनुकूल नहीं थे। पूज्य बापू को सच्ची श्रद्धांजलि साबरमती आश्रम का जीर्णोद्धार है। इस जीर्णोद्धार के बाद, साबरमती आश्रम दुनिया की सबसे शांतिपूर्ण प्रेरणा भूमि बन जाएगा। जिसे कोई नहीं पूछता, उसे मोदी पूजता है।पीएम मोदी ने कहा- कुछ महीने पहले अहमदाबाद में आयोजित कोल्डप्ले कॉन्सर्ट की दुनिया भर में चर्चा हुई थी। 1 लाख दर्शकों की क्षमता वाला अहमदाबाद का स्टेडियम आकर्षण का केंद्र है। यह दर्शाता है कि अहमदाबाद में बड़े कॉन्सर्ट आयोजित किए जा सकते हैं।पीएम मोदी ने कहा, आज दुनिया में हर कोई आर्थिक हितों के आधार पर राजनीति करने में व्यस्त है। अहमदाबाद की इस धरती से मैं अपने छोटे उद्यमियों, मेरे छोटे दुकानदार भाइयों और बहनों, मेरे किसान भाइयों और बहनों, मेरे पशुपालक भाइयों और बहनों से कहूंगा और यह मैं गांधी की धरती पर कह रहा हूं। उन्होंने आगे कहा कि मेरे देश के छोटे उद्यमी हों, किसान हों, या पशुपालक हों, सभी के लिए मैं आपसे बार-बार वादा करता हूं। आपका हित मोदी के लिए सर्वोपरि है। मेरी सरकार छोटे उद्यमियों, किसानों और पशुपालकों पर कभी कोई आंच नहीं आने देगी। चाहे कितना भी दबाव आए, हम झेलने की अपनी ताकत बढ़ाते रहेंगे। आज आत्मनिर्भर भारत अभियान को गुजरात से बहुत ऊर्जा मिल रही है और इसके पीछे दो दशकों की कड़ी मेहनत है. अहमदाबाद में पीएम मोदी ने कहा- वडोदरा में ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बन रहे हैं। गुजरात इलेक्ट्रिक वाहनों का भी एक बड़ा हब बन रहा है। कल मैं हंसलपुर जाऊंगा, जहां इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग का बड़ा काम हो रहा है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भी जब जिम्मेदारी गुजरात पर आई, तो गुजराती पीछे नहीं हटे। कुछ महीने पहले जब मैं दाहोद आया था, तो वहां के रेल कारखाने में गया था। मैंने देखा गुजरात में बने मेट्रो कोच अब दुनिया भर में जा रहे हैं। देश और दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां आ रही हैं। दुनिया के 10 में से 9 हीरे मेरे गुजरात में बनते हैं। गुजरात अब सेमी कंडक्टर सेक्टर में भी बड़ा नाम करने जा रहा है। पीएम मोदी ने संबोधन में कहा- हमारे गुजरात में बहुत से पशुपालक हैं। हमारे डेयरी सेक्टर को देखिए। जब ??मैं फिजी के प्रधानमंत्री से मिला, तो उन्होंने हमारे डेयरी सेक्टर को बड़े आदरपूर्वक कहा कि मेरे देश में भी ऐसा होना चाहिए। गुजरात के पशुपालकों में बहनों का बहुत बड़ा योगदान है। अहमदाबाद की धरती से, मैं अपने छोटे दुकानदारों, किसानों और पशुपालकों से कह रहा हूं कि मोदी के लिए आपका हित सर्वोपरि है। मोदी सरकार कभी किसी का अहित नहीं होने देगी। आत्मनिर्भर भारत को गुजरात से बहुत बड़ी गति मिली है। आत्मनिर्भर भारत को गुजरात से ऊर्जा मिल रही है, इसके पीछे दो दशकों की कड़ी मेहनत है। पीएम मोदी ने कहा- साबरमती आश्रम गवाह है कि उनके नाम पर सत्ता का सुख भोगने वाली पार्टी ने बापू की आत्मा को कुचला है। पिछले अनेक वर्षों से वो दिन-रात गांधी के नाम पर अपनी दुकान चलाते रहे। उनके मुंह से एक बार भी स्वच्छता या स्वदेशी शब्द नहीं निकला। ये देश समझ नहीं सकता कि उनकी समझ को क्या हो गया है। 60-65 साल देश पर राज करने वाली कांग्रेस ने भारत को दूसरे देशों पर निर्भर इसलिए रखा। क्योंकि वो सरकार में बैठकर आयात में भी खेल खेलती थी। लेकिन आज भारत ने आत्मनिर्भरता को विकसित भारत के निर्माण का आधार बनाया है। हमारे किसानों, मछुआरों, पशुपालकों, उद्यमियों के बल पर भारत तेज विकास के पथ पर चल रहा है। आत्मनिर्भरता के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इस मानसून के मौसम में गुजरात के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। जिस तरह से देश में एक के बाद एक बादल फटने की घटनाएं हो रही हैं, उससे मची तबाही देखकर खुद को संभालना मुश्किल हो जाता है। मैं सभी प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ। पीएम मोदी ने कहा- भारत के निर्णयों को देश नहीं, बल्कि दुनिया अनुभव कर रही है। गुजरात की ये धरती दो मोहनों की धरती है। एक हैं सुदर्शन चक्रधारी मोहन, यानी हमारे द्वारकाधीश श्री कृष्ण। दूसरे हैं चरखाधारी मोहन, यानी साबरमती के संत पूज्य बापू। सुदर्शन चक्र पाताल लोक में दुश्मनों को खोजकर उन्हें दंड देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यही वो भावना है जो भारत के निर्णयों में देश नहीं, बल्कि दुनिया अनुभव कर रही है।पीएम मोदी ने खोडलधाम ग्राउंड में जनसभा के दौरान कहा- कई बार सोचता हूं कि कैसा नसीब है कि मुझे लाखों लोगों का प्रेम और आशीर्वाद मिलता है। मैं आप सभी का जितना आभार मानूं,उतना कम है। इस समय गणेश उत्सव का माहौल है। आज गुजरात के विकास से जुड़ी अनेक परियोजनाओं का भी श्रीगणेश हुआ है। ये मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे विकास के अनेक प्रोजेक्ट्स आप सभी के चरणों में आपको सौंपने का सौभाग्य मिला है। मैं इन विवास कार्यों के लिए आप सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं।गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा, इस देश को पीएम मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है कि उनके मार्गदर्शन में भारत वैश्विक नेता बनेगा। शहरी विकास के लिए उनका दृष्टिकोण वास्तव में दूरदर्शी रहा है, और उनकी पहल से पूरे राज्य में समग्र विकास हुआ है।पीएम का नरोडा से निकोल तक करीब 3 किमी लंबा रोड शो शुरू हो गया है। सड़क के दोनों ओर 12 मंच बनाए गए हैं। पीएम की सभा के लिए पूरे निकोल क्षेत्र को लाइटिंग से सजाया गया है।इसके बाद रेलवे परियोजना के तहत मेहसाणा से पालनपुर 65 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन के दोहरीकरण और बेचाराजी से रणुजा तक 40 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन का उद्घाटन करेंगे। अहमदाबाद से राजकोट रेलवे लाइन पर वीरमगाम में सोकली के पास 70 करोड़ रुपए की लागत से बने रेलवे अंडरब्रिज और चांदखेड़ा में 66 केवी सब-स्टेशन का भी उद्घाटन करेंगे।पीएम 1,500 करोड़ से अधिक की लागत से एसपी रिंग रोड पर छह लेन वाली सड़क निर्माण का शिलान्यास करेंगे। अहमदाबाद के शेला, मणिपुर, गोधावी, सनाथल और तेलव क्षेत्रों में वर्षा जल निकासी और ड्रेनेज लाइन बिछाने के लिए 110 करोड़ का काम, चांदखेड़ा और नारणपुरा में 50 करोड़ की लागत से जल वितरण केंद्र बनाया जा रहा है। पीएम इसका भी शिलान्यास करेंगे। इसके बाद शहर के वडाज स्थित रामापीर टेकरा में 133.42 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 1,449 फ्लैट्स और 130 दुकानों का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा सीजी रोड और लॉ गार्डन के आसपास के 6.6 किलोमीटर क्षेत्र का 100 करोड़ रुपए की लागत से विकास किया जाएगा। इसमें मूर्तियां, खेल के मैदान, फुटपाथ, स्थान निर्माण और सौंदर्यीकरण का काम शामिल है। प्रधानमंत्री इसका भी शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वे निकोल इलाके के खोडलधाम मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। अहमदाबाद में इन कार्यक्रमों के बाद पीएम गांधीनगर स्थित राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे।अपने दौरे के दूसरे दिन पीएम मंगलवार अहमदाबाद जिले के हांसलपुर स्थित मारुति सुजुकी के प्लांट का दौरा करेंगे। यहां वे कंपनी की नई इवी यूनिट की शुरुआत करेंगे। इसी दिन इस ब्रांड के इलेक्ट्रिक व्हीकल के पहले बैच का प्रोडक्शन भी शुरू होगा। कंपनी की यह कार इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट की पहली कार होगी। इस कार्यक्रम के बाद पीएम दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

अंबानी के वाइल्डलाइफ रेस्क्यू रिहैबिलिटेशन सेंटर वनतारा की जांच होगी,सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी बनाई, हथिनी की शिफ्टिंग से शुरू हुआ था विवाद

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गुजरात के जामनगर में वनतारा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर की जांच के लिए 4 सदस्यीय स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की। इस सेंटर को रिलायंस फाउंडेशन चलाता है। अदालत ने कहा कि एसआईटी 12 सितंबर तक रिपोर्ट देगी। इसके बाद 15 सितंबर को फिर सुनवाई होगी। इसके आधार पर आगे फैसला लिया जाएगा। जस्टिस पंकज मित्तल और पीबी वराले की बेंच ने मामले की सुनवाई की। कहा- 'एसआईटी को 12 सितंबर 2025 तक रिपोर्ट सौंपनी होगी। एसआईटी पशु कल्याण, आयात-निर्यात कानून, वाइल्डलाइफ तस्करी, पानी और कार्बन क्रेडिट के दुरुपयोग जैसे मुद्दों की भी जांच करेगी।' एसआईटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस जे. चेलमेश्वर करेंगे। टीम में जस्टिस राघवेंद्र चौहान (पूर्व चीफ जस्टिस, उत्तराखंड व तेलंगाना एचसी), पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर हेमंत नागराले और कस्टम्स अधिकारी अनिश गुप्ता शामिल हैं।सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश 2 पब्लिक इंटरेस्ट पिटीशन पर दिया। एक वकील सीआर जया सुकीन और दूसरी याचिका देव शर्मा ने जुलाई में कोल्हापुर के मंदिर से हाथी 'माधुरी' को वनतारा में ले जाने के विवाद के बाद दायर की थी। हथिनी को कई लोग महादेवी भी बुलाते हैं। एसआईटी 5 पॉइंट्स पर जांच करेगी- भारत और विदेश से, विशेषकर हाथियों के अधिग्रहण में- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, चिड़ियाघरों के नियम, अंतरराष्ट्रीय प्रजाति व्यापार संधि, आयात-निर्यात कानूनों और अन्य वैधानिक आवश्यकताओं का पालन हुआ या नहीं। पशुपालन मानकों, पशु-चिकित्सा देखभाल, पशु कल्याण, मृत्यु दर और उनके कारणों, जलवायु और स्थान संबंधी शिकायतों की। निजी संग्रह बनाने के आरोपों, प्रजनन और संरक्षण कार्यक्रमों, जैव विविधता संसाधनों के उपयोग, कानूनी उल्लंघनों, वन्यजीव तस्करी और पशु उत्पादों के व्यापार आदि मामले में।

गर्लफ्रेंड ने तोड़ा रिश्ता तो युवक ने घर में घुसकर परिवार के सामने ही भेजा उड़ा दिया,बंगाल में सनसनीखेज घटना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में एक सनसनीखेज

घटना हुई। जिले के कृष्णानगर इलाके में एक लड़की को उसके एक्स बॉयफ्रेंड ने गोली मार दी। सूत्रों ने बताया कि आरोपी लड़का और लड़की साथ पढ़ते थे। इस दौरान दोनों का अफेयर हो गया। लड़की पिछले दिनों से लड़के के साथ रिश्ते को खत्म करना चाहती थी। गुस्साया लड़का उसके घर पहुंचा और उसके घरवालों के सामने ही लड़की पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर भाग निकला।कृष्णानगर के एसपी के अमरनाथ ने बताया कि लड़की और आरोपी लड़का देबराज सिंघा स्कूल में साथ पढ़ते थे। तब दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गया था। स्कूलिंग के बाद लड़की 2023 में कॉलेज आ गई। इस दौरान उसने युवक से दूरियां बनानी शुरू कर दीं। देबराज की लड़की के भाई से थी दोस्ती वह नादिया के मोहनपुर में बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय के पास कहीं रहता है। वहीं लड़की का घर कृष्णानगर महिला कॉलेज के सामने माणिकपारा में कोतवाली पुलिस स्टेशन की सीमा के अंदर पड़ता है। देबराज सिंघा लड़के के भाई को अच्छी तरह से जानता था। इस कारण से उसका लड़की के घर पर आना-जाना था। देबराज लड़की ईशा मल्लिक (19) के घर पहुंचा ईशा के घरवाले उस समय घर पर ही मौजूद थे। वह अंदर गया तो सामने ईशा खड़ी थी। देबराज ने उसके ऊपर गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। ईशा के शरीर पर दो गोलियां लगीं। एक गोली उसके सिर पर लगी। युवक वहां से भाग गया। ईशा को खून से लथपथ हालत में शक्तिनगर जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसपी अमरनाथ ने कहा कि लड़की के शरीर पर दो गोलियों के निशान मिले हैं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। आरोपी घटना के बाद से फरार है। वह अपने घर भी नहीं गया। उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। यह भयानक घटना ईशा के परिवार के सामने हुई। उसकी मां और छोटा भाई उस समय घर पर ही थे।उसकी मां ने बताया कि उन्होंने एक जोर की आवाज सुनी और कमरे की ओर दौड़ीं। उन्होंने देबराज को हाथ में गन लेकर भागते हुए देखा।

वोटर अधिकार यात्रा में प्रियंका गांधी भी शामिल,सुपौल होते हुए मधुबनी पहुंचा राहुल का काफिला,तेजस्वी बोले- एनडीए मतलब- 'नहीं देंगे अधिकार'

सुपौल। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के 10वें दिन राहुल गांधी को बहन प्रियंका का साथ

मिला है। एक दिन के ब्रेक के बाद मंगलवार को सुपौल से यात्रा फिर शुरू हुई। काफिला कोसी महासेतु के रास्ते एनएच-27 होते हुए मधुबनी पहुंचा। आज की यात्रा में प्रियंका के अलावे तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी भी हैं। साथ ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य भी शामिल हैं। सुपौल में राहुल का काफिला 3 घंटे तक रहा।इस दौरान भीड़ से 'वोट चोर-गद्दी छोड़' के नारे लगे। वहीं प्रियंका गांधी हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन करती नजर आईं। यात्रा के ड्रोन व्यू में लोगों का हुजूम उमड़ा दिख रहा है।सुपौल से होते हुए ये यात्रा मधुबनी पहुंचेगी। इसके बाद लोहिया चौक पर एक जनसभा होगी। यात्रा के दौरान सिजौलिया में अति पिछड़ा सम्मेलन होगा। सम्मेलन के बाद लंच ब्रेक है। इसके बाद राहुल गांधी का काफिला मोहन चौक होते हुए आगे बढ़ेगा। जनसभा के बाद राहुल रात में सकरी में ही रुकेंगे। इधर, पटना से सुपौल के लिए निकलने के दौरान तेजस्वी ने कहा, ' यात्रा को लेकर जनता में भारी उत्साह है, लोगों का प्यार महागठबंधन को मिल रहा है। जिससे एनडीए के लोगों को बेचैनी हो रही है। हमने पहले भी कहा, एनडीए का मतलब है- 'नहीं देंगे अधिकार'।'सुपौल में पप्पू यादव की पत्नी राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन भी वोट अधिकार यात्रा में नजर आईंनिर्दलीय सांसद पप्पू यादव की पत्नी और राज्यसभा में कांग्रेस सांसद रंजीत रंजन भी वोटर अधिकार यात्रा में नजर आईं। सुपौल में यात्रा 3 घंटे चली, अब राहुल का काफिल मधुबनी की ओर बढ़ गया है।सुपौल के सरायगढ़ से वोटर अधिकार यात्रा आगे बढ़ी है। कोसी महासेतु के रास्ते एनएच-27 फोरलेन होकर राहुल का काफिला मधुबनी जिले में प्रवेश करेगा।सुपौल में राहुल और प्रियंका गांधी के स्वागत में मदरसे में पढ़ने वाले बच्चे सड़क किनारे लाइन में खड़े नजर आए।कांग्रेस प्रभारी कृष्ण अल्लावरू ने कहा, 'जनता का आशीर्वाद कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के साथ है। अगर वोट चोरी न होती, तो प्रधानमंत्री मोदी कभी प्रधानमंत्री नहीं बनते। हमने सबूत दिखाए हैं कि वोट चोरी के कारण ही भाजपा के उम्मीदवार हर निर्वाचन क्षेत्र में जीते हैं। यही कारण है कि हम वोट चोर - गद्दी चोर कहते हैं। आने वाले दिनों में अखिलेश यादव जी, झारखंड के मुख्यमंत्री, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अन्य वरिष्ठ नेताओं सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता इस यात्रा में शामिल होंगे।'यात्रा के दसवें दिन राहुल गांधी के साथ गाड़ी में प्रियंका गांधी, तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और माले नेता दीपांकर भट्टाचार्य हैं।वोटर अधिकार यात्रा के 10वें दिन प्रियंका गांधी भी शामिल हुई हैं। सुपौल में दोनों भाई-बहन एक गाड़ी से निकले।

ट्रम्प बोले- मैंने 7 युद्ध रुकवाए, इनमें 4 टैरिफ से,भारत-पाकिस्तान जंग भी शामिल, इसमें 7 फाइटर जेट गिरे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ व्हाइट हाउस

में द्विपक्षीय बैठक के दौरान कहा कि उन्हें दुनियाभर में 7 संघर्षों को रोकने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि इनमें से 4 जंग टैरिफ से रुकवाई गईं।

इनमें भारत और पाकिस्तान के बीच का संघर्ष भी शामिल है, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि वह न्यूक्लियर वॉर में तब्दील होने के करीब था। ट्रम्प ने कहा, 'मैंने सात युद्ध रोके जो चल रहे थे, जिनमें भारत और पाकिस्तान भी शामिल थे।

वे हर जगह जेट मार गिरा रहे थे।' इसके अलावा ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान जंग के बीच 7 फाइटर जेट गिराने का दावा भी किया। ये उनके 19 जुलाई के 5 फाइटर जेट गिराने के दावे से ज्यादा है। हालांकि, उन्होंने इस बार भी साफ नहीं किया कि ये किसके जेट थे।ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने ट्रिलियन डॉलर की कमाई टैरिफ से की और इसी रणनीति से युद्ध भी रोके।

ट्रम्प से पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा था कि भारत पर लगाए सेकेंडरी टैरिफ भी वॉशिंगटन की उसी रणनीति का हिस्सा हैं। एनसीबी न्यूज के कार्यक्रम 'मीट द प्रेस' से बात करते हुए वेंस ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन भारत पर टैरिफ लगाने सहित दूसरे उपायों के जरिए रूस के लिए अपनी तेल अर्थव्यवस्था से लाभ कमाना कठिन बना रहा है।

वेंस ने कहा कि अमेरिका के पास अभी भी 'बहुत सारे पत्ते खेलने बाकी हैं' और इस बात पर जोर दिया कि ट्रम्प प्रशासन ने पहले ही पिछली सरकारों की तुलना में रूस पर ज्यादा आर्थिक दबाव काफी प्रतिबंध लगा दिए थे और चीनी सरकार कई बार बातचीत की है जिससे इस जंग को खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा कि अगर रूस के साथ प्रगति होती है तो कुछ देशों पर टैरिफ घटाए जा सकते हैं। जरूरत पड़ी तो और बढ़ाए जाएंगे।

अमेरिका यूक्रेन को ऐसी सुरक्षा गारंटी दे रहा है, जिससे दोबारा रूस हमला न कर सके। अमेरिका रूस और यूक्रेन दोनों से बातचीत की कोशिश कर रहा है, ताकि बीच का रास्ता निकले और युद्ध रुक सके।रूसी तेल खरीदने से भारत पर एक्स्ट्रा 25फीसदी टैरिफ ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त यानी कल से लागू हो जाएगा। इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं, जिससे आने वाले दिनों में भारतीय सामान के आयात पर अमेरिका में 50फीसदी टैरिफ देना होगा।

भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार- भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है।

यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2फीसदी (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था।

मई 2023 तक यह बढ़कर 45फीसदी (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है।

पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है।

बी. सुदर्शन रेड्डी बोले- मैं नक्सल समर्थक नहीं हूं,सलवा जुडूम का फैसला माओवादियों के पक्ष में नहीं था, संविधान मेरी एकमात्र विचारधारा

नयी दिल्ली। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि वे नक्सल समर्थक बिल्कुल नहीं हैं और भारत का संविधान ही उनकी विचारधारा है। रेड्डी ने कहा कि सलवा जुडूम का फैसला सुप्रीम कोर्ट का फैसला था और वह माओवादियों के पक्ष में नहीं था। अगर ऐसा होगा, तो अब तक इसे चुनौती क्यों नहीं दी गई? एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा- उपराष्ट्रपति चुनाव में प्रधानमंत्री समेत सभी सांसदों-मंत्रियों को पत्र लिखकर अपने लिए समर्थन मांगूंगा। मैं आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू से भी संपर्क करुंगा। अगर मैं चुना जाता हूं तो मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता संविधान की रक्षा करना होगी। दरअसल, गृहमंत्री अमित शाह ने 22 अगस्त को केरल में विपक्ष की तरफ से बी सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने की आलोचना की थी। उन्होंने कहा थ, 'सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज सुदर्शन रेड्डी वही व्यक्ति हैं, जिन्होंने नक्सलवाद की मदद की। उन्होंने सलवा जुडूम पर फैसला सुनाया। अगर वह फैसला नहीं आता, तो नक्सली चरमपंथ 2020 तक खत्म हो गया होता।' शाह ने रेड्डी पर नक्सलवाद का समर्थन करने का भी आरोप लगाया। सोमवार को रिटायर्ड जजों ने अमित शाह की टिप्पणी की आलोचना की। पूर्व जजों ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति पद का सम्मान करना ही बुद्धिमानी होगी।सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों

के समूह में पूर्व जज जस्टिस कुरियन जोसेफ, जस्टिस मदन बी लोकुर और जस्टिस जे चेलमेश्वर समेत 18 जज शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सलवा जुडूम फैसला स्पष्ट या परोक्ष रूप से नक्सलवाद या उसकी विचारधारा का समर्थन नहीं करता।उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति पद के लिए अभियान भले ही वैचारिक हो, लेकिन इसे शालीनता और गरिमा के साथ चलाया जा सकता है। किसी भी उम्मीदवार की तथाकथित विचारधारा की आलोचना करने से बचना चाहिए।रिटायर्ड जजों के समूह ने बयान जारी कर कहा एक उच्च राजनीतिक पदाधिकारी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के फैसले की पूर्वाग्रहपूर्ण गलत व्याख्या से जजों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है। इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंच सकता है। बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज ए के पटनायक, जस्टिस अभय ओका, जस्टिस गोपाल गौड़ा, जस्टिस विक्रमजीत सेन, जस्टिस कुरियन जोसेफ, जस्टिस मदन बी लोकुर, जस्टिस जे चेलमेश्वर, सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े और प्रो. मोहन गोपाल शामिल हैं।बीते चार दिनों में अमित शाह विपक्ष के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी और उनके सलवा जुडूम पर दिए जजमेंट को लेकर 2 बयान दे चुके हैं। 22 अगस्त को केरल के एक कार्यक्रम में शाह ने कहा था- 'विपक्ष के प्रत्याशी सुदर्शन रेड्डी वही हैं, जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद और नक्सलवाद को समर्थन देने वाला जजमेंट दिया था। अगर सलवा जुडूम के खिलाफ जजमेंट न होता तो वामपंथी उग्रवाद 2020 तक खत्म हो गया होता। यही व्यक्ति विचारधारा से प्रेरित होकर सुप्रीम कोर्ट जैसे पवित्र मंच का इस्तेमाल करते हुए सलवा जुडूम के खिलाफ फैसला देने वाले थे।' 25 अगस्त को शाह ने न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में भी विपक्ष के रेड्डी को उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर कहा-' रेड्डी ने सलवा जुडूम को खारिज कर दिया और आदिवासियों के आत्मरक्षा के अधिकार को खत्म कर दिया। इसी वजह से इस देश में नक्सलवाद दो दशकों से ज्यादा समय तक चला। मेरा मानना है कि वामपंथी विचारधारा ही (विपक्ष द्वारा सुदर्शन रेड्डी को चुनने का) मानदंड रही होगी।' शाह की टिप्पणी पर रेड्डी ने 23 अगस्त को कहा था कि वह गृह मंत्री के साथ मुद्दों पर बहस नहीं करना चाहते। यह फैसला उनका नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट का है। उन्होंने सिर्फ फैसला लिखा था। अगर अमित शाह ने पूरा फैसला पढ़ा होता तो वह यह टिप्पणी नहीं करते।दरअसल, छत्तीसगढ़ में सरकार ने नक्सलियों से लड़ने के लिए सलवा जुडूम अभियान चलाया था, जिसमें आदिवासी युवाओं को हथियार देकर स्पेशल पुलिस ऑफिसर बनाया गया। 2011 में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी की बेंच ने इस पर रोक लगाते हुए कहा कि यह तरीका असंवैधानिक और गैरकानूनी है। कोर्ट ने कहा था कि सरकार का काम नक्सलियों से लड़ने के लिए सुरक्षाबलों को भेजना है, न कि गरीब आदिवासियों को ढाल बनाकर खतरे में डालना। फैसले में आदेश दिया गया कि इन युवाओं से तुरंत हथियार लिए जाएं। सरकार को नक्सलवाद की मूल कारणों पर काम करना चाहिए। उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को होंगे। इसके लिए विपक्ष ने बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया है। वे एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।रेड्डी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में 21 अगस्त को अपना नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान राकांपा (एससीपी) प्रमुख शरद पवार, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव, द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और गठबंधन के कई अन्य नेता भी मौजूद थे।

छोटे चॉल में रहे, काम मांगने पर संगीतकार ने फेंकी डायरी,समीर के गाने पर नुसरत फतेह रोए, सबसे ज्यादा सॉन्ग लिखने का वर्ल्ड रिकॉर्ड

मुंबई। आप चाहें मिलेनियल हों, जेनरेशन ज़ी हों, जेनरेशन अल्फा या नई जेनरेशन बीटा हों...एक चीज जो इन सभी को एक-दूसरे से जोड़ती है, वो समीर अनजान के गाने हैं। तीन दशक से वो अपने गानों के जरिए प्यार, दोस्ती, हार्टब्रेक से लेकर पार्टी मोड तक हर मौके और हर फीलिंग के लिए अल्फाज लिख रहे हैं। उनके सपने बहुत छोटे-छोटे थे, लेकिन कलम की जादूगरी ने उन्हें ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया, जहां से वो पीछे देखते हैं तो खुद पर यकीन नहीं होता। कभी शब्दों का ऐसा जाल बुना कि पाकिस्तानी गायक नुसरत फतेह अली खान भी गाते वक्त रो पड़े। एक लाइन के लिए उन्हें 150 टेक लेने पड़े थे। समीर की चाहत कभी रेडियो पर अपना एक गाना सुनने की थी, लेकिन आज उनके नाम चार हजार से अधिक गाने लिखने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। कभी समीर गलियों में अपना गाना बजते सुनना चाहते थे, पिछले तीन दशक से उनके गाने न सिर्फ बज रहे हैं बल्कि अब उनके रीमिक्स भी बन रहे हैं। अपनी सफलता को वह भगवान की नेमत मानते हैं।मैं बनारस से हूं, लेकिन मेरी परवरिश बनारस शहर में नहीं हुई

है। मैं बनारस के एक गांव ओदार में पला-बढ़ा हूं। वो गांव तो अब सपनों में ही दिखता है, हकीकत में कुछ वैसा नहीं है। अब गांव जाता हूं तो रोना आता है। गांव की वो चौपाल, कच्चे मकान, महुआ-नीम के पेड़, लोग, संकरी गलियां वो सब नेस्तनाबूद हो गए। गांव का बुरी तरह से शहरीकरण हो गया है। अब मैं सिर्फ इसलिए जाता हूं क्योंकि वो मेरी मातृभूमि है और वहां से मेरी यादें जुड़ी हैं, लेकिन गांव को देखकर बहुत दुख होता है। हम भाग्यशाली थे कि सही मायनों में गांव कहते किसको है, वो हमने जिया था। तालाब, पोखर, बगीचा, आती-पाती क्या होता है, आने वाली पीढ़ी को इन लफ्जों का मतलब भी पता नहीं होगा।खैर, पिताजी की तमन्ना नहीं थी कि मैं कभी गीतकार बनूं। वो कहते थे कुछ भी करना, गीतकार बनने की कोशिश मत करना। इस वजह से उन्होंने मुझे लिटरेचर नहीं पढ़ने दिया और मुझे बीएचयू से एमकॉम कराया। वो मेरे गाने लिखने के बिल्कुल खिलाफ थे। हालांकि मेरे लिखने का शौक अपने चरम पर था। मैं सातवीं क्लास में था, जब मुझे लिखने का शौक जगा। उसी उम्र से मैंने नोट बनाने शुरू कर दिए थे। फिर दोस्तों का एक ग्रुप बन गया, जो शायरी करते थे। फिर हम दोस्तों ने एक छोटा सा रूम लेकर उसमें गोष्ठी शुरू की। यहां से बात ऑर्केस्ट्रा पार्टी तक पहुंची। फिर हमने एक ऑर्केस्ट्रा पार्टी शुरू कर दी, जिसका नाम मनोरंजन ऑर्केस्ट्रा पार्टी था। इसकी एंकरिंग मैं करता था और शेरो-शायरी सुनता-सुनाता था।उन दिनों बनारस में गुप्ता संगीतालय के नाम से एक मशहूर संगीतालय था। वहां, जाकर मैंने बैंजो बजाना सीख लिया। ऐसे में मुझे थोड़ी बहुत संगीत की भी जानकारी हो गई और मैं मुशायरों में जाने लगा। उत्तर प्रदेश का कोई भी ऐसा जिला नहीं होगा, जहां मैंने मुशायरा न किया हो। ये सब करते-करते मैं रेडियो तक पहुंच गया, लेकिन तब तक मेरे दिमाग में कभी नहीं आया कि मुझे गीतकार बनना है। मैं बस चीजों को एंजॉय कर रहा था। मैं पढ़ाई के साथ ट्यूशन भी पढ़ाता था। मैं पत्रकारिता भी कर रहा था। इन सबके बीच मैंने सेंट्रल बैंक की नौकरी भी जॉइन कर ली और दो दिन के लिए काम पर भी गया। जब मैं दूसरे दिन अपनी कुर्सी पर बैठ रहा था, तब मेरे अंदर से आवाज आई कि ये तुम्हारी जगह नहीं है। तुम गलत फैसला कर रहे हो। दिल की बात सुनो और यहां से निकलो। उस जमाने में बैंक की नौकरी मिलना, इंडियन सिविल सर्विस-पीसीएस से कम बड़ी बात नहीं होती थी। मैंने बैंक की नौकरी छोड़ दी। मेरा पूरा परिवार मेरे ऊपर निर्भर था। मेरे पिताजी मुंबई में स्ट्रगल कर रहे थे। दादाजी की नौकरी छूट गई थी। ऐसे में जब मेरी नौकरी लगी तो सबको लगा कि उन्हें एक सहारा मिल गया है। मैंने जब अपना फैसला घरवालों को सुनाया, तो सब रोने लगे। मुझे कहा गया कि ऐसा मत करो। तुम देख रहे हो कि हम लोग ऐसे ही तकलीफ में हैं। पिता पहले से ही मुंबई में संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में तुम भी हमें छोड़कर चले जाओगे तो हमारा क्या होगा? लेकिन मेरी जिद थी और दिल मानने को तैयार नहीं था और मैं निकल गया।मैं 6 अप्रैल 1980 को मुंबई आया था। वो तारीख मुझे आज भी याद है। जब मैं यहां आया तो भौचक्का रह गया कि ये मैं कहां आ गया। मैं मालवाणी के चॉल नंबर 628 और ब्लॉक चार में रहने लगा। 'चॉल में रहने के दौरान के संघर्षों को मैं शब्दों में बयां नहीं कर

सकता। एक बार तो ऐसा हुआ कि मैं शौच के लिए गया था, तभी एक शराबी दरवाजा तोड़ अंदर घुस आया। उसने मुझे गंदी-गंदी गालियां दीं। मैं एक संभ्रात परिवार से आता था, मैं ऐसी सिचुएशन सोच भी नहीं सकता था। उस वक्त मेरी आंखों से आंसू बहने लगे। उस घटना को आज भी याद करके मेरी रूह कांप जाती है।'मैं 23 साल की उम्र में मुंबई आ गया था। उस उम्र तक मैं अपने पिता से सिर्फ दो बार मिला था। वो मुंबई में थे, लेकिन मैं उन्हें बिना बताए आया और अकेले चॉल में रह रहा था। 23 साल की उम्र तक मैं बस दो बार अपने पिता से मिला था। मेरा पालन-पोषण दादाजी ने ही किया था। पिताजी मुंबई में जमने के लिए 17 साल तक संघर्ष करते रहे। जब पिताजी को पता चला कि मैं भी मुंबई में हूं तो उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। ये तीसरी बार था, जब मैं उनसे मिलने वाला था। मैं पिताजी से मिलने किसी उम्मीद में नहीं गया था कि वो मुझे अपने साथ रख लें। मैं गुस्से में था कि आज वो जो भी पूछेंगे, मैं उसका उल्टा जवाब दूंगा। पहले तो मुझे लगा ही नहीं कि वो मेरे पिता हैं। मुझे लगा कि मैं किसी रिश्तेदार से मिलने वाला हूं। जब मैं उनसे मिला तो उन्होंने कहा कि तुम बड़े हो गए हो और अपने जीवन का फैसला करने का तुम्हें अधिकार है, लेकिन पिता होने के नाते में तुमसे कुछ पूछना चाहता हूं। फिर उन्होंने मुझसे पहला सवाल किया कि क्या तुमने कभी किसी लड़की से मोहब्बत की? उनका सवाल सुनकर मैं हैरान रह गया। मैंने हां में जवाब दिया। फिर उन्होंने मुझसे कहा कि क्या सोचकर प्यार किया? मैंने उनसे कहा कि प्यार कोई सोचकर नहीं करता है। जब करना होता है तो कर लेता है। उन्होंने कहा- अब पूछो, यह सवाल मैंने तुमसे क्यों किया? मैंने कहा- बताइए। तब उन्होंने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि तुम बावफा आशिक हो या बेवफा आशिक हो। क्योंकि यह इंडस्ट्री महबूबा की तरह है। अगर इससे सच्ची मोहब्बत हो तभी रहना, वरना भाग जाना।उन्होंने दूसरा सवाल पूछा कि तुम यहां क्या सोचकर आए हो। इंडस्ट्री जन्नत की तरह है। यहां सब हूरें मिलेंगी, पैसा मिलेगा, शोहरत मिलेगी। मैंने कहा- हां फिर, उन्होंने कहा- जन्नत में कुछ पाने के लिए आदमी को मरना पड़ता है। क्या तुम मरने के लिए तैयार हो? मुझे लगा पापा ने बात तो बहुत बड़ी कर दी, लेकिन मैं उन्हें दो टूक जवाब देने के मूड से आया था। मैंने इस सवाल पर भी फट से हां कह दिया। फिर पापा ने मुझसे कहा कि चलो अपना बोरिया-बिस्तर उठाओ और घर चलो, लेकिन अगले छह महीने तुम कुछ भी नहीं लिखोगे। अब मैं बताऊंगा कि इस इंडस्ट्री की रवायत और भाषा क्या है।मैं तुम्हें हर म्यूजिक डायरेक्टर के साथ होने वाली मीटिंग में ले जाऊंगा, लेकिन मैं कहीं तुम्हारा परिचय नहीं कराऊंगा। तुम वहां बैठना और चीजों को समझने की कोशिश करना। गाना लिखने के लिए जो सिचुएशन मुझे दी जाएगी, उस पर मैं भी लिखूंगा और तुम भी लिखोगे। मैं हम दोनों का लिखा मुखड़ा आगे सुनाऊंगा, जिस दिन तुम्हारा लिखा पास हो जाएगा, मैं तुम्हें आजाद छोड़ दूंगा। उसके बाद तुम जा सकते हो।एक साल बाद मेरा एक गाना आया। फिल्म का नाम 'बिंदिया चमकेगी' था और उसमें रेखा जी थीं। यहां से मेरे जीवन में संघर्ष की शुरुआत हुई। मैं सुबह निकलता और रात में थका-हारा घर पहुंचता था। पिताजी मेरा संघर्ष देख रहे थे। मुझसे पूछते थे कि कहां-कहां गए, क्या लिखा। मेरा संघर्ष देखकर उन्होंने जीवन में एक बार ही मेरे लिए लक्ष्मीकांत जी बात की। तब उन्होंने पिताजी से कहा कि आज तो आपने कह दिया, दोबारा किसी से ये बात मत कहिएगा। एक बात याद रखिएगा कि बाप की दुकान बाप की होती है। आपने कहा है तो मैं बस इतना कर सकता हूं कि मैं इसे सुनूंगा। ये जब भी मेरे पास आएगा, मैं इसका लिखा पढ़ूंगा। जिस दिन ये मेरे मन मुताबिक अपना मुखड़ा लिखेगा, उस दिन मैं आपको कॉल करूंगा कि आइए, अब आपके बेटे का गाना रिकॉर्ड कर रहा हूं। मुझे लक्ष्मीकांत जी से एक गाना पास कराने में चार साल लग गए। मैं हर दूसरे दिन उनके पास जाता और अपना लिखा सुनाता। वो मुझे हर बार कहते कि अभी वो बात नहीं है। चार साल बाद एक दिन ऐसा आया कि मैंने उन्हें अपना लिखा सुनाया और वो उन्हें पसंद आ गया। फिर उन्होंने वो गाना बनाया और पिताजी को कॉल कर कहा कि आइए आपके बेटे का गाना रिकॉर्ड करने वाला हूं। वो गाना गोविंदा की फिल्म 'लव 86' का था। इस तरह लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के यहां मेरी एंट्री हुई।एक म्यूजिक डायरेक्टर थे, जो मेरे पिताजी के एक अच्छे-खासे दोस्त थे। मैं उनके पास जब ऐसे जाता था तो बहुत इज्जत से मिलते थे। चाय पिलाते और हालचाल लेते। उस दिन उन्होंने सामने से बोला कि मैंने सुना है कि तुम कुछ लिखते हो। कभी सुनाया नहीं तो कुछ सुनाओ। मैंने उन्हें एक घंटे तक अपनी कविता सुनाई और वो गौर से सुनते रहे। अचानक वो इतना खफा हुए कि मेरी डायरी तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दी। फिर बहुत गुस्से में आकर बोले कि क्यों अपने पिताजी का नाम खराब कर रहे हो? इतने बड़े पिता का नाम तुम्हारी वजह से खराब हो जाएगा। मैं एक काम करता हूं, मैं तुम्हें टिकट के पैसे देता हूं। तुम अपने पिता को बताना भी मत और इस शहर से चले जाओ। तुम बैंक में नौकरी कर रहे थे, यहां आने की जरूरत क्या थी?मैं उन्हें कुछ बोल भी नहीं सकता था। मैं कांपते पैरों से चुपचाप उठा, अपनी डायरी उठाई और उसे माथे से लगाया। मैंने 222 नंबर की बस पकड़ी और सीधे उषा खन्ना जी के पास चला गया। ऐसे तो वो अक्सर लोगों से घिरी रहती थीं। सौभाग्य से उस दिन वो अकेली थीं। मैंने उनसे कहा कि आंटी मैंने कुछ गाने लिखे हैं, आपको सुनाऊं? उन्होंने हामी भर दी। मैंने सिर्फ पांच मुखड़े सुनाए और उषा जी ने कहा कि अब बस कर। ये पांचों गाने मुझे दे दे। मैं अगले हफ्ते इन्हें रिकॉर्ड करूंगी। जगह कौन सी होगी, वो मैं तुम्हें कॉल करके बताऊंगी। फिल्म 'बेखबर' के लिए मेरा गाना रिकॉर्ड हुआ। इस तरह हिंदी इंडस्ट्री में मेरी शुरुआत हुई। उससे पहले तक मैं रीजनल फिल्मों के लिए लिख रहा था। मैं जिस दिन उषा जी से मिला, उस दिन किस्मत मेरे साथ थी। जब मैं उषा जी के पास से निकला, तभी मुझे मुरली नाम का एक सिंगर मिला। उसने मुझसे कहा कि आप भोजपुरी लिखते हो, चलो आपको चित्रगुप्त जी से मिलवाता हूं। चित्रगुप्त जी भोजपुरी इंडस्ट्री का बड़ा नाम थे। मैं भी उनके पास जाने के लिए तैयार हो गया। मेरे पिताजी ने उनकी फिल्म 'बलम परदेसिया' लिखी थी। उनका पूरा परिवार मुझसे बड़े प्यार से मिला। चित्रगुप्त जी ने मुझसे कहा कि देखो बेटा, मैं तो भोजपुरी फिल्में बनाता हूं तो यहां तो मैं तुम्हें मौका दूंगा, लेकिन मेरे दो बेटे हैं आनंद-मिलिंद। वो भी तुम्हारी तरह युवा हैं और संघर्ष कर रहे हैं। तुम सब साथ बैठो और कुछ अच्छा बनाओ। फिर उन्होंने आनंद-मिलिंद को बुलाया और मुझसे मिलवाया। हम सबने साथ में काम शुरू कर दिया। उसी समय फिल्म प्रोड्यूसर नासिर हुसैन के बेटे मंसूर खान डायरेक्शन में कदम रखना चाहते थे। नासिर ने बेटे से कहा था कि कोई छोटी फिल्म बनाकर खुद को प्रूव करो, तब मैं तुम्हें बड़ी पिक्चर दूंगा। मंसूर ने वीडियो फिल्म 'अम्बर्टो' बनाई, जिसमें आमिर खान थे। उस वीडियो फिल्म में मैं आमिर खान, आनंद-मिलिंद सबने साथ में काम किया। मैंने उस फिल्म के लिए गाना भी लिखा। नासिर साहब और मंसूर सबको मेरा लिखा पसंद आया था। 'कयामत से कयामत तक' हाथ से गई, फिर लगा सारे दरवाजे बंद हो गए मंसूर ने कहा कि चलो अब कहानी पर काम करते हैं। ऐसे में 'कयामत से कयामत तक' की शुरुआत हुई। जब म्यूजिक डायरेक्टर और राइटर की बात आई, तब नासिर जी ने कहा कि हमारे यहां तो आरडी बर्मन और मजरूह सुल्तानपुरी ही काम करते हैं। मंसूर ने कहा कि उसे आनंद-मिलिंद के साथ ही काम करना है। बेटे की जिद पर नासिर जी का जवाब आया कि फिल्म में हीरो-हीरोइन, म्यूजिक डायरेक्टर और राइटर सब नए हैं। ऐसे में प्रपोजल कैसे बनेगा। फिर तय हुआ कि म्यूजिक डायरेक्टर और राइटर दोनों की पसंद का होगा। म्यूजिक के लिए मंसूर ने आनंद-मिलिंद को चुना और राइटर में मजरूह सुल्तानपुरी आ गए। मेरा पत्ता कट गया। फिल्म आई और गजब की हिट रही। मैं बहुत निराश हो गया कि एक दरवाजा खुला था, वो भी बंद हो गया। मैंने आनंद से अपनी दुविधा बताई तो उसने कहा कि वो आगे जो भी फिल्म करेंगे, उसमें मेरे लिए जगह बनाएंगे। कुछ दिन बाद ही 'दिल' के लिए आमिर ने आनंद-मिलिंद को बुलाया। आनंद-मिलिंद वहां मुझे अपने साथ लेकर गए। आनंद-मिलिंद को जब म्यूजिक का ऑफर मिला तो उनसे राइटर का नाम पूछा गया तो उन दोनों ने मेरा नाम लिया। इन्होंने कहा कि एक बार मेरा गाना सुना जाए। फिर मैंने उन्हें 'खंबे जैसी खड़ी है' सुनाया। ये गाना सभी को बहुत पसंद आया। 'दिल' फिल्म में मेरी एंट्री हो गई और वो फिल्म जब रिलीज हुई तो मेरी किस्मत ही बदल गई।तीन साल के अंदर फिल्मफेयर अवॉर्ड जीत लिया 'दिल' के बाद मैंने 'आशिकी' के गाने लिखे। इस फिल्म के गानों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए। इस फिल्म के गाने 'नजर के सामने' के लिए साल 1991 में मुझे अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। फिर साल 1993 में 'दीवाना' फिल्म के गाने 'तेरी उम्मीद, तेरा इंतजार' और साल 1994 में 'हम है राही प्यार के' के गाने 'घूंघट की आड़' के लिए भी मैंने फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता। इंडस्ट्री में मेरे पिताजी ने लंबे समय तक काम किया और वो बहुत डिजर्विंग थे, लेकिन उसके बाद भी उन्हें कभी अवॉर्ड नहीं मिला। जब मुझे मेरे पहला फिल्मफेयर मिला था, तब मेरे पिताजी वहां मौजूद थे। वो पैरालिसिस का चौथा अटैक झेल रहे थे और चल भी नहीं पा रहे थे, लेकिन मेरे सम्मान के लिए वो मंच तक आए। उन्होंने स्टेज से कहा था- 'जो मैं नहीं पा सका, वो मेरे बेटे ने हासिल किया। मैं चाहता हूं कि भविष्य में इसे और भी उपलब्धियां मिलें।' 'आशिकी' के लिए महेश भट्ट ने डायरेक्शन दांव पर लगाया 'आशिकी' पहले चाहत के नाम से सिर्फ एक गानों का एल्बम बन रहा था। गुलशन कुमार उसे फिल्म बनाना चाहते थे, लेकिन हीरो-हीरोइन की वजह से उन्होंने वो आइडिया ड्रॉप कर दिया था। डिस्ट्रीब्यूटर्स ने कहा था कि हीरो-हीरोइन अच्छे नहीं हैं। मेरी फिल्म 'दिल' हिट हो चुकी थी, लेकिन नदीम-श्रवण बहुत ज्यादा संघर्ष कर रहे थे। मुझे पता था कि टी-सीरीज बैनर अपनी फिल्मों का बेस्ट प्रमोशन करता है। मैंने 'आशिकी' के गाने में अपनी जवानी की पूरी सोच लगा दी थी। दिमाग में कहीं न कहीं था कि अगर ये फिल्म चल गई तो पूरी जिंदगी बदल जाएगी। जब गुलशन जी ने कहा कि वो एल्बम बनाने वाले हैं तो हम सब निराश हो गए। मैं महेश भट्ट के पास गया। उन्होंने जब सुना तो कहा ऐसे कैसे एल्बम बना देगा। गुलशन महेश भट्ट से बहुत ज्यादा डरते थे। महेश भट्ट ने घर में घुसते ही कहा कि सुना है कि गुलशन कुमार पागल हो गया है। गुलशन जी को भी समझ आ गया कि कुछ तो गड़बड़ है। फिर महेश जी ने उनसे कहा कि मैंने सुना है कि तुम 'आशिकी' को फिल्म नहीं एल्बम बना रहे हो? उन्होंने महेश जी को बताया कि फिल्म को लेकर बहुत खराब रिस्पॉन्स आया है, इस वजह से वो ऐसा सोच रहे हैं। फिर महेश जी ने कहा, गुलशन तू पागल हो गया है। मैं तुम्हें बता रहा हूं कि ये फिल्म तुम्हारे बैनर और इस सदी की सबसे बड़ी म्यूजिकल हिट होगी। महेश भट्ट ने पेपर मांगकर उस पर लिखा कि अगर ये फिल्म और इसका म्यूजिक नहीं चला तो वो डायरेक्शन छोड़ देंगे। फिर उसी पेपर पर नीचे गुलशन कुमार ने लिखा कि मैं इस फिल्म को ऐसे प्रमोट करूंगा कि आप हिंदुस्तान के वॉशरूम में भी जाएंगे तो वहां भी आशिकी दिखेगी। फिर गुलशन ने कहा कि लेकिन एक समस्या और है। फिल्म के हीरो-हीरोइन दोनों बहुत खराब लग रहे हैं। महेश जी ने आइडिया दिया कि तुम चिंता मत करो, हम उनकी शक्ल पहले दिखाएंगे ही नहीं। उनके चेहरे पर कोट डाल देंगे। तुम म्यूजिक को प्रमोट करो, जब म्यूजिक हिट हो जाएगा, फिर चेहरे को रिवील करेंगे।मेरा बस इतना सपना था कि रेडियो सिलोन पर मेरा एक गाना बज जाए तो मैं लौटकर बनारस चला जाऊं, लेकिन आज चार हजार से अधिक गाने मेरे नाम हैं। इस वजह से ईश्वर पर मेरी आस्था अटूट है। मैंने अपनी पहली इनिंग में आनंद-मिलिंद और नदीम-श्रवण के साथ अच्छा काम किया।ये वो समय था, जब मैं एक साथ 110 फिल्में कर रहा था। इनमें से आनंद-मिलिंद के साथ और नदीम-श्रवण के साथ 50 फिल्में थीं। मैं कामयाबी के पीक पर था, जब गुलशन की हत्या हुई। उसके बाद लगा जैसे मेरे लिए सब कुछ खत्म हो गया। मैं पहली बार अपनी लाइफ में टूटा था।मैं संघर्ष में कभी नहीं टूटा था, लेकिन गुलशन जी के जाने से मैं टूट गया।

शाहरुख खान को बांद्रा में मिलेगा आलीशान घर,समंदर के किनारे होगा 2,800 वर्ग फुट एरिया का 4 बीएचके अपार्टमेंट

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान को मुंबई के बांद्रा कार्टर रोड पर एक नया 4 बीएचके सी-फेसिंग अपार्टमेंट मिलने वाला है। यह अपार्टमेंट लगभग 2,800 वर्ग फुट का होगा। यह घर श्री अमृत सोसाइटी के री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। यहां शाहरुख का एक अपार्टमेंट है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह प्रोजेक्ट श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड कर रहा है। इसे वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। कंपनी को इस प्रोजेक्ट से करीब 1,500 से 2,000 करोड़ रुपए की कमाई हो सकती है। बता दें कि शाहरुख ने शादी के बाद श्री अमृत सोसाइटी में अपना फ्लैट खरीदा था। यह उनकी मुंबई में पहली प्रॉपर्टी थी। कंपनी को जून 2025 में सोसाइटी का री-डेवलपमेंट करने के लिए चुना गया था, और हर फ्लैट मालिक को इसके बाद 155फीसदी ज्यादा जगह मिलेगी। अब शाहरुख को भी नया अपार्टमेंट मिलेगा।कंपनी के सीएमडी आनंद पंडित ने कहा, 'बिक्री के लिए फ्लैट 4 और 5 बीएचके के होंगे। यह फाइनल प्लान पर निर्भर करेगा। प्रोजेक्ट का कुल बिक्री क्षेत्र 1.35 लाख वर्ग फुट होगा।' कार्टर रोड पर बने इस सोसाइटी प्रोजेक्ट की शुरुआत 1980 के दशक में हुई थी। यह एक एकड़ सी-फेसिंग जमीन पर बना है।

'रोज़ और सनफ्लावर एक साथ': शिवानी तोमर का नया फोटोशूट वायरल, फैन्स हुए दीवाने

मुंबई, विशेष संवाददाता। टीवी इंडस्ट्री की चहेती अभिनेत्री शिवानी

शिवानी तोमर

तोमर ने एक बार फिर अपने नए और अनोखे अंदाज़ से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। हाल ही में हुए एक फोटोशूट में शिवानी को सनफ्लावर (सूरजमुखी) के खेतों के बीच पोज़ करते देखा गया, जिसे देखकर उनके प्रशंसक झूम उठे। फूलों के बीच खिली 'शिवानी'- तस्वीरों में शिवानी बेहद नैचुरल लुक में नजर आ रही हैं। हल्के पीले और सफेद रंग के ट्रेडिशनल आउटफिट में वे खुद किसी खिले हुए फूल की तरह दिख रही हैं। उनके चेहरे पर फैली मुस्कान और सूरजमुखी के खेतों की खूबसूरती मिलकर एक ऐसा दृश्य रचते हैं, जिसे देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो जाए। इस शूट को लेकर एक फॉलोअर ने बेहद खूबसूरत प्रतिक्रिया दी - 'रोज़ और सनफ्लावर एक साथ देखना किसी सपने जैसा है, और वो रोज़ हैं - शिवानी!' यह कमेंट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। शिवानी का कैप्शन और कनेक्शन- शिवानी तोमर ने इन तस्वीरों को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा: 'Nature's sunshine and a little bit of soul.' यह कैप्शन उनके फोटोशूट की आत्मा को बखूबी दर्शाता है। तस्वीरों में सिर्फ फैशन ही नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ एक गहरा जुड़ाव भी दिखाई देता है - जो शायद शिवानी की पर्सनैलिटी को और अधिक दर्शाता है। स्टाइल और सादगी की मिसाल- शिवानी तोमर ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं, लेकिन उनका ये नैचुरल और सादगी भरा अंदाज़ फैन्स के दिलों को कुछ खास ही तरीके से छू गया है। उनके फैशन सेंस की तारीफ करते हुए एक यूज़र ने लिखा - 'शिवानी तोमर न केवल ऑनस्क्रीन कमाल हैं, बल्कि उनका हर लुक एक नई कहानी कहता है। ये तस्वीरें तो जैसे कविता बन गई हैं!' फैन्स और फॉलोअर्स की दीवानगी- इस फोटोशूट के बाद शिवानी के फॉलोअर्स की संख्या में भी खासा इज़ाफ़ा देखा गया है। लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स इस बात का सबूत हैं कि शिवानी की लोकप्रियता दिन-ब-दिन बढ़ती ही जा रही है। निष्कर्षः-शिवानी तोमर का यह फोटोशूट यह साबित करता है कि आज भी प्राकृतिक सुंदरता, सादगी और आत्मिक जुड़ाव दर्शकों को आकर्षित करता है। जहां ग्लैमर और हाई-फैशन की दुनिया में सब कुछ तेज़ी से बदल रहा है, वहीं शिवानी ने फूलों के बीच खड़े होकर ये दिखा दिया कि सच्ची सुंदरता किसे कहते हैं। उनके फैन्स के शब्दों में कहा जाए तो- 'कभी-कभी गुलाब और सूरजमुखी एक साथ खिलते हैं.. और वो लम्हा खास होता है।'

क्या संजय दत्त से नाराज हैं बेटी त्रिशाला? लिखा- खून का रिश्ता होने पर भी हर किसी को जिंदगी में जगह देना जरूरी नहीं

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त ने

सोशल मीडिया पर फैमिली और मेंटल हेल्थ को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। सोमवार को त्रिशाला ने इंस्टाग्राम पर लंबा नोट शेयर हुए लिखा, 'हर वो इंसान जो आपका खून साझा करता है, जरूरी नहीं कि आपकी जिंदगी में जगह बनाए। कई बार सबसे थकाने वाले और नजरअंदाज करने वाले लोग भी 'फैमिली' कहलाते हैं। आपको अपनी शांति बचाने का हक है। आप चाहें तो कम संपर्क रख सकते हैं या बिल्कुल भी नहीं। आप अपने मेंटल हेल्थ को परिवार की इमेज बचाने से ज्यादा महत्व दे सकते हैं।'त्रिशाला ने आगे लिखा, 'परिवार का नाम किसी को गलत बर्ताव, मैनिपुलेशन या गिल्ट-ट्रिप करने का पास (इजाजत नहीं देता) नहीं है। आप किसी को बार-बार मौका देने के लिए बाध्य नहीं हैं, चाहे उसने आपको पाला ही क्यों न हो। अगर माता-पिता परिवार की छवि पर ज्यादा ध्यान देते हैं, बजाय इसके कि उसमें रहना कैसा लगता है, तो यह समस्या है।' हालांकि उन्होंने इस नोट में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन इस पोस्ट के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या वो अपने पिता संजय दत्त से नाराज हैं? ध्यान देने वाली बात है कि कुछ हफ्ते पहले ही 29 जुलाई को संजय दत्त के 66वें जन्मदिन पर त्रिशाला ने उनके साथ पुरानी तस्वीर शेयर की थी। इसके कैप्शन में लिखा था, ' 'हैप्पी बर्थडे डैड ??हर दिन आपसे और ज्यादा प्यार होता है।'वहीं, इसके बाद 10 अगस्त को संजय दत्त ने बेटी को जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा था, 'हैप्पी बर्थडे त्रिशाला दत्त, हमेशा तुम पर गर्व है, हमेशा तुमसे प्यार रहेगा।' बता दें कि त्रिशाला की मां ऋचा शर्मा का 1996 में ब्रेन ट्यूमर के कारण निधन हो गया था। त्रिशाला अमेरिका में रहती हैं और साइकोथेरेपिस्ट के रूप में काम करती हैं। संजय दत्त ने 2008 में मान्यता दत्त से तीसरी शादी की थी। उनके दो बच्चे, शाहरान और इकरा हैं। दोनों समय-समय पर अपने माता-पिता की पोस्ट में दिखाई देते रहते हैं।

मिमिक्री आर्टिस्ट पर भड़के सुनील शेट्टी,कहा- इतनी घटिया मिमिक्री कभी नहीं देखी, मैं मर्द की तरह बोलता हूं, आप बच्चे की तरह बोल रहे हो

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

हो रहा है। इसमें वह स्टेज पर मिमिक्री आर्टिस्ट पर गुस्सा करते दिख रहे हैं।वीडियो में दिख रहा है कि एक कलाकार सुनील शेट्टी की मिमिक्री कर रहा था। इस पर सुनील नाराज होकर कहते हैं,'तब से ये भैया अलग-अलग डायलॉग बोल रहे हैं जो मेरी आवाज में हैं ही नहीं। इतनी घटिया मिमिक्री मैंने कभी नहीं देखी। जब सुनील शेट्टी बोलता है तो मर्द की तरह बोलता है। ये बच्चे की तरह बोल रहा था। बेटा जब मिमिक्री करते हो तो अच्छी करनी चाहिए, खराब नकल नहीं करनी चाहिए।' उनके इस रिएक्शन के बाद मिमिक्री आर्टिस्ट ने एक्टर से माफी मांगते हुए कहा -'सॉरी सर, मैं बिल्कुल आपकी मिमिक्री करने की कोशिश नहीं कर रहा था।' इस पर सुनील ने कहा,'कोशिश करना भी मत बेटा। अभी बहुत टाइम है सुनील शेट्टी बनने में। सिर्फ बाल बांधने से कुछ नहीं होता। अभी बच्चा है, लगता है इसने मेरी एक्शन फिल्में देखी ही नहीं।' सुनील के इस वीडियो पर सोशल मीडिया पर लोग अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ यूजर मान रहे हैं कि उन्होंने सही कहा, वहीं कुछ को लगा कि उन्हें इतना रूड रिएक्शन नहीं देना चाहिए था। एक यूजर ने लिखा - मैं तो मिमिक्री आर्टिस्ट के बारे में सोच रहा हूं, शो के बाद इस पर क्या बीती होगी। घर, पड़ोस, वर्कप्लेस, हर जगह उसकी बेइज्जती हुई होगी।वहीं दूसरे यूजर ने आर्टिस्ट को लेकर कमेंट किया - करियर शुरू होने से पहले ही खत्म, टाटा बाय-बाय। वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर हाल ही में फिल्म 'केसरी वीर' में दिखे थे। प्रिंस धीमान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विवेक ओबेरॉय, सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा भी अहम रोल में थे। यह फिल्म 23 मई 2025 को रिलीज हुई थी।

अनीत पड्डा ने साइन की अपनी दूसरी फिल्म,बैंड बाजा बारात के डायरेक्टर के साथ करेंगी काम, पंजाब पर आधारित होगी मूवी

मुंबई। 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा जल्द एक और लव स्टोरी में

नजर आएंगी। 'बैंड बाजा बारात' फेम डायरेक्टर मनीष शर्मा अनीत को लेकर एक रोमांटिक फिल्म बनाने वाले हैं। अनीत की इस फिल्म को यशराज फिल्म्स ही प्रोड्यूस करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो अनीत को उनकी नई फिल्म के लिए कास्ट कर लिया गया है। मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन काम भी शुरू हो चुका है। अनीत को ये रोमांटिक फिल्म पंजाब पर आधारित होगी। वहीं, फिल्म की शूटिंग साल 2026 की पहली छमाही में शुरू की जाएगी। फिल्म में अनीत के अपोजिट कौन होगा, इसे लेकर कोई जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। बता दें कि इस फिल्म के जरिए मनीष शर्मा अपना कमबैक कर रहे हैं। 'फना' फिल्म से बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर अपना करियर शुरू करने वाले मनीष ने 'बैंड बाजा बारात' से डायरेक्शन में कदम रखा था। मनीष साल 2010 से लेकर 2023 तक बतौर डायरेक्टर 10 फिल्में बनाई हैं, वो सारी ही फिल्म यशराज फिल्म्स के बैनर तले रिलीज हुई हैं। साल 2023 में उन्होंने सलमान खान की फिल्म 'टाइगर 3' को डायरेक्ट किया था। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर पाई थी।वहीं, अनीत की बात करें तो उन्होंने मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' से अहान पांडे के साथ अपना डेब्यू किया। इससे पहले वो एक-दो प्रोजेक्ट में साइड रोल और कई कमर्शियल का चेहरा रह चुकी थीं। लेकिन 'सैयारा' ने उन्होंने रातों-रात फेमस कर दिया। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में भी कई रिकॉर्ड बनाए।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।